Page 11 | जन-जन की वाणी... | हिन्दी दैनिक | Page 09

सोन वर्षा वाणी

औरंगाबाद, पटना, आरा एवं दुमका से प्रकाशित

खेल

आईपीएल इतिहास में तीसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले यंगेस्ट प्लेयर बने वैभव सूर्यवंशी

देश

हनीमून : सोनम रघुवंशी को कैसे मिली जमानत? पुलिस के टाइपो एरर ने पलटा पासा

शुक्ल पक्ष, उत्तर फाल्गुनी, विक्रम संवत् 2083 • औरंगाबाद • गुरूवार • 30 अप्रैल 2026 • वर्ष 28 • अंक 148 • पृष्ठ 12 मूल्य ₹ 2.00

सोना चांदी

सोना	चांदी
10 ग्राम 22 कैरेट	1 किलो चांदी
₹ 1,51,370	₹ 2,60,000

आज का इतिहास

1870 : भारतीय सिनेमा के पितामह कहे जाने वाले धुंडिराज गोविंद फाल्के उर्फ दादा साहब फाल्के का जन्म।

1982 : भारत के कलकत्ता में आनंद मार्ग से संबंधित सोलह भिक्षुओं और एक नन को तीन अलग-अलग स्थानों में अज्ञात व्यक्तियों द्वारा टैक्सियों से बाहर निकाला गया, पीटा गया और फिर आग लगा दी गई।

न्यूज बाइट्स

राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने भामाशाह को दी श्रद्धांजलि

पटना (नि.सं.)। राज्यपाल (रिटायर्ड) लेफ्टिनेंट जनरल सैयद अता हसनैन और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने दानवीर भामाशाह की जयंती पर उनकी आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित की। इस अवसर पर कई अन्य राजनीतिक और सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी श्रद्धांजलि दी। कार्यक्रम में विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियाँ भी आयोजित की गईं। राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (रिटायर्ड) सैयद अता हसनैन और मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी ने बुधवार को दानवीर भामाशाह की जयंती के अवसर पर आयोजित समारोह में पुनाईचक पार्क स्थित भामाशाह की आदमकद प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर उन्हें नमन किया और अपनी श्रद्धांजलि दी। इस अवसर पर उपमुख्यमंत्री विजय कुमार चौधरी, पूर्व राज्यपाल गंगा प्रसाद, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी, पूर्व मंत्री श्रवण कुमार, विधान पार्षद ललन सर्राफ, विधान पार्षद कुमुद वर्मा सहित कई अन्य राजनीतिक एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी शूरवीर दानवीर भामाशाह की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर उन्हें श्रद्धांजलि दी।

सीएम की अध्यक्षता में हुई कैबिनेट मीटिंग में 64 एजेंडों पर लगी मुहर

प्रत्येक जिले और प्रखंड में खुलेंगे मॉडल स्कूल, पुलिस में होगी 20937 भर्तियां

- कोईलवर-बक्सर गंगा पथ को मंजूरी
- बिजली सब्सिडी, मॉडल स्कूल, पुलिस भर्ती और जल योजनाओं सहित कई बड़े फैसले
- पटना जू से संजय गांधी का नाम हटाया गया
- 20937 पदों पर भर्ती होगी। इसमें 50 प्रतिशत पद प्रमोशन से भरे जाएंगे

208 प्रखंडों में खुलेंगे नए डिग्री कॉलेज

साथ ही '7 निश्चय-3' कार्यक्रम के तहत 208 प्रखंडों में नए डिग्री कॉलेज खोलने की योजना को भी स्वीकृति दी गई है, जिसके लिए 9152 नए पदों के सृजन को हरी झंडी दी गई है। पुलिस विभाग में 20,937 पदों पर भर्ती और प्रमोशन का रास्ता साफ कर दिया गया है, 20937 पदों पर भर्ती होगी। इसमें 50 प्रतिशत पद प्रमोशन से भरे जाएंगे

निज संवाददाता | पटना

बिहार में नई एनडीए सरकार की दूसरी कैबिनेट बैठक बुधवार को मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी की अध्यक्षता में संपन्न हुई, जिसमें कुल 64 महत्वपूर्ण एजेंडों पर मुहर लगाई गई। बैठक में आधारभूत संरचना, शिक्षा, ऊर्जा, पेयजल और प्रशासनिक सुधार से जुड़े कई बड़े फैसले लिए गए। कैबिनेट ने कोईलवर से बक्सर तक गंगा पथ के निर्माण को स्वीकृति देते हुए इसे महत्वपूर्ण आधारभूत परियोजना के रूप में आगे बढ़ाने का निर्णय लिया। साथ ही सारण में नए नारायणी पथ को भी मंजूरी दी गई। कोईलवर पथ का नाम बदलकर अब 'विश्वामित्र पथ' रखा जाएगा। इसके अलावा बिदुपुर-दिघवारा (56 किमी), सारण-गोपालगंज (73.51 किमी) और बक्सर-आरा-मनेर (90 किमी) गंगा पथ परियोजनाओं को पीपीपी मॉडल पर विकसित करने को सैद्धांतिक सहमति दी गई है। ऊर्जा क्षेत्र में बड़ा फैसला लेते हुए वर्ष 2026-27 के लिए मुख्यमंत्री बिजली उपभोक्ता सहायता योजना के तहत 23,165 करोड़ रुपये की सब्सिडी को मंजूरी दी गई है। यह राशि सीधे एनटीपीसी को भुगतान की जाएगी, जिससे उपभोक्ताओं को बिजली बिल में राहत मिलेगी। शिक्षा के क्षेत्र में प्रत्येक जिले और प्रखंड में मॉडल स्कूल खोलने का निर्णय लिया गया है। कानून-व्यवस्था को और मजबूत करने में मदद मिलेगी। वहीं राजधानी पटना में साइबर अपराध इकाई और विशेष शाखा के लिए जी+5 भवन के निर्माण को भी मंजूरी दी गई है, जिस पर करीब 51 करोड़ रुपये खर्च होंगे।

पेयजल और ग्रामीण विकास को लेकर भी महत्वपूर्ण निर्णय लिए गए हैं। पीएचईडी विभाग द्वारा 29,933 जलापूर्ति योजनाओं के रखरखाव और 'इंटरनेट ऑफ थिंग्स' आधारित निगरानी के लिए 3,601 करोड़ रुपये खर्च किए जाएंगे। इसके अलावा एससी-एसटी छात्रावास अनुदान को 1000 रुपये से बढ़ाकर 2000 रुपये प्रति माह कर दिया गया है। स्वास्थ्य और सामाजिक क्षेत्र में गर्दनीबाग में ऑटिज्म से ग्रस्त बच्चों के लिए 'सेंटर ऑफ एक्सीलेंस' स्थापित करने का निर्णय लिया गया है। वहीं मुजफ्फरपुर स्मार्ट सिटी परियोजना के लिए 93.75 करोड़ रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। इसके अतिरिक्त, वित्त विभाग में साइबर कोषागार के गठन और इसके संचालन के लिए 23 पदों के सृजन को मंजूरी दी गई है। बिहार आकस्मिकता निधि की राशि को 350 करोड़ रुपये से बढ़ाकर वित्तीय वर्ष 2026-27 में 13,900 करोड़ रुपये कर दिया गया है। कैबिनेट ने संजय गांधी जैविक उद्यान का नाम बदलकर 'पटना जू' करने के प्रस्ताव को भी स्वीकृति दे दी है। इन फैसलों को राज्य के विकास और प्रशासनिक दक्षता की दिशा में महत्वपूर्ण कदम माना जा रहा है।

वहीं स्थानीय ठेकेदारों को प्रोत्साहित करने के लिए सरकार ने बड़ा फैसला लेते हुए 50 करोड़ रुपये तक के सरकारी ठेकों में बिहार के ठेकेदारों को प्राथमिकता देने का निर्णय लिया है। इससे न केवल स्थानीय स्तर पर रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बल्कि राज्य की अर्थव्यवस्था को भी मजबूती मिलेगी।

कई जगह हिंसा और झड़पें, नॉर्थ 24 परगना में टीएमसी-भाजपा कार्यकर्ता भिड़े

पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण का मतदान संपन्न, छह बजे तक 91% वोटिंग, नतीजे चार मई को घोषित

एजेंसी | कोलकाता

पश्चिम बंगाल में दूसरे चरण के तहत 142 सीटों पर मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न होने के साथ ही कई स्थानों पर तनावपूर्ण घटनाएं भी सामने आईं। शाम 6 बजे तक जारी आंकड़ों के अनुसार 91.31% मतदान दर्ज किया गया। मतदान के दौरान राज्य के विभिन्न हिस्सों से हिंसा, झड़प, लाठीचार्ज और ईवीएम से छेड़छाड़ की शिकायतें सामने आईं। नॉर्थ 24 परगना जिले के अरविंद इलाके में तृणमूल कांग्रेस और भारतीय जनता पार्टी के कार्यकर्ताओं के बीच हिंसक झड़प हो गई। दोनों पक्षों ने एक-दूसरे पर लाठी-डंडों और मुक्कों से हमला किया, जिससे कुछ समय के लिए स्थिति नियंत्रण से बाहर हो गई, जबकि मौके पर भारी संख्या में सुरक्षाबल तैनात थे। मुख्यमंत्री ममता बनर्जी ने केंद्रीय सुरक्षा बल केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि बलों द्वारा टीएमसी समर्थकों और आम वोटरों के साथ मारपीट की गई और कई लोगों को हिरासत में लिया गया। उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि इस दौरान महिलाओं और बच्चों के साथ भी दुर्व्यवहार किया गया।

वहीं तृणमूल कांग्रेस ने दावा किया कि हावड़ा जिले के उदयनारायणपुर में केंद्रीय बलों की कथित पिटाई से एक बुजुर्ग की मौत हो गई। पार्टी के महासचिव अभिषेक बनर्जी के अनुसार, बुजुर्ग अपने बेटे के साथ मतदान करने पहुंचे थे, जहां धक्का-मुक्की और मारपीट के बाद उनकी तबीयत बिगड़ गई और अस्पताल में उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। कुल मिलाकर, भारी मतदान के बीच छिटपुट हिंसा और आरोप-प्रत्यारोप ने चुनावी माहौल को प्रभावित किया है।

बंगाल-असम समेत तीन राज्यों में भाजपा सरकार

पांच राज्यों में विधानसभा चुनावों की मतदान प्रक्रिया पूरी हो चुकी है। अब सभी की निगाहें इन राज्यों में सरकार बनाने वाले दलों पर टिकी हुई हैं। पश्चिम बंगाल, तमिलनाडु, असम, केरल और पुडुचेरी में हुए विधानसभा चुनावों के नतीजे 4 मई को घोषित किए जाएंगे। नतीजों से पहले एग्जिट पोल के अनुमान सामने आ गए हैं। एक बार फिर असम से बीजेपी की सरकार बन सकती है। एग्जिट पोल के अनुसार, बीजेपी को 88-100 सीटें मिल सकती हैं। वहीं कांग्रेस को 24-25 सीट मिलने का अनुमान है। अब तक आए एग्जिट पोल के अनुसार, बीजेपी बंगाल, असम समेत तीन राज्यों में सरकार बना सकती है।

भूमि सर्वेक्षण : 24 जिलों में अधिकारी की तैनात का निर्देश

पटना (नि.सं.)। बिहार में विशेष भूमि सर्वेक्षण कार्यक्रम को गति देने के लिए राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग ने बड़ा कदम उठाया है। विभाग के सचिव जय सिंह ने कार्यभार ग्रहण करने के बाद ही 24 जिलों में विभागीय पदाधिकारियों की तैनाती का निर्देश दिया है, ताकि लंबित कार्यों को तेजी से पूरा किया जा सके। सचिव ने स्पष्ट किया कि भूमि सर्वेक्षण जैसे आम जनता से जुड़े कार्यों में पारदर्शिता, समयबद्धता और जवाबदेही अत्यंत आवश्यक है। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि लंबित मामलों के शीघ्र निष्पादन पर विशेष ध्यान दिया जाए और राजस्व संबंधी सेवाओं को अधिक सरल एवं सुगम बनाया जाए। इस संबंध में अपर सचिव आजीव वत्सराज ने जानकारी दी कि नामित पदाधिकारी नियमित रूप से अपने-अपने आवंटित जिलों का दौरा करेंगे।

बदला मौसम का मिजाज : आंधी-बारिश और ओलावृष्टि से गर्मी से राहत

बक्सर में तेज आंधी, भभुआ में गिरे ओले कई जिलों में मौसम हुआ सुहाना

निज संवाददाता | पटना/बक्सर/जमुई

बिहार में बुधवार को अचानक मौसम ने करवट बदल ली, जिससे भीषण गर्मी से परेशान लोगों को बड़ी राहत मिली। बक्सर, जमुई, कैमूर (भभुआ) समेत कई जिलों में तेज आंधी, हल्की बारिश और कहीं-कहीं ओलावृष्टि देखने को मिली। बक्सर जिले में देर शाम अचानक तेज आंधी शुरू हो गई, जिससे कुछ ही मिनटों में आसमान में घना अंधेरा छा गया। करीब 15 मिनट तक चली तेज हवाओं के बाद हल्की बारिश शुरू हुई, जिसने तपिश को कम कर दिया। वहीं कैमूर जिले के भभुआ में वर्षा के साथ ओले गिरने की भी सूचना मिली, जिससे मौसम पूरी तरह बदल गया।

जमुई के झाझा प्रखंड में भी अचानक हुई झमाझम बारिश और ठंडी हवाओं ने लोगों को राहत दी। पिछले कई दिनों से 40 डिग्री सेल्सियस से ऊपर चल रहे तापमान और लू के थपेड़ों से जनजीवन प्रभावित हो गया था। दोपहर के समय सड़कों पर सन्नाटा पसर जाता था, लेकिन इस बदलाव के बाद लोगों ने राहत की सांस ली।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, राज्य के कई जिलों में अगले दो दिनों तक बादल छाए रहने और गरज-चमक के साथ बारिश की संभावना बनी हुई है। वहीं सुपौल जिले में भी हल्की बारिश के आसार जताए गए हैं, जिससे खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान की आशंका बढ़ गई है। मौसम विभाग ने आंधी और तेज हवाओं को लेकर सतर्क रहने की सलाह दी है। अचानक आए इस बदलाव ने जहां लोगों को गर्मी से राहत दी है, वहीं किसानों के लिए फसलों की सुरक्षा को लेकर चिंता भी

BAYC Institute स्थापित 1972
बिहार एक्युप्रेशर योग कॉलेज
गांधी सेतु लिंक पथ, बिस्कोमान कॉलोनी गोलम्बर के पूरब, पटना-7
नामांकन प्रारंभ | नियमित / पत्राचार कोर्स
भारत का पहला कॉलेज
डॉक्टर बनें
एक्युप्रेशर, योग, नेचुरोपैथी, इलेक्ट्रोपैथी, ट्रेडिशनल मेडिसिन

DIPLOMA COURSE
DAT Acupressure Therapy | DY Yoga | DEMS Electrohomeopathy Medicine
DAYS Acupressure Yoga | DHMS Herbal Medicine | DNYS Naturopathy Yoga
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : 10th | अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : 10th

BACHELOR DEGREE COURSE
MBBA Acupressure & Magnet | BTMS Traditional Medicine | BEMS Electrohomeopathy Medicine
BAYS Acupressure Yoga | BAcu. Acupuncture | MBAS Medicine in ALT Science
अवधि: 3 वर्ष | योग्यता : 10+2 | अवधि: 4½ वर्ष | योग्यता : 10+2

MASTER DEGREE COURSE
MD (Acu Yoga) MD (TM) | MD (EH)
अवधि: 1 वर्ष | योग्यता : मेडिकल ग्रेजएट | अवधि: 2 वर्ष | योग्यता : BEMS

PROFESSIONAL COURSE
BLIS | MLIS | BBA | MBA

TRADITIONAL COURSE
MA (Yoga) | Yoga Teacher Course | BA | MA

100% रिजल्ट एवं रोजगार
Bihar State Govt. University & Central University UGC DEB MHRD Govt. of India Recognised
DIRECT ADMISSION | REGULAR CLASSES | ONLINE CLASSES | EXPERIENCED FACULTIES

डा. सर्वदेव प्रसाद गुप्त
अध्यक्ष

एक्युप्रेशर चिकित्सा की उत्तम व्यवस्था यथा गर्दन, कंधा, कमर, घुटना दर्द, गठिया, डायबिटिज आदि।
कॉलेज से उत्तीर्ण हजारों विद्यार्थी सरकारी संस्थानों, गैर सरकारी संस्थानों एवं निजी संस्थान खोलकर सेवा दे रहे हैं।

डा. अजय प्रकाश
सचिव

9572607696, 9304942855, 9334278279 Apply Online: www.bayc.in
Email: baycpatna@gmail.com | Website: www.indianacupressure.com

बिहार सरकार
श्रम संसाधन एवं प्रवासी श्रमिक कल्याण विभाग

अपील

बाल श्रम उन्मूलन दिवस प्रत्येक वर्ष 30 अप्रैल को मनाया जाता है। किसी भी राष्ट्र की असली पूंजी उसके बच्चे होते हैं। यदि नींव मजबूत होगी, तो राष्ट्ररूपी इमारत भी मजबूत होगी। बिहार सरकार "बाल एवं किशोर श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986" के माध्यम से बाल श्रम को रोकने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है। समाज के प्रत्येक नागरिकों को यह समझने की आवश्यकता है कि बच्चों से बाल मजदूरी कराकर थोड़ी सी कमाई अर्जित करना बच्चे के पूरे जीवन को नष्ट कर देती है। समाज के हर वर्ग, चाहे वह व्यापारी हो, किसान हो या आम नागरिक, को बाल श्रम के खिलाफ एक "जीरो टॉलरेंस" की नीति अपनानी होगी। हमें एक ऐसा वातावरण तैयार करना है जहाँ हर बच्चा निर्भय होकर स्कूल जा सके। यदि हम कहीं भी बाल श्रम होता हुआ देखें तो चुप न रहें; हमारी एक आवाज किसी मासूम का जीवन बदल सकती है।

आइए, इस बाल श्रम उन्मूलन दिवस पर हम यह प्रण लें कि हम बिहार को बाल श्रम मुक्त राज्य बनाएंगे। जब हर बच्चा पढ़ेगा, तभी हमारा बिहार बढ़ेगा।

(विजय कुमार चौधरी)
उप मुख्यमंत्री, बिहार

PR No.- 002075 (LRD)D. 2026-27

सत्यमेव जयते
राज्यपाल, बिहार
GOVERNOR OF BIHAR

बिहार लोक भवन
पटना–800022
BIHAR LOK BHAVAN
PATNA-800022

अपील

बाल श्रम उन्मूलन दिवस प्रत्येक वर्ष 30 अप्रैल को मनाया जाता है। बच्चे हमारे राष्ट्र की सबसे बड़ी पूँजी हैं एवं देश की गौरवशाली परम्परा के संवाहक हैं। 14 वर्ष से कम उम्र के बच्चों से किसी प्रकार का काम कराना 'बाल श्रम' की श्रेणी में आता है, जो कानूनन एक दण्डनीय अपराध है।

राज्य सरकार द्वारा बाल श्रम उन्मूलन तथा किशोर श्रम निषेध एवं विनियमन हेतु "राज्य कार्य योजना, 2025" को मंजूरी दी गयी है। इसके अन्तर्गत बाल श्रम से विमुक्ति के पश्चात् सभी विभागों द्वारा आपसी सामंजस्य एवं समन्वय से बच्चों के पुनर्वास हेतु प्रावधान किया गया है।

राज्य सरकार द्वारा बाल श्रम से विमुक्ति के लिए श्रम अधीक्षक के नेतृत्व में सभी जिलों में धावा दल गठन किया गया है। जो व्यक्ति अथवा नियोजक बच्चों से काम लेते हैं, उनके विरूद्ध बाल एवं किशोर श्रम (निषेध एवं विनियमन) अधिनियम, 1986 एवं अन्य कानूनों के अन्तर्गत कठोर कार्रवाई किये जाने का प्रावधान है।

बाल श्रम को रोकने में सरकार के साथ–साथ राज्य के नागरिकों एवं सभी हितधारकों की भी महत्वपूर्ण भूमिका है। सभी के प्रयास से इस कुरीति को न्यूनतम स्तर तक ले जाया जा सकता है। आम जन से हम यह भी आशा करते हैं कि वे बाल श्रम जैसी सामाजिक बुराई को किसी भी रूप में स्वीकार नहीं करेंगे।

ले.ज.सय्यद अता हसनैन (से.नि.)

PR No.- 002095 (LRD)D. 2026-27

संक्षिप्त समाचार

आंधी-पानी से कौआकोल में शादी समारोह प्रभावित, फसलों को भी नुकसान

कौआकोल। कौआकोल प्रखंड क्षेत्र में बुधवार को अचानक आए तेज आंधी-पानी ने जनजीवन अस्त-व्यस्त कर दिया। शाम के समय आई तेज हवा और बारिश से जहां कई गांवों में विवाह समारोह का माहौल बिगड़ गया,वहीं किसानों की सब्जी फसल को भी भारी नुकसान पहुंचा है। मिली जानकारी के अनुसार आंधी की रफ्तार काफी तेज रहने के कारण कई जगहों पर लगाए गए विवाह पंडाल और टेंट उखड़ गए। सजावट के सामान क्षतिग्रस्त हो गए जिससे शादी वाले घरों में अफरा-तफरी का माहौल बन गया। कई परिवारों को कार्यक्रम अस्थायी रूप से रोकना पड़ा तथा लोगों ने किसी तरह व्यवस्थाएं संभालीं। दूसरी ओर तेज बारिश और हवा से खेतों में लगी सब्जी की फसलें जैसे टमाटर, बैंगन, मिर्च एवं अन्य हरी सब्जियां गिरकर खराब हो गईं। किसानों ने बताया कि अचानक आए मौसम परिवर्तन से उनकी मेहनत पर पानी फिर गया है और आर्थिक नुकसान की आशंका बढ़ गई है। आंधी-पानी के बाद क्षेत्र में कुछ देर तक बिजली आपूर्ति भी बाधित रही, जिससे लोगों को अतिरिक्त परेशानी का सामना करना पड़ा।

नरहट इब्राहिमपुर के पास ट्रैक्टर की टक्कर से युवक की मौत

नरहट (नवादा)। नवादा जिले के नरहट थाना क्षेत्र अंतर्गत इब्राहिमपुर गांव के समीप बुधवार को एक तेज रफ्तार ट्रैक्टर ने बाइक सवार युवक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। मृतक की पहचान नरहट थाना क्षेत्र के हजरतपुर गांव निवासी विजय चौधरी के 26 वर्षीय पुत्र उदित कुमार के रूप में की गई है। जानकारी के अनुसार, उदित कुमार अपने एक रिश्तेदार के यहां से लौट रहा था, तभी इब्राहिमपुर गांव के पास एक ट्रैक्टर की चपेट में आ गया। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि युवक ने घटनास्थल पर ही दम तोड़ दिया। हादसे के बाद ट्रैक्टर चालक वाहन लेकर मौके से फरार हो गया। घटना की सूचना मिलते ही नरहट थाना के थानाध्यक्ष गौतम कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। थानाध्यक्ष ने बताया कि फरार ट्रैक्टर और उसके चालक की पहचान के लिए छापेमारी की जा रही है और जल्द ही उसे गिरफ्तार कर लिया जाएगा। घटना की जानकारी मिलते ही मृतक के गांव में शोक की लहर दौड़ गई। स्वजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। स्वजनों ने बताया है कि युवक की पिछले चैत माह में दूसरी शादी हुई थी। पहले से एक बच्चा भी है।

राजस्व कचहरी का चापाकल तीन महीने से खराब, शिकायत के बावजूद नहीं हो रही कार्रवाई

कौआकोल। कौआकोल पीएचसी के सामने राजस्व कचहरी परिसर में लगा चापाकल पिछले लगभग तीन महीनों से खराब पड़ा है। स्थानीय लोगों द्वारा फरवरी माह में टोल फ्री नंबर पर शिकायत की गई थी तथा 25 मार्च को पुनः शिकायत दर्ज कराई गई, लेकिन अब तक इसकी मरम्मत नहीं कराई गई है। चापाकल खराब रहने से लोगों को काफी परेशानी का सामना करना पड़ रहा है। अस्पताल आने वाले मरीजों,राहगीरों एवं अन्य लोगों को पेयजल के लिए भटकना पड़ रहा है। स्थानीय ग्रामीण समाजसेवी कपिल कुमार ने संबंधित विभाग से जल्द चापाकल की मरम्मत कराने की मांग की है।

डीएम ने स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ किया समीक्षा बैठक

कटिहार। डीएम आशुतोष द्विवेदी ने अपने कार्यालय वेश्म में स्वास्थ्य और शिक्षा विभाग के अधिकारियों के साथ एक महत्वपूर्ण समीक्षा बैठक किया। बैठक का मुख्य उद्देश्य 9 से 14 वर्ष की बालिकाओं के लिए जारी ह्यूमन पेपिलोमा वायरस टीकाकरण अभियान की प्रगति की जांच करना और इसे शत-प्रतिशत सफल बनाना था। भारत सरकार के निर्देशानुसार जिले में 28 फरवरी 2026 से ही HPV वैक्सीन की एक खुराक निःशुल्क दी जा रही है। जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि यह टीका केवल उन्हीं बालिकाओं को लगाया जाएगा, जिन्हें पूर्व में यह वैक्सीन नहीं लगी है। अभियान को गति देने के लिए शिक्षा विभाग को कड़े निर्देश दिये हैं। जिले के सभी सरकारी, निजी स्कूलों और मदरसों में अभिभावक-शिक्षक बैठक आयोजित की जाएगी। स्वास्थ्य विभाग के सहयोग से अभिभावकों को टीकाकरण के लाभ बताए जाएंगे। प्रत्येक स्कूल में एक 'नोडल शिक्षक' नामित किया जाएगा जो बालिकाओं और स्वास्थ्य विभाग के बीच समन्वय स्थापित करेगा। जिलाधिकारी ने शिक्षा विभाग, आई.सी.डी.एस. और जीविका को आपसी समन्वय के साथ काम करने का निर्देश दिया है। उन्होंने कहा कि स्कूलों के समय में टीकाकरण केंद्रों पर काम होगा। जबकि शेष समय में स्वास्थ्य कर्मी घर-घर जाकर अभिभावकों को प्रेरित करेंगे और टीकाकरण सुनिश्चित करेंगे। इसकी दैनिक रिपोर्ट जिला मुख्यालय को भेजी जाएगी। इस उच्च स्तरीय बैठक में डीएम आशुतोष द्विवेदी के साथ अपर समाहर्ता,उप विकास आयुक्त,सिविल सर्जन और अन्य जिला स्तरीय पदाधिकारी उपस्थित थे। वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से जिले के सभी प्राथमिक और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी भी जुड़े रहे।

मदरसा के छात्र छात्राओं को सरकारी विद्यालय की तरह सुविधा नहीं मिल रहा है

कटिहार। जिले के कदवा प्रखंड अंतर्गत धपरसिया पंचायत स्थित मदरसा बदरुल उलूम चौकी के छात्र छात्राओं को सरकारी विद्यालय की तर्ज पर सुविधा नहीं मिल रहा है। जिसके कारण छात्र छात्राओं के साथ अभिभावकों में रोष व्याप्त है।कई छात्र-छात्राओं के अभिभावक मदरसा में आकर कहते हैं कि मेरे बच्चें का नाम मदरसा से कटवाना है और सरकारी विद्यालय में नामांकन करना है। क्योंकि सरकारी मदरसा में सरकारी विद्यालय की तरह सुविधा तथा योजनाओं का लाभ बच्चों को नहीं मिल रहा है। छात्र-छात्राओं ने एक स्वर से कहा कि सरकारी विद्यालय में पढ़ने वाले छात्र-छात्राओं को बहुत सारी सुविधाएं दी जा रही है। लेकिन मदरसा में पढ़ने वाले हम सभी छात्राओं को मध्यान भोजन की सुविधा छोड़कर किसी भी प्रकार की सुविधा नहीं दी जाती है।

अभिभावक बताते हैं कि राज्य के गैर सरकारी सहायता प्राप्त अल्पसंख्यक के माध्यमिक मदरसा, संस्कृत विद्यालय में पढ़ने वाले छात्राओं के लिए निशुल्क किताब तथा कॉपी देने की घोषणा शिक्षा मंत्री के द्वारा किया गया है। 2025- 26 शैक्षणिक सत्र में छात्रों को इसका लाभ मिलेगा। लेकिन लाभ नहीं मिला है।मदरसा के वस्तानिया के छात्र-छात्राओं को बुनियादी सुविधा क्लासरूम,लाइब्रेरी,बेंच, बोरिंग,टंकी,शौचालय का प्रावधान है।इसके साथ आधुनिक पढ़ाई से जोड़ने के लिए नया पाठ्यक्रम भी लागू किया जा रहा है। लेकिन इसके बावजूद भी मदरसा को सुविधा नहीं मिल रहा है। मदरसा बदरुल उलूम चौकी के प्रभारी हेड मौलवी मो0 मुजाहिद आलम ने बताया कि मदरसा की स्थापना में हुई है। सरकारी मान्यता को मिला है। हेड मौलवी मो.मुजाहिद आलम ने बताया कि मदरसा में 6 शिक्षक का पद स्वीकृत के बाबजूद मात्र दो शिक्षक से मदरसा का संचालन किया जा रहा है। शिक्षक की कमी रहने के कारण वर्ग एक से आठ तक के छात्र-छात्राओं को विषय वार पठन-पाठन करने में काफी कठिनाई का सामना करना पड़ रहा है। कम से कम आठ शिक्षक होना चाहिए।शिक्षक पठन-पाठन से लेकर मदरसा के विकास कार्य में काफी सहयोग करते हैं। हेड मौलवी मो.मुजाहिद आलम ने बताया कि मदरसा में जीव विज्ञान,भौतिकी, रसायन विज्ञान एवं गणित सहित कई विषयों के शिक्षक की अब तक नियुक्ति नहीं हुई है। हेड मोलवी मो.मुजाहिद आलम ने कहा कि प्रधानमंत्री पोषण योजना के तहत मदरसा में पठन-पाठन करने वाले छात्राओं को गुणवत्तापूर्ण भोजन मीनू के अनुसार दिया जा रहा है। मदरसा में 109 बच्चों का नामांकन पंजी में नाम दर्ज है।

शराब पीकर महिला को बाइक से कुचलने वाले दोनों आरोपी गिरफ्तार, भेजे गए जेल

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली थाना क्षेत्र के अमावां गांव के टाल पर मोहल्ले में बीते मंगलवार को शराब के नशे में धुत्त बाइक सवार दो युवकों ने घर से निकल रही महिला को कुचल दिया। इस घटना में महिला का बायां पैर टूट गया और शरीर में अंदरूनी चोटें भी आईं। घटना के बाद दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है। जानकारी के अनुसार मंगलवार की सुबह कौशर जहां अपने घर के दरवाजे से गली में निकल रही थीं। तभी एक बाइक पर सवार दो युवकों ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी और पैर को रौंदते हुए आगे बढ़ गए। महिला की चीख सुनकर आसपास के ग्रामीण दौड़े और भाग रहे दोनों युवकों को पकड़ लिया। लोगों ने बताया कि पकड़े गए युवकों के मुंह से शराब की तेज गंध आ रही थी। ग्रामीणों ने

फोटो :- थाना परिसर से जेल जाते गिरफ्तार लोग

तुरंत डायल 112 को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस टीम ने दोनों युवकों को हिरासत में ले लिया। वहीं गंभीर रूप से घायल कौशर जहां को इलाज के लिए अनुमंडलीय अस्पताल ले जाया गया। वहां से प्राथमिक उपचार के बाद उन्हें नवादा सदर अस्पताल रेफर कर दिया गया। स्थिति गंभीर होने पर नवादा से पावापुरी मेडिकल कॉलेज अस्पताल रेफर किया गया है।घायल महिला के पति जसिमउद्दीन ने थाने में लिखित आवेदन दिया। उन्होंने बताया कि शराब के नशे में अकबरपुर थाना क्षेत्र के सादिकपुर गांव निवासी रामवृक्ष राम के पुत्र सतीश कुमार उर्फ सन्नी कुमार और सत्येंद्र राम के पुत्र अजीत कुमार ने बाइक से उनकी पत्नी को टक्कर मारी है। आरोप है कि दोनों ने घटना के बाद उन्हें परिवार समेत जान से मारने की धमकी भी दी। इस संबंध में थानाध्यक्ष सह इंस्पेक्टर रणजीत कुमार ने बताया कि घटना को लेकर प्राथमिकी दर्ज कर ली गई है। दोनों युवकों के शराब पिए होने की पुष्टि ब्रेथ एनलाइजर मशीन से की गई। मेडिकल जांच में भी शराब पीने की पुष्टि हुई है। थानाध्यक्ष ने कहा कि गिरफ्तार दोनों आरोपियों सतीश कुमार उर्फ सन्नी कुमार और अजीत कुमार को बुधवार को मेडिकल जांच करवाने के बाद न्यायिक हिरासत में जेल भेज दिया गया है। पुलिस ने बाइक को भी जब्त कर लिया है। मामले की आगे जांच की जा रही है।

शतचंडी महायज्ञ सह बड़ी देवी स्थान प्राण प्रतिष्ठा को लेकर तैयारी पूरी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नारदीगंज(नवादा)। प्रखंड के नारदीगंज अंदर बाजार में शतचंडी महायज्ञ सह बड़ी देवी स्थान प्राण प्रतिष्ठा महोत्सव का भव्य आयोजन को लेकर आगामी तीन मई 2026 को विधिवत ध्वजारोहण होगा। उसके बाद प्याज,लहसुन, मांस,मछली व मांसाहारी भोजन वर्जित हो जायेगा। उसके बाद छह मई 2026 को यज्ञ मंडप से भव्य शोभायात्रा निकाली जाएगी। 13 मई 2026 को नवनिर्मित मंदिर के गर्भगृह में देवी मां एवं अन्य मूर्तियों का भक्तिभाव से प्राण प्रतिष्ठा की जाएगी। प्रतिदिन भंडारे होगी।

वैसे 14 मई 2026 को पूर्णाहुति और विशाल भंडारे के साथ आयोजित महायज्ञ सम्पन्न हो जाएगा। आयोजन समिति के लोगों ने कहा इस अवसर पर आयोजन समिति के द्वारा शतचंडी महायज्ञ सह बड़ी देवी स्थान प्राण प्रतिष्ठा के साथ श्रीमद्भागवत कथा ज्ञान यज्ञ व धार्मिक अनुष्ठान के साथ वृंदावन के कलाकारों के माध्यम से रासलीला का मंचन भी होगा। वृंदावन के कथावाचक किशोरी नंदनी जी के माध्यम से संगीतमयी श्री मदभागवत कथा होगा। यह कथा मंदिर के निकट बने यज्ञशाला में प्रतिदिन सात से शुरु होगा। जो दस बजे रात तक चलेगा।

उसके बाद वृंदावन के कलाकारों के माध्यम से रासलीला का मंचन किया जाएगा। इस कार्यक्रम में वाराणसी के योगी राज समाधि बाबा का गरिमामयी उपस्थिति रहेगी। इस कार्यक्रम को सफल बनाने में लोग लगे हुए हैं। मंदिर के निकट भव्य और आकर्षक यज्ञ वेदी बनाया गया है।

बापू इंटर विद्यालय पांडेयगंगौट में सर्वाइकल कैंसर जागरूकता कार्यक्रम आयोजित, छात्राओं को लगाए गए टीके

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कौआकोल। प्रखण्ड के बापू इंटर विद्यालय पांडेयगंगौट में बुधवार को सर्वाइकल कैंसर से बचाव को लेकर टीकाकरण सह जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस दौरान छात्राओं को एचपीवी टीकाकरण के महत्व एवं बीमारी से बचाव के उपायों की जानकारी दी गई। स्वास्थ्यकर्मियों ने बताया कि समय पर टीकाकरण से सर्वाइकल कैंसर के खतरे को काफी हद तक कम किया जा सकता है। कार्यक्रम में छात्राओं को स्वच्छता,स्वास्थ्य जांच एवं जागरूक रहने के लिए प्रेरित किया गया। मौके पर विद्यालय के प्रभारी प्राचार्य अजय कुमार समेत विद्यालय के शिक्षक आदि मौजूद थे।

सदर अस्पताल में निजी एंबुलेंसों की अवैध गतिविधियों पर कार्रवाई, लापरवाही पर भी सख्ती

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नवादा। सदर अस्पताल में निजी एंबुलेंसों की अवैध गतिविधियों एवं मरीजों को गुमराह करने की प्राप्त शिकायतों के आलोक में जिला पदाधिकारी, नवादा श्री रवि प्रकाश के निदेशानुसार अमित अनुराग, अनुमण्डल पदाधिकारी, नवादा सदर एवं श्री नवीन कुमार पाण्डेय, जिला परिवहन पदाधिकारी, नवादा द्वारा संयुक्त रूप से निरीक्षण किया गया।

निरीक्षण के क्रम में अस्पताल परिसर में एक निजी एंबुलेंस वाहन (संख्या-BR03 PA 5162) खड़ी पायी गई, जिस पर 2500 रुपये (नो पार्किंग) का जुर्माना लगाया गया तथा प्राथमिकी दर्ज करने हेतु निर्देशित किया गया। इसके अतिरिक्त, सदर

अस्पताल के मुख्य द्वार के बाहर सड़क किनारे दो अन्य निजी एंबुलेंस खड़ी पाई गईं, जिनमें वाहन संख्या BR0IPS 0239 पर पॉल्यूशन फेल रहने के कारण 2000 रुपये तथा वाहन संख्या BR0IPK 5334 पर फिटनेस फेल रहने के कारण 5000 रुपये का जुर्माना लगाया गया। पूछताछ के दौरान संबंधित चालकों द्वारा कोई संतोषजनक जवाब नहीं दिया गया, जिससे यह स्पष्ट प्रतीत होता है कि उक्त निजी एंबुलेंस द्वारा मरीजों एवं उनके अभिभावकों को गुमराह कर उन्हें सरकारी सुविधाओं से वंचित करते हुए निजी अस्पतालों की ओर ले जाया जाता है।

निरीक्षण के दौरान यह भी पाया गया कि अस्पताल परिसर में 12 सरकारी एंबुलेंस खड़ी थीं, किन्तु किसी भी वाहन पर न तो चालक उपस्थित थे और न ही EMT (इमरजेंसी मेडिकल टेक्नीशियन) टीम के सदस्य मौजूद थे। इस गंभीर लापरवाही को देखते हुए अपने कार्यस्थल से अनुपस्थित सभी एंबुलेंस चालक एवं EMT कर्मियों के विरुद्ध आवश्यक कार्रवाई करने हेतु जिला परियोजना प्रबंधक, सदर अस्पताल, नवादा को निर्देशित किया गया है।

जिला प्रशासन द्वारा स्पष्ट किया गया है कि मरीजों की सुविधा एवं सुरक्षा से किसी प्रकार का समझौता बर्दाश्त नहीं किया जाएगा तथा अवैध गतिविधियों एवं कर्तव्य में लापरवाही बरतने वाले व्यक्तियों के विरुद्ध कठोर कार्रवाई जारी रहेगी।

रजौली के सवैयाटांड़ पंचायत में गहराया जल संकट

तालाब का गंदा पानी पीने को मजबूर ग्रामीण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

रजौली। रजौली प्रखंड मुख्यालय से सुदूरवर्ती सवैयाटांड़ पंचायत क्षेत्र में भीषण जल संकट से हजारों ग्रामीण जूझ रहे हैं। नल जल योजना शोभा की वस्तु बन गई है और चापाकल खराब पड़े हैं। ऐसे में लोग तालाब और चुआं के गंदे पानी से जीवन यापन करने को मजबूर हैं। सवैयाटांड़ पंचायत के चटकरी, झलकडीहा, सिमरातरी, बसरौन, बाराटांड़ समेत अन्य गांवों में नल जल योजना के तहत जल मीनार तो बना, पाइप लाइन का जाल भी बिछाया गया, लेकिन महीनों से सारी व्यवस्थाएं ठप पड़ी हैं।

पंचायत में लगे अधिकांश सार्वजनिक चापाकल खराब हैं। गर्मी बढ़ने के साथ पेयजल के लिए ग्रामीणों को भटकना पड़ रहा है। महिलाएं दूर तालाब से बर्तन में गंदा पानी भरकर लाती हैं। चटकरी गांव

तालाब का पानी ले जाती ग्रामीण महिलाएं

निवासी ब्रह्मदेव सिंह, सुरेश सिंह, भोला तुरिया, सनोज तुरिया, पिंटू साव, फुलवा देवी, संगीता देवी, रेखा देवी समेत दर्जनों ग्रामीणों ने बताया कि पंचायत मुख्यालय से मात्र 22 किलोमीटर दूर होने के बाद भी बुढ़ियासाख से रास्ता खराब होने के कारण झारखंड के कोडरमा होते हुए रजौली की दूरी लगभग 80 किलोमीटर पड़ जाती है। इस कारण सरकार की कई कल्याणकारी योजनाएं पंचायत क्षेत्र में प्रभावी ढंग से नहीं पहुंच पातीं। ग्रामीण खुद को नवादा से कटा हुआ महसूस करते हैं।

विभागीय उदासीनता से ग्रामीण बेहाल :- गर्मी को देखते हुए नवादा डीएम रवि प्रकाश ने बीते माह चापाकल मरम्मती दल को सभी 14 प्रखंडों के लिए हरी झंडी दिखाकर रवाना किया था। यह दल सार्वजनिक चापाकलों की मरम्मत के लिए था। लेकिन विभागीय उदासीनता के कारण शिकायत के बाद भी मरम्मती दल चटकरी गांव नहीं पहुंचा है। इससे पेयजल संकट गहरा गया है। गंदे पानी के उपयोग से लोगों के स्वास्थ्य पर बुरा असर पड़ रहा है।ग्रामीणों को प्रशासनिक अधिकारियों से उम्मीद है कि वे समस्याओं पर विचार करेंगे और प्राथमिकता के साथ समाधान निकालेंगे।

क्या कहते हैं पदाधिकारी :- इस संबंध में बीडीओ संजीव झा ने बताया कि रजौली प्रखंड में चापाकल मरम्मती दल सर्वप्रथम सवैयाटांड़ पंचायत से ही खराब पड़े चापाकलों की मरम्मती की शुरूआत किया था। उन्होंने कहा कि पीएचईडी को मरम्मती हेतु पुनः आवश्यक निर्देश दिया गया है। साथ ही आश्वासन दिया कि खराब पड़े चापाकलों की मरम्मती जल्द कर दी जाएगी,ताकि ग्रामीणों को शुद्ध पेयजल मिल सके।

राजाबिगहा में प्रखंड मत्स्यजीवी सहयोग समिति की बैठक सम्पन्न

बैठक में बीसीओ एवं अन्य

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नरहट (नवादा)। बुधवार को प्रखंड क्षेत्र के राजा बिगहा गांव में प्रखंड मत्स्यजीवी सहयोग समिति की बैठक प्रवेश सिंह की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। बैठक में मत्स्य पालन के विभिन्न पहलुओं पर विस्तारपूर्वक चर्चा की गई।इस दौरान बीसीओ निशांत प्रियदर्शी ने बताया कि पिछले वित्तीय वर्ष 2025-26 के आय-व्यय का विवरण सदस्यों के समक्ष प्रस्तुत किया गया। साथ ही समिति की आर्थिक स्थिति को मजबूत बनाने पर विशेष जोर दिया गया। बैठक में प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजना पीएमएमएसबाई के तहत मिलने वाले लाभों की भी जानकारी दी गई। इसमें तालाबों के जीर्णोद्धार, मछली बीज की उपलब्धता तथा आधुनिक तकनीकों के उपयोग पर चर्चा की गई, ताकि मत्स्य उत्पादन को बढ़ावा दिया जा सके। इसके अतिरिक्त मछुआरों के कल्याण और सुरक्षा के मुद्दों पर भी विचार-विमर्श किया गया। सदस्यों के लिए दुर्घटना बीमा एवं अन्य कल्याणकारी योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन पर बल दिया गया, जिससे मछली पालन एवं पकड़ने के दौरान होने वाले जोखिमों से उन्हें सुरक्षा मिल सके। जल्करों की पारदर्शी बंदोबस्ती एवं स्थानांतरण और अतिक्रमण की समस्या पर भी चर्चा हुई। बीसीओ ने यह भी बताया कि बैठक में जिला स्तरीय पदाधिकारी के आने की संभावना थी, लेकिन वे किसी कारणवश उपस्थित नहीं हो सके। इस मोके पर प्रखंड मत्स्य पालन के मंत्री संतोष कुमार एवं सदस्य मौजूद थे।

मध्य विद्यालय चौकी के प्रधानाध्यापिका को अश्रुपूरित नेत्रों से दी विदाई

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

कटिहार। जिले के कदवा प्रखंड अंतर्गत धपरसिया पंचायत स्थित मध्य विद्यालय चौकी के प्रधानाध्यापिका मीनाक्षी कुमारी को आज आयोजित समारोह में शिक्षक- शिक्षिकाओं एवं छात्र-छात्राओं ने अश्रुपूरित नेत्रों से विदाई दिया। विदाई समारोह का संचालन विद्यालय परिवार के द्वारा आयोजित किया गया। विदाई समारोह में मध्य विद्यालय चौकी, उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय चौकी, प्राथमिक विद्यालय जयंती ग्राम धपरसिया सहित अन्य विधालय के शिक्षक-शिक्षिकाओं ने बड़ी संख्या में भाग लिया। मीनाक्षी कुमारी 5 मार्च 2014 को मध्य विद्यालय चौकी में शिक्षिका के रूप में योगदान की। 2 जनवरी 2021 को मध्य विद्यालय चौकी एवं उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय चौकी के प्रभारी प्रधानाध्यापिका का प्रभार ली थी।

12 अगस्त 2025 तक उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय चौकी का प्रभारी प्रधानाध्यापिका बनी रही। मीनाक्षी कुमारी ने अपने कार्यकाल में विद्यालय का सर्वांगिंग विकास किया। बताते चलें कि मध्य विद्यालय चौकी एवं उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय चौकी एक ही परिसर में अवस्थित है। विद्यालय में इन्होंने बच्चों की उपस्थिति में सुधार करने, शैक्षणिक गुणवत्ता में सुधार करने, विद्यालय परिसर में स्वच्छता बनाए रखने,विद्यालय परिसर के चारों तरफ चार दिवारी का निर्माण करने,बंद पड़े शौचालय को चालू कराने,विद्यालय के 10 कमरों को सौंदर्यीकरण कार्य करने, विद्यालय में मोटर युक्त पानी पेयजल की व्यवस्था करने, रनिंग वाटर की व्यवस्था करने सहित सर्वांगीण विकास की। जिसके कारण अल्प अवधि में इनके कार्यों की चर्चा आसपास के भी विद्यालय में

होने लगा। ग्रामीण एवं अभिभावकों के बीच काफी प्रचलित हो गयी। इन्होंने अपने 5 वर्ष 4 माह तक मध्य विद्यालय चौकी में प्रधानाध्यापिका पद पर बनाकर विद्यालय का दशा एवं दिशा बदलने की कार्य किया। इस कार्य में विद्यालय में पदस्थापित शिक्षक शिक्षिकाओं का भरपूर सहयोग मिला है।

विदाई समारोह में विद्यालय के छात्र-छात्राओं ने अश्रुपूरित नेत्रों से प्रधानाध्यापिका मीनाक्षी कुमारी को फूल का माला पहनकर तथा गिफ्ट देकर अश्रुपूरित नेत्रों से

विदाई दी। मध्य विद्यालय चौकी के शिक्षक नजरुल हसन, राकेश कुमार, मो.तारिक जमील, माहेलका खातून, मो.शमीम आलम, साक्षी कुमारी, शिक्षा सेवक विक्रम कुमार राय, अमृता कुमारी, उत्क्रमित उच्च माध्यमिक विद्यालय के शिक्षिका अलका कुमारी, संजना राय,शिक्षक सुजीत कुमार, विनोद कुमार, बलवंत सिंह, अफजल हुसैन, मो.हासमिन हरीश, प्राथमिक विद्यालय जयंती ग्राम धपरसिया के शिक्षक मो.आफताब आलम,अशोक प्रजापति, कुमकुम कुमारी ने कहा कि मध्य विद्यालय चौकी के प्रधानाध्यापिका मीनाक्षी कुमारी महज 5 वर्ष 4 माह में विद्यालय का सर्वांगीण विकास कर विद्यालय की दशा और दिशा को बदलने का कार्य किया है।

मीनाक्षी कुमारी का कार्यकाल बेहद अच्छा रहा। ये सरल स्वभाव की है। कार्य के प्रति काफी सजग और सचेष्ट है। सभी उपस्थित शिक्षक- शिक्षिकाओं ने मीनाक्षी कुमारी को फूल का माला पहनकर अश्रु परित नेत्रों से विदाई दी। सभी शिक्षक-शिक्षिकाओं ने गिफ्ट भी देकर सम्मानित किया।

विदाई समारोह को संबोधित करते हुए मध्य विद्यालय चौकी के प्रभारी प्रधानाध्यापिका मीनाक्षी कुमारी ने कहा कि मुझे इस विद्यालय में सभी शिक्षक शिक्षिकाओं का काफी प्यार के साथ-साथ सहयोग भी मिला। जिसके कारण इस विद्यालय का दशा और दिशा बदलने में सफल रही हूं। इस अवसर पर विद्यालय परिवार की ओर से भोज का भी आयोजन किया गया। विदाई समारोह में बाल कल्याण समिति के निःवर्तमान सदस्य सह शिक्षा प्रेमी सह वरिष्ठ अधिवक्ता सह समाजसेवी प्रवीण कुमार झा ने भी मध्य विद्यालय चौकी पहुंच कर प्रभारी प्रधानाध्यापिका मनीक्षा कुमारी को पुष्प गुच्छ भेंट देकर विदाई समारोह में भाग लिया।

संक्षिप्त समाचार

ड्यूटी से नदारद मिले गार्ड और वार्ड बॉय, सदर अस्पताल के उपाधीक्षक ने दिया शो-कॉज का आदेश

नालंदा। नालंदा सदर अस्पताल में उपाधीक्षक डॉ. राजीव रंजन ने पूरी टीम के साथ देर रात अस्पताल का निरीक्षण किया। मंगलवार रात करीब साढ़े 11 बजे से लेकर पौने 2 बजे तक सघन निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में भारी अव्यवस्था देखने को मिली। निरीक्षण का मुख्य उद्देश्य अस्पताल के प्रतिबंधित क्षेत्रों में बाहरी व्यक्तियों के अवैध प्रवेश और सोशल मीडिया के लिए वीडियो बनाने की शिकायतों का सत्यापन करना था, लेकिन इस दौरान ड्यूटी से नदारद रहने वाले कर्मियों की पोल खुल गई। निरीक्षण के दौरान उपाधीक्षक ने पाया कि अस्पताल में तैनात सुरक्षा गार्ड अपनी निर्धारित जगहों पर रहने के बजाय इमरजेंसी वार्ड में एक ही जगह झुंड बनाकर जमा थे, जबकि कई संवेदनशील पॉइंट्स पर एक भी गार्ड मौजूद नहीं था। इसी तरह वार्ड बॉय भी अपनी ड्यूटी से नदारद पाए गए। डॉ. राजीव रंजन ने इस स्थिति पर गहरा खेद व्यक्त करते हुए कहा कि सरकार की ओर से भारी निवेश के बावजूद कर्मचारी अपनी जिम्मेदारियों के प्रति लापरवाह हैं। उन्होंने ड्यूटी में कोताही बरतने वाले सभी वार्ड बॉय और गार्ड्स को शो-कॉज नोटिस जारी करने का आदेश दिया है। साथ ही सुरक्षा एजेंसी की लापरवाही की जानकारी सिविल सर्जन को देने की बात कही है। अस्पताल की भीतरी व्यवस्थाओं का जायजा लेने पर पता चला कि वार्डों में बेड पर चादरें अस्त-व्यस्त थीं और इमरजेंसी वार्ड में कंबल इधर-उधर फेंके हुए थे। हालांकि, राहत की बात यह रही कि इमरजेंसी, एसएनसीयू और नर्सिंग स्टेशनों पर डॉक्टर और नर्स अपनी ड्यूटी पर मुस्तैद पाए गए।

निरीक्षण के दौरान अस्पताल परिसर में तेज आवाज में संगीत बजने का मामला भी सामने आया, जिस पर कड़ा रुख अपनाते हुए उपाधीक्षक ने पुलिस को बुलाकर इसे बंद करवाया। उन्होंने बताया कि पोस्टमॉर्टम हाउस के रहने वाले कुछ लोग इस संवेदनशील क्षेत्र की गरिमा का उल्लंघन कर रहे हैं, जिससे भर्ती मरीजों और बच्चों को काफी परेशानी होती है। इन अतिक्रमणकारियों को परिसर खाली करने का नोटिस पहले भी दिया जा चुका है और अब जिला प्रशासन के माध्यम से सख्त कार्रवाई की तैयारी की जा रही है ताकि अस्पताल के शांत और सुरक्षित वातावरण को बहाल किया जा सके।

5वीं तक की पढ़ाई 11 बजे के बाद नहीं चलेगी, छठी से 8वीं कक्षा तक की पढ़ाई 12 बजे के बाद बंद करनी होगी

गयाजी। गयाजी में सभी सरकारी, गैर सरकारी और प्री स्कूल के अलावा आंगनबाड़ी केंद्र-कोचिंग संस्थानों के लिए नया आदेश जारी किया गया है। आदेश के अनुसार 5वीं तक की शैक्षणिक गतिविधियां सुबह 11 के बाद नहीं चलेंगी। छठी से 8वीं तक की कक्षाएं दोपहर 12 बजे के बाद बंद करनी होगी। यह आदेश 29 अप्रैल से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। गयाजी में पिछले 5 दिनों से भीषण गर्मी है। सुबह 9 बजे के बाद ही सड़कें सुनसान होने लग रही। दोपहर होते-होते तापमान और बढ़ जाता है। स्थिति को देखते हुए डीएम शशांक शुभंकर ने ये फैसला लिया है। बिहार में कई जगह पारा 40 से 43 डिग्री सेल्सियस के बीच दर्ज किया गया, जबकि मौसम विभाग पहले ही गया समेत दक्षिण बिहार के जिलों के लिए लू और गर्म हवाओं का अलर्ट जारी कर चुका था। 24 अप्रैल के आईएमडी बुलेटिन में बिहार में 26 और 27 अप्रैल को तेज गर्मी के साथ आंधी-तूफान की चेतावनी दी गई थी। साथ ही अप्रैल के अंतिम सप्ताह तक भीषण गर्मी का असर बने रहने की बात कही गई। मौसम विभाग की ताजा अपडेट के अनुसार 29 अप्रैल के आसपास कुछ इलाकों में तेज हवा या हल्की राहत के संकेत जरूर हैं, लेकिन गया और दक्षिण बिहार में गर्मी का असर फिलहाल पूरी सामान्य होता नहीं दिख रहा।

दरवाजे पर बारात, दुल्हन के पिता की मौत, बारातियों का स्वागत कर रहे थे, स्कॉर्पियो ने रौंदा

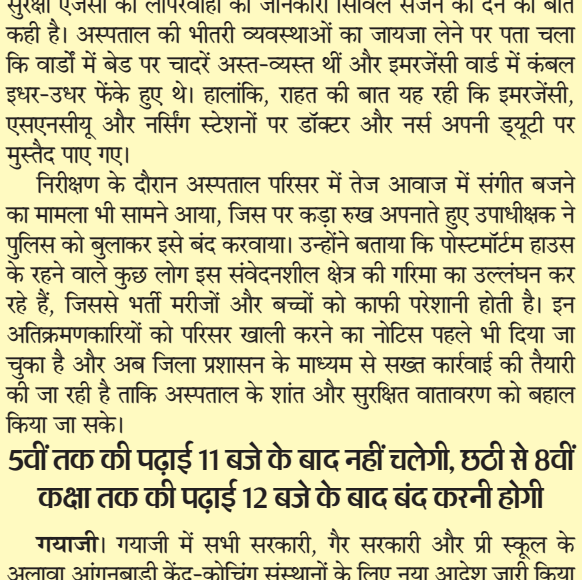

नालन्दा। नालंदा में मंगलवार रात बेटी की शादी के दिन ही पिता की मौत हो गई। बारात घर पर आई हुई थी। समधी मिलान के लिए दुल्हन के पिता घर से बाहर निकले थे। सभी घर वाले भी बाहर ही थे। समधी मिलान हो चुका था। जिसके बाद लड़की के पिता आरजू पासवान (45) बारातियों के स्वागत में लगे थे। घर के पास सड़क है। रोड क्रॉस करते वक्त एक तेज रफ्तार स्कॉर्पियो आई ओर उन्हें रौंद दिया। टक्कर के बाद आरजू काफी दूर जा गिरे। घर वाले दौड़कर आरजू के पास पहुंचे और उन्हें तुरंत पास के अस्पताल पहुंचाया। जहां इलाज के दौरान उनकी मौत हो गई। इधर बेटी धर्मशीला कुमारी को सिर्फ इतना पता था कि पिता का मामूली एक्सीडेंट हुआ है, तुरंते घर आ जाएंगे। जैसे-तैसे शादी हुई और बेटी विदा हो गई। जब ससुराल पहुंची तब उसे पिता की मौत की जानकारी दी गई। घटना नूरसराय थाना क्षेत्र चरुईपर गांव की है। बुधवार की सुबह जब बेटी को पिता की मौत की जानकारी मिली तो अपने ससुराल से मायके आई। घर आई तो देखा पिता की लाश पड़ी है। घर के सभी लोग रो रहे थे। बेटी भी खुद को संभाल नहीं पाई और रोने लगी। एक दिन पहले तक जिस घर में हंसी-मजाक का सिलसिला चल रहा था, वहां आज मातम है। घर की महिलाओं ने जैसे-तैसे बेटी धर्मशीला को संभाला। मृतक के भांजे सुदामा पासवान ने कहा कि मामा की छोटी बेटी की शादी थी। बारात शेखपुरा के बरबीघा थाना क्षेत्र के मई गांव से आई थी। बाराती घर के दरवाजे पर खड़ी थी। वे लोग नाच-गा रहे थे थे। पटाखे फोड़े जा रहे थे। खुशी का माहौल था। घर में समधी मिलन की रस्म की तैयारी अंतिम चरण में थी। रस्म के लिए आरजू घर के बाहर आ रहे थे। घर के पास बिटहा-सरमेरा टू-लेन रोड है। रास्ते में तेज रफ्तार में कार आई और मामा को टक्कर मारकर फरार हो गई। सूचना मिलते ही नूरसराय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमॉर्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेजा। थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि दुर्घटनास्थल से स्कॉर्पियो का टूटा हुआ नंबर प्लेट बरामद हुआ है, जिसके आधार पर फरार वाहन और चालक की तलाश की जा रही है। आवेदन मिलने पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

पोखर से लापता युवक का शव बरामद, थानाध्यक्ष बोले- मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी, पैर फिसलने से हादसा

नालंदा। नालंदा के सारे थाना क्षेत्र अंतर्गत नेरुत गांव में आज एक पोखर से लापता युवक का शव बरामद किया गया। मृतक की पहचान किशोरी चौधरी के बेटे कीर्ति दास कुमार (25) के रूप में हुई है, जो मंगलवार से ही रहस्यमय परिस्थितियों में लापता था। परिजनों ने काफी खोजबीन की थी, लेकिन उसका कहीं सुराग नहीं मिल पाया था। मृतक के भतीजे ज्ञानचंद ने बताया कि मंगलवार को कीर्ति सभी के साथ खेल रहा था, जिसके बाद वह अचानक कहीं चला गया। काफी समय तक घर न लौटने पर परिजनों ने गांव और आसपास के इलाकों में उसकी तलाश शुरू की। रात के 11 बजे तक खोजबीन जारी रही, परंतु सफलता नहीं मिली। बुधवार को जब ग्रामीण और परिजन पोखर की तरफ घूमने गए, तो पानी में शव दिखाई दिया। युवक को देखते ही परिजनों में चीख-पुकार मच गई और देखते ही देखते मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। सारे थानाध्यक्ष अनिल कुमार सिंह पुलिस टीम के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और शव को अपने कब्जे में लिया। पुलिस ने कानूनी प्रक्रिया पूरी करने के बाद शव को पोस्टमार्टम के लिए बिहार शरीफ सदर अस्पताल भेज दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि प्राथमिक जांच और परिजनों से मिली जानकारी के अनुसार युवक की मानसिक स्थिति ठीक नहीं थी, जिसके कारण आशंका जताई जा रही है कि वह अनियंत्रित होकर पोखर में गिर गया होगा। फिलहाल पुलिस ने यूडी केस दर्ज कर ली है और मामले की अग्रिम कार्रवाई में जुट गई है।

गयाजी में गुस्साए लोगों ने पुलिस पर पथराव किया, थानाध्यक्ष घायल

हाइवा की टक्कर से महिला की मौत, मायके से ससुराल जा रही थी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गयाजी। गयाजी के बोधगया थाना क्षेत्र के जानी बिगहा निवासी ललन यादव की पत्नी सुमित्रा देवी की सड़क हादसे में मौत हो गई। सुमित्रा अपने पति के साथ बाइक से मायके मुशरब्दा से ससुराल लौट रही थीं। रास्ते में नहाटा के पास सामने से आ रहे तेज रफ्तार हाईवा ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भयावह थी कि सुमित्रा सीधे हाईवा के पहिए के नीचे चली गईं और मौके पर ही उनकी मौत हो गई। इस हादसे के बाद गुस्साए लोगों ने सड़क जाम कर दिया। इसके बाद गुस्साए लोगों को पुलिस ने समझाने की कोशिश की, तो इन्होंने पुलिस पर अटैक कर दिया। जिसमें थानाध्यक्ष को चोट लगी है। बता दें कि सड़क हादसे के बाद देखते ही देखते बड़ी संख्या में ग्रामीण जुट गए। गुस्साए लोगों ने सड़क पर शव रखकर जाम लगा दिया। सड़क जाम होते ही इलाके में गाड़ी की लंबी कतार लग गई।

ग्रामीणों का गुस्सा सिर्फ हादसे तक सीमित नहीं था। लोगों का आरोप था कि इस सड़क पर लगातार भारी गाड़ी की तेज रफ्तार जानलेवा बन चुकी है, लेकिन प्रशासन की ओर से कोई ठोस कदम नहीं उठाया जा रहा। सूचना मिलते ही मोहनपुर थाना पुलिस मौके पर पहुंची और लोगों को समझाकर जाम हटाने की कोशिश शुरू की। लेकिन माहौल और भड़क गया। ग्रामीण मौके पर डीएम व एसएसपी को बुलाने की मांग कर रहे थे। आक्रोशित प्रदर्शनकारियों ने पुलिस पर लाठी डंडे व पथराव शुरू कर दिया। स्थिति बिगड़ती देख पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

थानाध्यक्ष संजय कुमार घायल हुए: इस दौरान मोहनपुर थानाध्यक्ष संजय कुमार घायल हो गए। उन्हें प्राथमिक उपचार के बाद बेहतर इलाज के लिए मगध मेडिकल कॉलेज अस्पताल भेजा गया, जहां उनका इलाज चल रहा है। उन्हें ऊपर के होठ के पास चोट लगी है। वहीं एक एएसआई को भी मामूली चोट आई है। पुलिस ने किसी तरह स्थिति को नियंत्रित किया और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

घटना स्थल पर अतिरिक्त पुलिस बल तैनात किया गया है। हाईवा चालक की तलाश शुरू कर दी गई है। हादसे के बाद चालक वाहन छोड़कर फरार है। मगध मेडिकल कालेज अस्पताल में थानाध्यक्ष संजय कुमार से बातचीत करने की कोशिश की गई, तो उन्हें बात करने से इनकार कर दिया। वे कहने लगे कि बाद में जानकारी दूंगा, अभी इलाज करा रहा हूं। अभी बोलने में तकलीफ हो रही है।

सुल्तानगंज हत्याकांड के विरोध में शेरघाटी में प्रदर्शन

कर्मियों ने काली पट्टी बांध जताया आक्रोश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया/शेरघाटी। सुल्तानगंज में कार्यपालक पदाधिकारी कृष्ण भूषण कुमार की गोली मारकर हत्या किए जाने की घटना के विरोध में शेरघाटी नगर परिषद के पदाधिकारियों और कर्मचारियों ने बुधवार को जोरदार विरोध प्रदर्शन किया। इस दौरान कर्मियों ने अपने-अपने कार्यालयों में काली पट्टी बांधकर शांतिपूर्ण तरीके से आक्रोश व्यक्त किया।

प्रदर्शन के दौरान सभी कर्मचारियों ने दिवंगत अधिकारी की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा और घटना की कड़ी निंदा की। कर्मचारियों का कहना था कि इस तरह की घटनाएं न केवल प्रशासनिक व्यवस्था को चुनौती देती हैं, बल्कि सरकारी कर्मियों के बीच भय का माहौल भी पैदा करती हैं।

उच्च स्तरीय जांच और गिरफ्तारी की मांग: नगर परिषद के अधिकारियों और कर्मचारियों ने सरकार से मांग की कि इस हत्याकांड की उच्च स्तरीय जांच कराई जाए और दोषियों को जल्द से जल्द गिरफ्तार कर सख्त सजा दी जाए। उन्होंने कहा कि यदि समय रहते कार्रवाई नहीं हुई, तो ऐसी घटनाएं दोहराई जा सकती हैं।

बेलागंज पुलिस की बड़ी कार्रवाई: चार कुर्की वारंटी गिरफ्तार, न्यायालय में पेश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। बेलागंज थाना पुलिस ने फरार आरोपियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत बुधवार को बड़ी कार्रवाई करते हुए चार कुर्की वारंटियों को गिरफ्तार किया। ये गिरफ्तारी थाना क्षेत्र के बेलदारी बीघा और दलेलचक गांवों से की गई।

थानाध्यक्ष मनोज कुमार पांडे ने बताया कि बेलदारी बीघा गांव से विनोद चौहान और उनके पुत्र नाथुन चौहान को गिरफ्तार किया गया। इन दोनों के खिलाफ जहानाबाद न्यायालय से कुर्की वारंट जारी था, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें उनके ठिकाने से दबोच लिया।

इसी क्रम में दलेलचक गांव में छापेमारी कर पोपेंद्र यादव उर्फ भूपेंद्र यादव और साचू यादव को भी गिरफ्तार किया गया। चारों आरोपियों को हिरासत में लेने के बाद संबंधित न्यायालयों—गया न्यायालय एवं जहानाबाद न्यायालय—में प्रस्तुत किया गया।

थानाध्यक्ष ने बताया कि फरार चल रहे वारंटियों की गिरफ्तारी को लेकर थाना पुलिस लगातार अभियान चला रही है। उन्होंने कहा कि कानून से बचने की कोशिश करने वाले आरोपियों के खिलाफ आगे भी सख्त कार्रवाई जारी रहेगी।

इमामगंज में उबाल: सुल्तानगंज हत्याकांड के विरोध में काला बिल्ला लगाकर प्रदर्शन

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

- दोषियों की गिरफ्तारी की मांग तेज

गया। इमामगंज नगर पंचायत में सुल्तानगंज के कार्यपालक पदाधिकारी कृष्ण भूषण की हत्या के विरोध में जनप्रतिनिधियों और स्थानीय लोगों ने जोरदार लेकिन शांतिपूर्ण प्रदर्शन किया। प्रदर्शनकारियों ने काला बिल्ला लगाकर घटना के प्रति अपना विरोध जताया। इस घटना को लेकर पूरे इलाके में शोक और आक्रोश का माहौल बना हुआ है। इस विरोध प्रदर्शन का नेतृत्व नगर पंचायत अध्यक्ष सोनम कुमारी और प्रतिनिधि भवानी सिंह ने किया। उनके साथ वार्ड पार्षदों और स्थानीय नागरिकों की बड़ी संख्या मौजूद रही।

प्रदर्शन के दौरान सभी लोगों ने दिवंगत अधिकारी की आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा। इसके बाद उपस्थित जनप्रतिनिधियों ने घटना की कड़ी निंदा करते हुए दोषियों की शीघ्र गिरफ्तारी और कड़ी सजा की मांग की।

नगर पंचायत अध्यक्ष सोनम कुमारी ने कहा कि दिनदहाड़े एक सरकारी पदाधिकारी की हत्या कानून-व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करती है। उन्होंने सरकार से इस मामले की निष्पक्ष और त्वरित जांच की मांग की। वहीं भवानी सिंह ने चेतावनी देते हुए कहा कि यदि आरोपियों को जल्द गिरफ्तार नहीं किया गया, तो आंदोलन को और तेज किया जाएगा।

प्रदर्शन में शामिल अन्य जनप्रतिनिधियों ने इस घटना को सिर्फ एक व्यक्ति की हत्या नहीं, बल्कि प्रशासनिक व्यवस्था पर सीधा हमला बताया। उन्होंने सरकार से पीड़ित परिवार को उचित मुआवजा देने और सरकारी कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग भी की। इमामगंज के लोगों ने इस विरोध के माध्यम से साफ संदेश दिया कि वे अन्याय के खिलाफ एकजुट हैं और दोषियों को किसी भी कीमत पर बख्शा नहीं जाना चाहिए। अब पूरे क्षेत्र की नजरें प्रशासन की कार्रवाई पर टिकी हैं, ताकि पीड़ित परिवार को जल्द न्याय मिल सके।

धरने पर बैठे पूर्व विधायक सतीश दास गिरफ्तार मजदूर दिवस पर महारैली की मांग कर रहे

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गया। गया में 1 मई को प्रस्तावित 'संविधान सुरक्षा महारैली' को लेकर आज पूर्व विधायक ने धरना दिया है। बुद्ध जयंती और मजदूर दिवस के दिन गांधी मैदान में महारैली आयोजित की गई है। इसको लेकर जिला प्रशासन से अनुमति नहीं मिली है। इसके विरोध में जैसे ही पूर्व विधायक सतीश दास आज आमरण अनशन पर बैठे, पुलिस ने उन्हें मौके से हिरासत में ले लिया। पहले समझाने की कोशिश हुई, फिर सीधे उठा कर करीब 55 किलोमीटर दूर गहलौर थाने पहुंचा दिया गया।

मांग पर अड़े रहने पर पुलिस ने कार्रवाई की: गांधी मैदान के गेट पर शुरू हुआ यह विरोध कुछ ही देर में प्रशासन बनाम आंदोलन की लड़ाई में बदल गया। डीएसपी टाउन-1 सरोज कुमार पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे। सतीश दास को धरना खत्म करने को कहा गया। लेकिन पूर्व विधायक अपनी मांग पर अड़े रहे। इसके बाद पुलिस ने कार्रवाई की और उन्हें वहां से हटाकर गाड़ी में बैठा लिया। हिरासत के बाद उनके समर्थकों में भी नाराजगी दिखी।

गहलौर थाने से दैनिक भास्कर से फोन पर बातचीत में सतीश दास ने जिला प्रशासन पर सीधा हमला बोला। उन्होंने कहा- गया में भारत का संविधान लागू नहीं है। संविधान ने जो अधिकार दिए हैं, प्रशासन उन्हें कुचल रहा है। न ही कार्यक्रम करने दिया जा रहा, न शांतिपूर्ण धरना करने के लिए दिया जा रहा है।

प्रशासन ने गर्मी-लू का दिया हवाला: दरअसल अंबेडकर संघर्ष मोर्चा और महाबोधि महाविहार संघर्ष समिति ने 1 मई को गांधी मैदान में 'संविधान बचाव' कार्यक्रम के लिए अनुमति मांगी थी। लेकिन प्रशासन ने इजाजत देने से इनकार कर दिया। प्रशासन की ओर से गर्मी, लू, सुरक्षा व्यवस्था और वीआईपी मूवमेंट को कारण बताया गया। एसडीएम अनिल कुमार रमण के मुताबिक, 1 मई को मुख्यमंत्री का गया दौरा प्रस्तावित है। बड़ी संख्या में मजिस्ट्रेट और पुलिस बल उनकी सुरक्षा व्यवस्था में लगाए जाएंगे। साथ ही कई पुलिसकर्मी दूसरे राज्यों में चुनाव ड्यूटी पर हैं। ऐसे में किसी नए बड़े आयोजन को अनुमति देना फिलहाल संभव नहीं है। प्रशासन ने साफ किया कि केवल बुद्ध जयंती से जुड़े पहले निर्धारित कार्यक्रमों को ही मंजूरी दी गई है। नए आयोजन की अनुमति नहीं है।

लेकिन सतीश दास और उनके संगठन इसे सिर्फ प्रशासनिक फैसला नहीं, बल्कि लोकतांत्रिक अधिकारों पर रोक बता रहे हैं। उनका आरोप है कि संविधान और सामाजिक न्याय के नाम पर होने वाली आवाज को दबाया जा रहा है। गयाजी में अब यह मामला सिर्फ एक कार्यक्रम की अनुमति तक सीमित नहीं दिख रहा। सवाल यह खड़ा हो गया है कि सुरक्षा और प्रशासनिक मजबूरी के नाम पर क्या विरोध और लोकतांत्रिक अभिव्यक्ति को रोका जा सकता है।

मलमास मेले की तैयारी, 4 बजे तक कटेगी बिजली

मेले में पुराने तारों को बदलकर कवर वायर लगाया जा रहा, शॉर्ट-सर्किट का नहीं होगा खतरा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

नालन्दा। राजगीर मलमास मेले की तैयारी जोरों पर है। मेले में बिजली सप्लाई के लिए बुधवार को कुंड फीडर और पीएचईडी क्षेत्र विशेष मेंटेनेंस काम किया जा रहा है। शाम 4 बजे तक सप्लाई बाधित की जाएगी। विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता विपिन कुमार ने बताया कि आज और कल कुंड क्षेत्र में बिजली के बुनियादी ढांचे को दुरुस्त करने का लक्ष्य रखा गया है। इस विशेष अभियान के तहत क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पुराने तारों को बदलकर सुरक्षा कवच युक्त 'कवर वायर' लगाने का कार्य किया जाएगा।

कार्यपालक अभियंता ने बताया कि कवर वायर लगाने से न केवल शॉर्ट सर्किट की घटनाओं में कमी आएगी, बल्कि घनी आबादी और मेला क्षेत्र में सुरक्षा की दृष्टि से भी यह आवश्यक है।

पीएचईडी फीडर से जुड़े इलाके में नहीं रहेगी बिजली: बिजली कटौती के कारण आज मुख्य रूप से कुंड क्षेत्र, बनगंगा और पीएचईडी फीडर से जुड़े तमाम इलाकों में दोपहर तक बिजली गुल रहेगी। विभाग ने स्पष्ट किया है कि मरम्मत का कार्य बड़ा होने के कारण बिजली काटी जा रही है। विभाग का कहना है कि मेले के दौरान विद्युत संबंधी किसी भी बड़ी तकनीकी खामी से बचने के लिए यह मेंटेनेंस कार्य समय रहते पूरा करना अनिवार्य है।

गयाजी में एग्जीक्यूटिव इंजीनियर से डीएम ने मांगा स्पष्टीकरण

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

- वेतन पर लगाई रोक, कहा- लापरवाही बर्दाश्त नहीं, सिंगरा जलापूर्ति केंद्र में 24 घंटे में सुधार हो

गया। गया में गर्मी के बीच शहरवासियों को निर्बाध जलापूर्ति सुनिश्चित करने के लिए जिला प्रशासन सक्रिय हो गया है। इसी क्रम में, जिला पदाधिकारी शशांक शुभंकर ने नगर आयुक्त और बुडको (BUDCO) की टीम के साथ सिंगरा स्थान जलापूर्ति केंद्र का औचक निरीक्षण किया। यह कार्रवाई पिछले चार दिनों से पानी की आपूर्ति बाधित होने की लगातार मिल रही शिकायतों के बाद की गई। निरीक्षण के दौरान, डीएम ने जलापूर्ति व्यवस्था की गहन समीक्षा की। अधिकारियों ने बताया कि इस केंद्र से एपी कॉलोनी, चंदौती, मुस्तफाबाद, मगध मेडिकल क्षेत्र, चाणक्यपुरी कॉलोनी, पुलिस लाइन, ग्वालबीघा और मुन्नी मस्जिद सहित कई इलाकों में पानी की आपूर्ति की जाती है। इन क्षेत्रों के हजारों घर पिछले कुछ दिनों से अनियमित जलापूर्ति से जूझ रहे थे।

टंकी भरने में 8 घंटे का लगता समय: सिंगरा स्थान जलापूर्ति केंद्र में दो पानी की टंकियां हैं, जिनकी क्षमता क्रमशः 4 एमएलटी (मिलियन लीटर) और 4.24 एमएलटी है। अधिकारियों ने जानकारी दी कि इन टंकियों को भरने में लगभग 7 से 8 घंटे लगते हैं, जबकि पानी का डिस्चार्ज मात्र 40 से 45 मिनट में हो जाता है। इस असंतुलन के कारण आपूर्ति में निरंतरता बनाए रखना चुनौतीपूर्ण हो रहा है। स्थिति की गंभीरता को देखते हुए, डीएम शशांक शुभंकर ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि जलापूर्ति केंद्रों पर कर्मियों की लगातार तैनाती सुनिश्चित की जाए और 24 घंटे निगरानी रखी जाए। डीएम ने विशेष रूप से यह भी निर्देश दिया कि हर दिन सुबह और शाम पूरे दबाव के साथ अंतिम छोर तक जलापूर्ति होनी चाहिए, ताकि किसी भी मोहल्ले में पानी की कमी न हो।

प्रक्रिया समयबद्ध और व्यवस्थित होनी चाहिए: निरीक्षण के दौरान, डीएम स्वयं पानी की टंकी के ऊपरी तल तक पहुंचे और उसमें भरे पानी के स्तर की जांच की। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि पानी चालू और बंद करने की प्रक्रिया समयबद्ध और व्यवस्थित होनी चाहिए, जिससे अनावश्यक बर्बादी रुके और सभी क्षेत्रों में समान रूप से पानी पहुंचे। इस दौरान, पुलिस लाइन मुख्य सड़क के किनारे बंद पड़े स्लूइस वाल्व को देखकर डीएम ने नाराजगी व्यक्त की। उन्होंने मौके पर मौजूद बुडको के कार्यपालक अभियंता और सहायक अभियंता से स्पष्टीकरण मांगा और उनके वेतन भुगतान पर तत्काल प्रभाव से रोक लगाने का निर्देश दिया। डीएम ने स्पष्ट रूप से कहा कि अगले 24 घंटे के भीतर बंद पड़े वाल्व को ठीक कर जलापूर्ति बहाल की जाए।

कहा- लापरवाही बर्बाश्त नहीं होगी: उन्होंने नगर आयुक्त को भी निर्देश दिया कि यदि निर्धारित समयसीमा के अंदर जलापूर्ति सुचारू नहीं होती है, तो आपदा प्रबंधन अधिनियम के तहत संबंधित अधिकारियों पर कठोर कार्रवाई की जाए। इस सख्त रुख से स्पष्ट है कि प्रशासन अब जल संकट को लेकर किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं करेगा। निरीक्षण के दौरान नगर आयुक्त, सहायक समाहर्ता, बुडको के कार्यपालक अभियंता, सहायक अभियंता और नगर निगम के अन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे।

संक्षिप्त समाचार

ई रिक्शा अनियंत्रित हो पलटी, एक व्यक्ति की इलाज के दौरान हुई मौत, दो घायल

कोचस (रोहतास)। राजस्थानी थाना क्षेत्र के कुछीला गांव के एक व्यक्ति की बुधवार को सड़क हादसे में दर्दनाक मौत हो गई। जबकि इस हादसे में उनकी पुत्री और ई रिक्शा चालक गंभीर रूप से घायल हो गए जिनका इलाज स्थानीय सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में चल रहा है। मृतक व्यक्ति ग्राम कुछीला थाना कोचस जिला रोहतास निवासी राम रुचि सिंह बताए गए है। घटना के बारे में बताया जाता है कि मृतक अपने पुत्री आशा कुमारी और अपने परिवार के एक सदस्य के साथ ई-रिक्शा से कही जा रहे थे, तभी करगहर के स्टेट हाईवे पर जलालपुर के समीप ई रिक्शा अनियंत्रित हो पलट गई जिस पर सवार तीनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की पहल से सभी घायलों को उपचार के लिए करगहर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र लाया गया जहां मौके पर उपस्थित चिकित्सको ने राम रुचि सिंह की स्थिति नाजुक बताते हुए बेहतर इलाज के लिए बनारस के ट्रामा सेंटर रेफर कर दिया जहां बनारस ले जाने के क्रम में रास्ते में उनकी मौत हो गई, वहीं करगहर थाना अध्यक्ष मुकेश कुमार ने शव को कब्जे में लेकर कोचस थाना अध्यक्ष नीतीश कुमार और परिजनो को सौंप दिया है। घटना के बाद मृतक के शव घर पहुंचते ही कोहराम मच गया तथा परिवार के साथ साथ पूरे गांव में मातम छा गया है।

मध्य विद्यालय में कंप्यूटर कक्ष का ताला तोड़कर नौ कंप्यूटर सेट चोरी करने के मामले का पुलिस ने किया खुलासा

काराकाट/रोहतास। प्रखंड क्षेत्र अंतर्गत कछवां थाना क्षेत्र के ग्राम अमौना स्थित मध्य विद्यालय में कंप्यूटर कक्ष का ताला तोड़कर नौ कंप्यूटर सेट चोरी करने के मामले का पुलिस ने खुलासा करते हुए सभी कंप्यूटर सेट बरामद कर लिए । इस मामले में पुलिस ने तीन नाबालिगों को हिरासत में लेकर विधि सम्मत कार्रवाई शुरू कर दी है । जानकारी के अनुसार 27 अप्रैल की रात अज्ञात लोगों ने विद्यालय के कंप्यूटर कक्ष का ताला तोड़कर अंदर रखे कुल नौ कंप्यूटर सेट चोरी कर लिए थे । घटना की जानकारी 28 अप्रैल की सुबह उस समय हुई,जब विद्यालय के शिक्षक कक्षा संचालन के लिए आवश्यक कागजात लेने कंप्यूटर कक्ष पहुंचे । शिक्षक ने देखा कि कक्ष का ताला टूटा हुआ दरवाजे की कुंडी में लटका है । इसके बाद उन्होंने तत्काल प्रधानाध्यापक (एचएम) एवं अन्य शिक्षकों को इसकी सूचना दी ।प्रधानाध्यापक सुशील कुमार गुप्ता जब अन्य शिक्षकों के साथ कंप्यूटर कक्ष में पहुंचे तो वहां रखे सभी नौ कंप्यूटर सेट गायब पाए गए । विद्यालय प्रबंधन ने अपने स्तर पर काफी खोजबीन की,लेकिन कोई सफलता नहीं मिलने पर 28 अप्रैल को कछवां थाना में अज्ञात के विरुद्ध प्राथमिकी दर्ज कराने के लिए लिखित आवेदन दिया गया ।थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि आवेदन दोपहर करीब दो बजे के बीच प्राप्त हुआ,जिसके बाद पुलिस ने तत्काल कार्रवाई शुरू की । जांच के दौरान पुलिस ने थाना क्षेत्र के अमौना गांव से छह कंप्यूटर सेट के साथ दो नाबालिगों को हिरासत में लिया । पूछताछ के दौरान दोनों ने अपने एक अन्य साथी का नाम बताया । इसके बाद उनकी निशानदेही पर पुलिस ने नासरीगंज थाना क्षेत्र के ग्राम पडुरी में छापेमारी कर शेष तीन कंप्यूटर सेट के साथ एक अन्य नाबालिग को हिरासत में ले लिया । पूछताछ में तीनों नाबालिगों ने चोरी की घटना में अपनी संलिप्तता स्वीकार की ।थानाध्यक्ष मनीष कुमार ने बताया कि विद्यालय से चोरी किए गए सभी नौ कंप्यूटर सेट सुरक्षित बरामद कर लिए गए हैं । मामले में संलिप्त तीनों नाबालिगों के विरुद्ध विधि-सम्मत कानूनी कार्रवाई की जा रही है ।

किशोरी के लापता होने की थाने मे प्राथमिकी दर्ज

कोचस (रोहतास)। थाना क्षेत्र से एक किशोरी की लापता होने की स्थानीय थाने में मंगलवार को गुमशुदगी की थाने मे प्राथमिकी दर्ज कराई गई है। प्राप्त जानकारी अनुसार गोविंदपुर निवासी शिक्षक कपिल कुमार की 14 वर्षीय पुत्री अर्चना कुमारी कल बीते मंगलवार को सुबह लगभग छह बजे घर से कोचस समता हाई स्कूल पढ़ने के लिए निकली थी, लेकिन देर शाम तक वापस घर नहीं लौटी।परिजनों द्वारा काफी खोजबीन करने के बाद भी उसका कोई पता नहीं चल सका। इसके बाद परिजनो ने कोचस थाना में गुमशुदगी की प्राथमिकी दर्ज कराई गई है।परिजनों के अनुसार, लड़की पहले से मानसिक रूप से अस्वस्थ थी, लेकिन वर्तमान में उसकी स्थिति सामान्य थी।परिवार के लोग अत्यंत चिंतित हैं और लगातार उसकी तलाश कर रहे हैं।वही थाना अध्यक्ष ने बताया कि आवेदन ले पुलिस थाना दर्ज कर मामले की छानबीन शुरू कर दी है, उन्होंने कहा खोजबीन की प्रक्रिया लगातार जारी है। किशोरी की पता लगने के बाद तुरंत इसकी सूचना परिजनों को दी जाएगी।

कांग्रेस कार्यालय की बैठक में महिला आरक्षण बिल लागू करने की मांग तेज

कटिहार। कांग्रेस कार्यालय राजेंद्र आश्रम में कटिहार कांग्रेस के अर्बन जिला अध्यक्ष संजय सिंह की अध्यक्षता में एक महत्वपूर्ण बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला कांग्रेस कमेटी के कई पदाधिकारी शामिल हुए। बैठक के बाद आयोजित प्रेस वार्ता में महिला आरक्षण बिल को लेकर भाजपा पर भ्रम फैलाने का आरोप लगाया गया। अर्बन जिला अध्यक्ष संजय सिंह ने कहा कि भाजपा महिला आरक्षण बिल के नाम पर जनता को दिग्भ्रमित कर रही है, जो बेहद निंदनीय है। उन्होंने कहा कि महिला आरक्षण बिल पहले ही पारित हो चुका है, लेकिन अब भाजपा परिसीमन के नाम पर गंदी राजनीति करना चाहती है। इसी के विरोध में जल्द ही कटिहार जिले के सभी प्रखंड मुख्यालयों पर कांग्रेस द्वारा धरना-प्रदर्शन किया जाएगा। जिला पर्यवेक्षक अमन कुमार ने कहा कि भाजपा हमेशा से जनता का ध्यान मूल मुद्दों से भटकाने का काम करती रही है। अब महिला आरक्षण बिल के नाम पर परिसीमन कराकर अपना राजनीतिक स्वार्थ साधना चाहती है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस को बदनाम करने की साजिश रची जा रही है, जिसका जवाब आने वाले दिनों में बड़े आंदोलन के जरिए दिया जाएगा। वहीं महिला कांग्रेस की कटिहार अध्यक्ष अंजुमन कौसर उर्फ आम्रपाली यादव ने कहा कि देशभर में महिलाओं के साथ अत्याचार चरम पर है। आए दिन विभिन्न राज्यों से दुष्कर्म और उत्पीड़न की घटनाएं सामने आ रही हैं, लेकिन भाजपा सरकार महिला आरक्षण बिल लागू करने के बजाय जनता को भ्रमित करने में लगी है। उन्होंने कहा कि कांग्रेस हमेशा महिलाओं के अधिकारों की पक्षधर रही है और आगे भी रहेगी। बैठक में मौजूद नेताओं ने एक स्वर में महिला आरक्षण बिल को तत्काल लागू करने की मांग करते हुए कहा कि यदि सरकार ने जल्द निर्णय नहीं लिया तो जिला स्तर से लेकर प्रखंड स्तर तक आंदोलन तेज किया जाएगा। मौके पर वरिष्ठ नेता संजय सिंह,जिला प्रवक्ता पंकज कुमार तमाखुवाला,महिला अध्यक्ष आम्रपाली यादव, शाहनवाज खान, नगर अध्यक्ष अ पुतुल सिंह, नगर अध्यक्ष ब रिंकू मिश्रा, डॉ बिपिन सिंह, मो रियाज, मोहर्रम खान, भारती रानी,नीतू देवी आदि नेताओं की उपस्थिति रही।

वीर शिरोमणि दानवीर भामाशाह की जयंती मनायी

कटिहार। वीर शिरोमणि दानवीर भामाशाह की जयंती तैलीक साहू समाज के द्वारा भव्य रूप से मनाया गया। कटिहार शहर के तीन गछिया स्थित जिला तैलीक साहू सभा कार्यालय में दानवीर भामाशाह की जयंती के अवसर पर तैलीक साहू सभा के जिला अध्यक्ष विद्यानंद साह पूर्व प्रमुख राम लखन साह, युवा प्रदेश प्रदेश उपाध्यक्ष हीरा लाल राही, प्राणपुर प्रखंड प्रमुख सह युवा जदयू जिला अध्यक्ष अमित साह, जिला कोषाध्यक्ष फूल कुमार साह,पूर्णिया प्रमंडल कार्यकारी सदस्य राकेश कुमार साह,गणेश कुमार साह,आत्म प्रकाश साह,महेश साह, आशीष कुमार साह मुख्य रूप से उपस्थित रहे और सबों ने भामाशाह के तेल चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धा सुमन अर्पित किया। भामाशाह तैलिक समाज का गर्व,वैश्य समाज का गर्व है। ज्ञात हो कि भामाशाह दानवीर शूरवीर के नाम से जाने जाते हैं। उन्होंने देश के लिए महाराणा प्रताप को देश बचाने के लिए अपना सर्वश्य धन सम्पत्ति का मोह त्याग कर उन्हें समर्पित कर दिया और खुद उनके सेना में शामिल हो गया। हम तैलीक समाज देश के लिए हमेशा से मर मिटने के लिए तैयार रहते हैं। हमारा नारा है।देश सेवा प्रथम सेवा।

नाबालिक लडकी का शादी रुकवाने पर प्रशासन को मिला धमकी, प्राथमिकी दर्ज

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

- राजपुर थाना क्षेत्र के मलांव गांव में नाबालिक का शादी किये जाने का मामला आया प्रकाश में
- शादी रोकवाने पहुंचे पुलिस प्रशासन पर परिवार गांव वाले व रिश्तेदार हुए उग्र
- कपड़ा फाड़कर रेप चार्ज कर एफआईआर करने व गोली चल जाने का प्रशासन को दिया धमकी
- पुलिस प्रशासन ने शुरू किया है आवश्यक कानूनी करवाई

राजपुर। थाना क्षेत्र के मलांव गांव में एक नाबालिग लड़की का शादी किये जाने का मामला प्रकाश में आया है.जिसको रूकवाने को लिए जिला एवं स्थानिय प्रशासन सक्रिय हो गया है.लडकी समेत माता पिता एवं परिवार का काउंसिल कर समझाने प्रयास को पहुंचे पुलिस प्रशासन पर घर, गांव के लोग एवं रिश्तेदार उत्तेजित हो गये.पुलिस प्रशासन को मिला धमकी देते हुए कहा गया है कि गोली चलेगी. कपड़ा फाड़कर रेप का चार्ज करके एफआईआर किया जायेगा.जिसको ले मामला अति संवेदनशील हो गया है.

बीडीओ ने बताया– जानकारी देते हुए बीडीओ रविराज ने बताया कि मलांव गांव के 17 वर्ष छः माह उम्र काल्पनिक नाम बाबु सोना की शादी परिजनों द्वारा तय कर दी गई थी.जो 28 अप्रैल 2026 को होनी थी.जिसकी शिकायत किसी के द्वारा जिला बाल विवाह संरक्षण कार्यालय को कर दी गई.जहा से 11 अप्रैल को स्थानिय प्रशासन को सूचित करते हुए विवाह रोकने के लिए बाल विवाह प्रतिषेध अधिनियम 2010 के तहत एक्शन शुरू हुआ.लडकी समेत सम्बन्धित परिवार एवं स्थानिय प्रतिनिधियों को थाना बुलाकर शादी को रोकते हुए 18 वर्ष की उम्र होने पर शादी करने की नसीहत प्रदान किया गया. लेकिन परिजन नहीं माने और गांव के सरपंच से लेटर पैड लडकी की उम्र 18 वर्ष होने का प्रमाण पत्र लेते हुए तय तारीख को शादी किया जाना जारी रखा गया.

मामले में कानून सम्मत कारवाई एवं लड़की और परिवार का पुनः काउंसिल करते हुए शादी रोकवाने के लिए जिला से आयी समाजिक कार्यकर्ता प्रियंका सिन्हा एवं चाइल्ड हेल्प लाइन पर्यवेक्षक संजीत कुमार सागर राजपुर थाना पहुंचे.जहां से मजिस्ट्रेट के तौर पर बीडीओ रविराज एवं उनका प्रशासनिक टीम स्थानिय पुलिस के साथ मलांव के लिए रवाना हुई. उन्होंने बताया कि वहां पहुंचने पर परिवार के सदस्य एवं उसके रिश्तेदार प्रशासनिक टीम पर उग्र हो गये.गोली चल जाने की धमकी दिये एवं कपड़ फाड़कर रेप चार्ज कर दिये जाने की धमकी देते हुए पुलिस प्रशासन को चेतावनी देते हुए कानून को अपने हाथ में लिया.

मामले में थानाध्यक्ष अंशु माला ने बताया कि एसडीएम प्रभात कुमार से प्राप्त निर्देश के आलोक में सभी सम्बन्धित के विरूद्ध आवश्यक कानूनी कार्रवाई शुरू कर दी गई है.

उच्च माध्यमिक विद्यालय सिकरियाँ में 'सखी सहायता डेस्क' के तहत निःशुल्क एनीमिया जांच शिविर आयोजित

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

काराकाट /रोहतास । काराकाट के सिकरियाँ स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय में आज बुधवार को बालिकाओं के समग्र स्वास्थ्य जागरूकता अभियान के तहत 'सखी सहायता डेस्क' द्वारा निःशुल्क एनीमिया जांच शिविर का आयोजन किया गया।

कार्यक्रम का उद्घाटन चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रांजल मिश्रा, फार्मासिस्ट श्याम प्रकाश ब्रह्मचारी और विद्यालय प्रधानाध्यापक अरुण कुमार ने संयुक्त रूप से फीता काटकर किया। उद्घाटन के बाद छात्राओं को एनीमिया जांच कराई गई तथा स्वास्थ्य के प्रति सजग रहने, नियमित जांच और परामर्श के लिए प्रेरित किया गया। प्रधानाध्यापक अरुण कुमार ने बताया कि बिहार शिक्षा परियोजना के तहत संचालित 'सखी सहायता डेस्क' का मुख्य उद्देश्य किशोरियों को शारीरिक विकास, स्वास्थ्य समस्याओं और स्वच्छता से जुड़ी आवश्यक जानकारी प्रदान करना है। चिकित्सा अधिकारी डॉ. प्रांजल मिश्रा ने एनीमिया को गंभीर समस्या बताते हुए कहा कि यह हीमोग्लोबिन की कमी से होता है, जिससे थकान, कमजोरी, चक्कर और सांस फूलना जैसी परेशानियां उत्पन्न होती हैं। शिक्षिका काजल कुमारी ने डेस्क की भूमिका पर प्रकाश डालते हुए कहा कि इससे छात्राओं को माहवारी स्वच्छता, पोषण, व्यक्तिगत देखभाल और मानसिक स्वास्थ्य के प्रति जागरूक किया जाता है। शिविर में स्वास्थ्य कर्मी व विद्यालय शिक्षक प्रेम प्रकाश प्रभात, संदीप कुमार, मो. सुजाउद्दीन अंसारी, रवि कुमार मिश्रा व आकाक्षा सिंह उपस्थित रहे।

बाल संसद व मीना मंच का गठन, तबस्सुम बनी प्रधानमंत्री

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

कारकाट (रोहतास) : प्रखंड क्षेत्र के उत्क्रमित उर्दू मध्य विद्यालय जोरावरपुर में शैक्षणिक सत्र 2026-27 के लिए बाल संसद एवं मीना मंच का गठन किया गया। यह कार्यक्रम विद्यालय के प्रधानाध्यापक मो० रेयाजुद्दीन अंसारी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुआ।

गठन प्रक्रिया के दौरान छात्रा तबस्सुम खातून को प्रधानमंत्री तथा मो० गालिब खान को उप प्रधानमंत्री चुना गया। वहीं रोमा खातून को मीना मंच की मीना बहन के रूप में निर्वाचित किया गया।

प्रधानाध्यापक मो० रेयाजुद्दीन अंसारी ने बताया कि विद्यालय में प्रत्येक वर्ष बाल संसद का गठन किया जाता है, जिससे बच्चों में नेतृत्व क्षमता का विकास होता है तथा विद्यालय के संचालन में भी सहयोग मिलता है।

इस अवसर पर शिक्षक मो० कामरान, बाल संसद प्रभारी मो० राजू, मीना मंच प्रभारी शिक्षिका हुस्नआरा खातून, शिक्षक मो० अफगान, मो० अब्दुल्लाह, इस्तेकबाल अंसारी सहित सभी छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

शत्रु भी हो तो राम की तरह हो - सुन्दरराज जी

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

राजपुर– राम के साथ युद्ध में जब रावण बहुत थक गया तो भगवान राम ने रावण को कहा कि जाओं कुछ समय आराम कर लो,फिर युद्ध करेंगे.तब अपने मौत से पूर्व वाली रात को रावण ने अपनी पत्नी से कहा कि हे मंदोदरी सत्रु भी हो तो राम की तरह हो.अयोध्या वासियों के पास संस्कार था. श्रीमद्भागवत की कथा हमें संस्कारवान बनाती है. गर्भाधान संस्कार से हमारे जीवन की शुरूआत होती है और अंतिम संस्कार दाह संस्कार पर समाप्त हो जाती है.इस बीच में अन्नप्रासन,जनेऊ, विवाह संस्कार समेत कई संस्कारों से मानव जीवन गुजरता है.राम व कृष्ण सिता एवं राधा की तरह अगर हमें संतान चाहिये तो हमें माताओं के मासिक धर्म के पन्द्रहवीं दिन को गर्भाधान संस्कार से गुजरना होगा.

श्रीमद्भागवत की कथा मुक्ति के लिए सुना जाता है.राजा परीक्षित ने अपनी मुक्ति के लिए सुखदेव जी से कथा सुनी थी.कथा मुक्ति का सोपान है. उन्होंने कहा कि हमें ऐसे गुरू को

बिना सूत्र शिखा वाले गुरूजी होंगे तो जेल में हीं मिलेंगे

वरण नहीं करना चाहिए, जिस गुरू के पास ना शिखा हो ना सूत्र हो,ना हीं हमारे सनातन संस्कार अनुरूप परिधान हो.जिसमें सनातन का कोई लक्षण नहीं है,उसको गुरू बताओगे तो गुरू जी जेल में हीं नजर आयेंगे.

उक्त बातें सोमवार को प्रखंड मुख्यालय राजपुर कचहरी मोड स्थित शिबाला प्रांगण में राम लक्ष्मण जानकी एवं हनुमान जी प्राण प्रतिष्ठा के लिए आयोजित श्री लक्ष्मी नारायण महायज्ञ के दुसरे दिन तपो मूर्ति संत श्री श्री 1008 श्री त्रिदंडी स्वामी जी के पाद सेवक यतिराज श्री सुन्दरराज स्वामी जी महाराज ने श्रद्धालु भक्तों के बीच प्रवचन के दौरान कहीं.

भगवत कथा में क्षेत्र के पकड़ी, सबेया, रामोडिह, छपरा, हुसेनाबाद, कपसिया, सियावंक, हब्बुपुर, राजपुर, काशिपुरी, अमाड, मंगरवलिया, मलांव, रोतवा, घोडिही, पडरिया, पकड़ी, बिशुनपुर, कर्मकिला, मंगरवलिया, बरना, भलुआही, नावाडिह, कुझी, बरांव, बरईचा,सुल्तानपुर समेत अन्य कई गांव के हजारों श्रद्धालु भक्तों एवं महायज्ञ कमिटी के अध्यक्ष सतीश कुमार गुप्ता, उपाध्यक्ष नन्हकू सिंह यादव, कोषाध्यक्ष विजेन्द्र कुमार गुप्ता, सचिव दिनेश तिवारी, राजपुर पैक्स अध्यक्ष शोभनाथ गुप्ता, मुखिया रंजू देवी, उनके समाजसेवी पति सतीश कुमार सिंह, प्रमुख कुन्ती देवी, उनके समाजसेवी बेटा अभिषेक कुमार तिवारी, भरत तिवारी, बीडीसी सदस्य प्रतिनिधि सुमेश्वर सिंह यादव, बरना पंचायत के पूर्व पैक्स अध्यक्ष मदनमोहन तिवारी,भोला सोनी समेत अन्य का सराहनीय सहयोग मिल रहा है.

मंत्री ने तेजस्वी यादव को जंगलराज का युवराज बताया

संतोष सुमन बोले- अपनी पार्टी का अतीत देखें नेता प्रतिपक्ष, सरकार अपराध के खिलाफ काम कर रही

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

गयाजी। गयाजी में स्वास्थ्य सेवा के मंच पर मंत्री संतोष सुमन पहुंचे। शहर के डीएम कोठी के पास आज एक निजी अस्पताल का उद्घाटन कार्यक्रम हुआ। इसमें हम पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और बिहार सरकार के निवर्तमान मंत्री डॉ. संतोष कुमार सुमन ने अस्पताल का शुभारंभ किया। उद्घाटन के बाद मीडिया से बातचीत में उन्होंने तेजस्वी पर तीखा हमला किया। राजद नेता तेजस्वी यादव को सीधे तौर पर "जंगलराज का युवराज" करार दिया।

डॉ. सुमन ने कहा कि गयाजी शहर में इस अस्पताल के खुलने से लोगों को आधुनिक इलाज की बेहतर सुविधाएं मिलेगी। अब मरीजों को कई गंभीर बीमारियों के इलाज के लिए बड़े शहरों की दौड़ कम लगानी पड़ेगी। उन्होंने दावा किया कि अस्पताल में अत्याधुनिक चिकित्सा व्यवस्था उपलब्ध कराई गई है, जिससे आम लोगों को सीधा फायदा होगा।

तेजस्वी यादव अपनी पार्टी का देखें अतीतः संतोष सुमन ने हालिया सुल्तानगंज की घटना का जिक्र करते हुए तेजस्वी यादव के ट्वीट पर सवाल उठाया। उन्होंने कहा कि तेजस्वी जिस तरह से सरकार पर हमला बोल रहे हैं, पहले उन्हें अपने राजनीतिक अतीत और अपनी पार्टी के दौर को देखना चाहिए। उन्होंने आरोप लगाया कि ऐसी घटनाओं में किन लोगों की भूमिका रहती है। यह बिहार की जनता अच्छी तरह जानती है। किसी से बात छिपी नहीं है।

बिहार अब पहले वाला नहीं रहा है। मुख्यमंत्री के नेतृत्व में सरकार अपराध पर जीरो टॉलरेंस नीति के तहत काम कर रही है। सरकार का साफ संदेश है कि कानून हाथ में लेने वालों को किसी कीमत पर बख्शा नहीं जाएगा। जो भी अपराध करेगा, उसे कड़ा परिणाम भुगतना पड़ेगा।

विपक्ष केवल बयानबाजी कर भ्रम फैलाने की कोशिश कर रहा है, जबकि सरकार जमीन पर कार्रवाई कर रही है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि अपराध और अराजकता फैलाने वालों पर लगातार शिकंजा कसता रहेगा।

अचानक मौसम के बदलने से तापमान में गिरावट आई

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

रोहतास। रोहतास प्रखंड के बंजारी क्षेत्र में अभी-अभी हुई बर्फीली बारिश ने लोगों को हैरान कर दिया। आमतौर पर इस इलाके में ऐसी मौसम की घटना कम देखने को मिलती है, जिससे स्थानीय लोगों में उत्सुकता और चर्चा का माहौल बन गया है।

अचानक मौसम के बदलने से तापमान में गिरावट आई और तेज हवा के साथ ओलावृष्टि (बर्फ जैसी बारिश) शुरू हो गई। खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान होने की आशंका जताई जा रही है, वहीं गर्मी से परेशान लोगों को थोड़ी राहत भी मिली है। स्थानीय लोगों के अनुसार, यह बारिश कुछ ही समय के लिए हुई लेकिन काफी तेज थी। प्रशासन की ओर से फिलहाल किसी बड़े नुकसान की सूचना नहीं मिली है, लेकिन स्थिति पर नजर रखी जा रही है।

मां से बेगाना होता बेटाः शादी के बाद बदलते रिश्तों की टीस

सोन वर्षा वाणी । संवाददाता

बिक्रमगंज (रोहतास)। बेटे के बड़े होते ही मां अपने स्थान पर बहु को बहुत सारे उम्मीद एवं सपने के साथ जिम्मेदारियां सौपती है, कि परिवार जैसे उसके लिए स्वर्ग बनेगा।भारतीय समाज में मां-बेटे का रिश्ता सबसे पवित्र माना जाता है। कहा जाता है कि बेटे के लिए मां पहली गुरु, पहला दोस्त और पहला सहारा होती है। जन्म से लेकर शादी तक मां हर कदम पर बेटे की परछाई बनकर साथ चलती है। लेकिन विडंबना यह है कि शादी के बाद अक्सर यही रिश्ता धीरे-धीरे कमजोर पड़ने लगता है। बेटे की जिंदगी में पत्नी के आने के बाद मां का स्थान गौण होता चला जाता है। कई घरों में यह दर्द खामोशी से मां की आंखों में उतर आता है, जिसे वह न कह पाती है न सह पाती है। समाजशास्त्रियों का मानना है कि यह बदलाव अचानक नहीं आता, बल्कि नए रिश्तों के बीच तालमेल की कमी और बेटों की प्राथमिकताओं में बदलाव इसकी बड़ी वजह है। कुछ मां कहती हैं, "बेटे की शादी तक लगा कि मेरी दुनिया पूरी है। बारात में सबसे आगे मैं ही थी। पर बहू के आने के छह महीने बाद ही बेटा फैसले मुझसे पूछकर नहीं, पत्नी से सलाह लेकर लेने लगा। अब तो बात भी हफ्ते में एक बार होती है।"

मनोवैज्ञानिकों के अनुसार, शादी के बाद बेटे पर दोहरी जिम्मेदारी आ जाती है। एक तरफ वह पति के रूप में नई गृहस्थी बसाता है, दूसरी तरफ बेटे का फर्ज निभाने का दबाव भी रहता है। कई बार पत्नी और

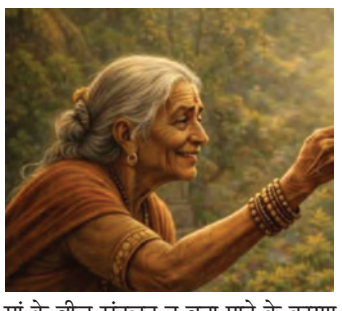

मां के बीच संतुलन न बना पाने के कारण बेटा अनजाने में मां से दूरी बना लेता है। छोटे शहरों से महानगरों में नौकरी के लिए जाने वाले बेटों के केस में यह समस्या और गंभीर हो जाती है। मां गांव या पुराने घर में अकेली रह जाती है, जबकि बेटा-बहू शहर में अपनी दुनिया में व्यस्त हो जाते हैं। जानकार बताते हैं, "हमारे यहां संयुक्त परिवार टूट रहे हैं। पहले बहू सास के साथ रहकर रिश्ते समझती थी। अब न्यूक्लियर फैमिली में पति-पत्नी की अपनी प्राइवेसी है। बेटा उसी में उलझकर रह जाता है और मां को लगता है कि उसे दूर कर दिया गया। यह दूरी जानबूझकर कम, हालात की वजह से ज्यादा बनती है।" कुछ मामलों में संपत्ति विवाद या बहू-सास की अनबन भी इस दूरी की वजह बनती है, पर अधिकांश मांएं सिर्फ इतना चाहती हैं कि बेटा पहले की तरह उनके पास दो पल बैठे, हाल पूछे।

इस सामाजिक दर्द का हल सिर्फ बेटों के हाथ में है। विशेषज्ञ सलाह देते हैं कि शादी के बाद बेटों को सचेत होकर मां को यह एहसास दिलाना चाहिए कि पत्नी के आने से मां की अहमियत कम नहीं हुई है। छोटे-छोटे काम, जैसे रोज फोन करना, छुट्टी में मां के पास समय बिताना, फैसलों में मां की राय लेना, इस खाई को पाट सकते हैं। पत्नी की भी भूमिका अहम है। अगर वह सास को मां की तरह सम्मान दे तो बेटा भी बीच में संतुलन बना पाएगा। वहीं कुछ लोगों का यह मानना हैं, "पति अगर मां को समय दें तो अच्छा लगता है। रिश्ते बांटने से नहीं, जोड़ने से बढ़ते हैं।" जरूरत है कि बेटे याद रखें कि पत्नी जीवनसाथी है, पर मां जीवनदाता। एक के आने से दूसरे को भुला देना किसी रिश्ते के साथ न्याय नहीं। समाज तभी मजबूत होगा जब बेटा शादी के बाद भी मां का वही 'छोटा बच्चा' बना रहे, जिसके लिए मां ने अपनी पूरी जिंदगी लगा दी। मां का दर्द आंसुओं में न बहे, इसके लिए संवाद, समय और सम्मान तीनों जरूरी हैं।

संक्षिप्त समाचार

बजरंगबली मंदिर में प्राण प्रतिष्ठा शुरू

अररिया। अररिया शहर के जयप्रकाश नगर स्थित श्री श्री 108 बजरंगबली मंदिर में बुधवार को नई प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा का अनुष्ठान शुरू हुआ। इस अवसर पर मंदिर परिसर में भक्तों की भारी भीड़ उमड़ पड़ी। सुबह से ही मंदिर परिसर में विशेष पूजा-अर्चना आरंभ हो गई थी, जिसमें श्रद्धालु 'जय बजरंगबली' के नारे लगा रहे थे। दोपहर में प्राण प्रतिष्ठा से पूर्व प्रतिमा का नगर भ्रमण कराया गया। इसके साथ ही एक भव्य कलश यात्रा भी निकाली गई।

कन्याएं कलश सिर पर रखकर मंदिर परिसर लौट आईं: यह कलश यात्रा मंदिर परिसर से शुरू होकर शहर के प्रमुख मार्गों से गुजरते हुए त्रिसुलिया घाट स्थित परमान नदी के तट पर पहुँची। वहाँ पुरोहितों ने विशेष पूजा-अर्चना की, जिसके बाद 251 कन्याओं ने विधि-विधान से कलशों में पवित्र जल भरा। कन्याएँ डीजे की धुन पर थिरकते हुए कलश सिर पर रखकर मंदिर परिसर लौट आईं। इस दौरान पूरा मार्ग भक्तिमय और उत्साहपूर्ण रहा। मंदिर के पुजारी बबलू यादव ने बताया कि प्राण प्रतिष्ठा को सफल बनाने के लिए कलश यात्रा का आयोजन किया गया। कलश यात्रा के समापन के बाद 24 घंटे का मानस पाठ शुरू किया जाएगा। इसके उपरांत 48 घंटे का महा अष्टयाम आयोजित होगा। इन अनुष्ठानों के दौरान भजन-कीर्तन, हवन और विशेष आरती का सिलसिला भी चलेगा।

प्राण प्रतिष्ठा से क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा: मंदिर के संस्थापक रामानंद यादव और आसपास के दर्जनों स्थानीय लोगों ने इस धार्मिक कार्यक्रम को सफल बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने बताया कि इस मंदिर का निर्माण भक्तों की लंबे समय से चली आ रही मांग को देखते हुए किया गया है। प्राण प्रतिष्ठा के बाद मंदिर में नियमित पूजा-पाठ के साथ-साथ भक्तों के लिए विभिन्न धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। इस अवसर पर शहर के विभिन्न इलाकों से सैकड़ों महिलाएँ, पुरुष और बच्चे मंदिर पहुँचे। कलश यात्रा के दौरान सुरक्षा व्यवस्था चाक-चौबंद रही, जिसमें स्थानीय प्रशासन ने भी सहयोग किया। भक्तों का मानना है कि बजरंगबली की प्राण प्रतिष्ठा से क्षेत्र में सकारात्मक ऊर्जा का संचार होगा। प्राण प्रतिष्ठा समारोह कई दिनों तक चलेगा, जिसमें दूर-दूर से भक्त पहुँच रहे हैं।

शॉर्ट-सर्किट से 2 दुकानें जलीं

बेगूसराय। बेगूसराय में अहले सुबह 3 बजे बीहट रिफाइनरी रोड में शॉर्ट-सर्किट से आग लग गई। चिंगारी थोड़ी ही देर में लपटों में बदल गई। जो आसपास की दुकानों तक फैल गई। हवा तेज होने के कारण आग काफी तेजी से भड़की। अगलगी में व्यवसायी मंटू शर्मा की लकड़ी की दुकान सहित दो दुकानें पूरी तरह जलकर राख हो गई हैं। इस घटना में 5 लाख रुपए से अधिक की संपत्ति का नुकसान हुआ है। सूचना मिलते ही एफसीआई थाना की पुलिस और बरौनी फायर स्टेशन से दमकल की 2 गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों और स्थानीय युवाओं के प्रयास से करीब 3 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर पूरी तरह काबू पाया गया। लेकिन तब तक 2 दुकानें जल चुकी थी। घटना एफसीआई थाना क्षेत्र की है।

स्थानीय लोगों ने अपने स्कर से आग बुझाने की कोशिश की: सामाजिक कार्यकर्ता रामकृष्ण ने तत्काल इसकी सूचना एफसीआई थाना और बरौनी फायर ब्रिगेड को दी। प्रशासन के पहुंचने से पहले ही स्थानीय लोगों ने अपने स्तर से आग को फैलने से रोकने की कोशिश की। यही वजह से रही कि आग की लपटें लोगों के घर तक नहीं पहुंची। पीड़ित दुकानदार मंटू शर्मा ने बताया कि आग इतनी तेजी से फैली कि दुकान से कुछ भी निकालने का मौका नहीं मिला। लकड़ी का सामान होने के कारण आग ने तुरंत जोर पकड़ लिया। परिवार के सामने रोजी-रोटी का संकट खड़ा कर दिया है।

ट्रक ने बाइक सवार किशोर को रौंदा, मौत

बेगूसराय। बेगूसराय में मंगलवार की रात सड़क हादसा हो गया। 14 चक्का ट्रक ने बाइक सवार 17 साल के किशोर को रौंद दिया। हादसे में किशोर की मौके पर ही मौत हो गई। मृतक साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र के कुरहा बाजार के रहने वाले मो. इसराफिल का बेटा मो. अमानत (17) है। जो बाइक मैकेनिक काम सिख रहा था। घर से किसी काम से निकला था। अमानत बाइक से किसी काम के लिए निकला था, तभी ट्रक से टक्कर हो गई। घटना साहेबपुर कमाल थाना क्षेत्र की है।

बाइक मैकेनिक का काम सिख रहा था: चचेरे भाई फिरोज ने बताया कि अमानत अभी महज 17 साल का था और भविष्य संवारने के लिए काम सीख रहा था। वह अपने परिवार का सहारा बनने की कोशिश में जुटा था। घटना की सूचना मिलते ही साहेबपुर कमाल थाना की पुलिस मौके पर पहुंची और आज लाश का पोस्टमॉर्टम सदर अस्पताल में कराया गया है। हादसे के बाद स्थानीय लोगों में आक्रोश है। ग्रामीणों का कहना है कि इस रूट पर भारी वाहनों की रफ्तार अनियंत्रित रहती है। जिसके कारण आए दिन दुर्घटनाएं होती रहती है।

इंटर्नशिप शुल्क के विरोध में एबीवीपी का ज्ञापन

भागलपुर| अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद (एबीवीपी) ने टीएनबी विवि द्वारा इंटर्नशिप के नाम पर 500 रुपये शुल्क वसूलने के निर्णय का कड़ा विरोध किया है। प्रतिनिधि मंडल ने कुलसचिव को ज्ञापन सौंपते हुए इस शुल्क को तत्काल निरस्त करने की मांग की। प्रदेश सह मंत्री कुणाल पांडेय ने कहा कि नेप में ऐसे किसी शुल्क का प्रावधान नहीं है और छात्रों को मनचाहे संस्थान से निशुल्क इंटर्नशिप की स्वतंत्रता मिलनी चाहिए। मौके पर सूर्य प्रताप, अमन राय और किशन सोनी सहित अन्य कार्यकर्ता मौजूद थे।

ग्रीन सिटी में बजरंगबली और शिव प्रतिमा की प्राण प्रतिष्ठा

भागलपुर| ग्रीन सिटी कॉलोनी में बुधवार को को बजरंगबली की प्रतिमा का भव्य प्राण प्रतिष्ठा समारोह आयोजित होगा। इसे लेकर पूरे क्षेत्र में धार्मिक उत्साह का माहौल है। मंगलवार को को भव्य कलश यात्रा निकाली गई, जिसमें दर्जनों महिलाओं ने भाग लेकर आस्था का परिचय दिया। सुबह करीब 10:30 बजे कलश यात्रा ग्रीन सिटी कॉलोनी से बरारी पुल घाट के लिए रवाना हुई। महिलाएं सिर पर कलश लेकर ग्रीन सिटी कॉलोनी, हवाई अड्डा स्थित पेट्रोल पंप, जीरोमाइल चौक होते हुए गंगा तट पहुंचीं और वहां से गंगाजल भरकर पुनः कॉलोनी लौटीं। यात्रा का नेतृत्व सुनील कुमार मंडल ने किया। मंदिर समिति के सदस्य सुनील मंडल ने बताया, राजस्थान से प्रतिमा लाई गई है जिसमें बजरंगबली और शिवलिंग है।

दस्तावेजों की कमी नहीं बनेगी बाधा, हर हाल में होगा नामांकन

भागलपुर। नए शैक्षणिक सत्र 2026-27 में सरकारी स्कूलों में नामांकन को लेकर शिक्षा विभाग ने बड़ा फैसला लिया है। अब किसी भी छात्र-छात्रा का दाखिला आधार, अपार आईडी, पैन नंबर या अन्य दस्तावेजों की कमी के कारण नहीं रोका जाएगा। विभाग ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि सभी पात्र बच्चों का नामांकन हर हाल में सुनिश्चित किया जाए। शिक्षा विभाग और बिहार शिक्षा परियोजना परिषद की ओर से जारी दिशा-निर्देश में कहा गया है कि कई बार तकनीकी कारणों या कागजी प्रक्रिया के चलते बच्चों का नामांकन रुक जाता है, जो उनके शिक्षा के अधिकार के विपरीत है। इसे ध्यान में रखते हुए यह निर्णय लिया गया है कि पहले नामांकन किया जाए, बाद में आवश्यक दस्तावेजों की प्रक्रिया पूरी कराई जाए। निर्देश में यह भी स्पष्ट किया गया है कि यदि कोई विद्यालय या प्रधानाध्यापक दस्तावेजों की कमी का हवाला देकर किसी छात्र को प्रवेश देने से मना करता है, तो इसे आदेश की अवहेलना माना जाएगा। ऐसे मामलों में संबंधित प्रधानाध्यापक के खिलाफ सख्त अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

इंटर कंपार्टमेंटल परीक्षा 2 से, सुरक्षा के कड़े इंतजाम

भागलपुर| जिले के पांच केंद्रों पर 2 मई से इंटरमीडिएट कंपार्टमेंटल सह विशेष परीक्षा शुरू होगी। कदाचारमुक्त परीक्षा संपन्न कराने को लेकर प्रशासन ने केंद्रों के 100 मीटर दायरे में निषेधाज्ञा लागू कर दी है। 11 मई तक चलने वाली यह परीक्षा दो पालियों में होगी। पहली पाली सुबह 9:30 और दूसरी दोपहर 2:00 बजे से शुरू होगी।

बेटे की गला काटकर हत्या करने वाले पिता को उम्रकैद

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बेगूसराय। बेगूसराय के तेघड़ा थाना क्षेत्र के पिढ़ौली गांव में 9 जून 2019 को आलोक कुमार उर्फ सचिन कुमार की हत्या हुई थी। इस मामले में कोर्ट ने उसके पिता सुधीर सिंह को मां की गवाही के आधार पर आजीवन कारावास की सजा सुनाई गई है। जिला जज ऋषिकांत ने धारा 302 में दोषी पाकर आजीवन कारावास के साथ 15 हजार जुर्माना की सजा सुनाई है। मृतक की पत्नी ने भी कोर्ट में कहा कि ससुर ही उसके पति का हत्यारा है।

अब जानिए क्या है पूरा मामला: मृतक की पत्नी आभा कुमारी ने बताया कि हमारे दो बच्चे प्रियांशी और रिसव हुए थे। पूरा परिवार खुशी से रह रहा था। लेकिन जमीन बेचने से रोकने पर ससुर ने ही मेरे पति की घास काटने वाले कचिया हंसुआ से गला काटकर हत्या कर दी और सबके सामने घर से भाग गए। काफी कोशिश के बाद 20 जून 2019 को उन्हें पुलिस ने गिरफ्तार किया। आज हमें न्याय मिल गया है। लोक अभियोजक संतोष कुमार ने बताया कि जज ऋषिकांत की कोर्ट

आलोक कुमार
मृतक

में सत्र वाद संख्या- 371/21 में आज सजा सुनाई गई है। जिसमें सुधीर कुमार पर आरोप था कि इन्होंने अपने ही बेटे आलोक कुमार उर्फ सचिन कुमार की 9 जून 2019 को 7 बजे शाम में गला काटकर हत्या कर दी। केस मृतक की पत्नी आभा कुमारी ने किया था। उनका कहना था कि ससुर सुधीर कुमार ताड़ी-दारू पीते थे और पीकर के जमीन बेचते थे। इस बात पर उनके परिवार के लोगों ने मना किया और खरीददार को भी जाकर कहा कि आप यह जमीन इनसे मत लिखाइए। 9 जून को आलोक कुमार उर्फ सचिन भूंजा खा रहा था। इसी दौरान सुधीर कुमार ने गला काटकर हत्या कर दी।

मां बोली- पति ने मेरे बेटे की हत्या कर दी: सबसे आश्चर्यजनक बात यह रही कि इस हत्या के मामले में मृतक की मां गवाह संख्या-एक नूतन देवी ने भी सबूत दिया और अपने पति पर आरोप लगाया कि मेरे पति ने ही हत्या की है। मृतक की पत्नी आभा कुमारी ने भी कहा कि आरोपी ने ही अपने बेटे की गला काटकर हत्या कर दी। मृतक के सगे भाई और पड़ोसी ने भी आरोप लगाया कि सुधीर ने ही अपने बेटे की हत्या की है। कोई भी आदमी मुकदमे में फंसता है, तो देखते हैं उसके परिवार के लोग उसको बचाने के लिए पूरी शक्ति लगा देते हैं। यहां देखा गया कि इस केस में आरोपी की पत्नी ने भी उसी के खिलाफ गवाही देकर कहा कि हां इन्होंने ही हत्या की है और मेरे कोख सूनी कर दी।

लोक अदालत के जरिए पत्नी को मिलेगा मुआवजा: सभी गवाहों के बयान और सबूत के आधार पर कोर्ट ने धारा-302 में आजीवन कारावास की सजा दी। 15 हजार अर्थदंड भी दिया गया, अर्थदंड नहीं देने पर तीन महीने का अतिरिक्त कारावास रहेगा।

सड़क किनारे मिला युवक का शव

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

अररिया। अररिया के भरगामा थाना क्षेत्र में बुधवार सुबह एक अज्ञात व्यक्ति का शव सड़क किनारे मिला। भरगामा बाजार से सुपौल के गोविंदपुर जाने वाली सड़क पर, पैकपार वार्ड संख्या 5 स्थित पूनम मेरी वेयरहाउस के पास गार्ड रूम के समीप ग्रामीणों ने शव देखा। शव का चेहरा पूरी तरह कुचला हुआ था, जिससे उसकी पहचान करना मुश्किल हो गया है।

साक्ष्य मिटाने के लिए शव को फेंका: प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, मृतक के दाएं पैर की जांघ की हड्डी भी टूटी हुई पाई गई। स्थानीय लोगों में यह अनुमान लगाया जा रहा है कि यह हत्या का मामला हो सकता है, जहां साक्ष्य मिटाने के लिए शव को यहां फेंका गया है। हालांकि, कुछ लोग इसे सड़क दुर्घटना भी मान रहे हैं। घटना का वास्तविक कारण अभी स्पष्ट नहीं हो सका है।

घटनास्थल का दौरा, छानबीन शुरू: घटना की सूचना मिलते ही भरगामा थानाध्यक्ष राजेश कुमार, एसआई गुड्डू कुमार और सशस्त्र बल के जवान मौके पर पहुंचे। एफएसएल की टीम ने भी घटनास्थल पर पहुंचकर आवश्यक साक्ष्य एकत्र किए। फारबिसगंज अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी मुकेश कुमार साह ने भी घटनास्थल का दौरा किया और विभिन्न पहलुओं पर छानबीन शुरू कर दी है।

मोबाइल लोकेशन और लोगों से पूछताछ जारी: थानाध्यक्ष राजेश कुमार ने बताया कि पुलिस सभी संभावनाओं को ध्यान में रखते हुए गहन जांच कर रही है। शव की पहचान के प्रयास जारी हैं और जल्द ही मामले का खुलासा कर लिया जाएगा।

शादी में डीजे डांस, देसी कट्टा लहराया

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बांका। बांका जिले के रजौन थाना क्षेत्र के नया डीह गांव में एक शादी समारोह के दौरान डीजे पर डांस करते हुए छह युवकों द्वारा देसी कट्टा लहराने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। हालांकि इस वायरल वीडियो की पुष्टि दैनिक भास्कर नहीं करती है। मामले की जानकारी मिलते ही पुलिस हरकत में आई और नया डीह गांव पहुंचकर जांच-पड़ताल शुरू कर दी है। पुलिस वीडियो के आधार पर युवकों की पहचान करने में जुटी हुई है। पुलिस की इस कार्रवाई को देखकर हथियार लहराते डांस करने वाले युवकों में हड़कंप मच गया है। बताया जा रहा है हथियार के साथ वीडियो वायरल होने के बाद सभी युवक गांव छोड़कर फरार हो गया है।

छह युवक अचानक डीजे के पास जाकर डांस करने लगे: जानकारी के अनुसार, गांव में एक बारात आई हुई थी, जहां डीजे पर भोजपुरी गाने बज रहे थे। इसी दौरान गांव के छह युवक अचानक डीजे के पास जाकर डांस करने लगे। डांस के बीच एक युवक ने कमर से देसी कट्टा निकालकर उसे हवा में लहराते हुए प्रदर्शन करना शुरू कर दिया। इस पूरी घटना का किसी ने वीडियो बना लिया, जो अब सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है।

युवकों में कानून का कोई भय नजर नहीं आ रहा: हथियार के साथ इस तरह सार्वजनिक प्रदर्शन करना कानूनन अपराध है, इसके बावजूद युवकों में कानून का कोई भय नजर नहीं आ रहा है। खुलेआम कैमरे के सामने हथियार लहराने की घटना गंभीर चिंता का विषय बन गई है।वरीय अधिकारियों को सूचना मिलते ही संबंधित थाना पुलिस को जांच कर आवश्यक कार्रवाई करने का निर्देश दिया गया है। एसडीपीओ इंद्रजीत बैठा ने बताया कि जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

इंजेक्शन लगने के बाद 10वीं के छात्र की मौत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बांका। बांका में मंगलवार की रात निजी क्लीनिक में इंजेक्शन लगने के कुछ देर बाद किशोर की मौत हो गई। परिजन ने डॉक्टर अजमत अंसारी पर लापरवाही का आरोप लगाते हुए शव के साथ देवघर-सुजानगंज मुख्य सड़क जाम कर दिया। सूचना मिलने पर जिलेबियामोड़ थानाध्यक्ष राजू कुमार ठाकुर और पंचायत मुखिया रामानंद पंडित मौके पर पहुंचे। उन्होंने आक्रोशित परिजनों और ग्रामीणों को समझाने का प्रयास किया, लेकिन वे दोषी चिकित्सक को 24 घंटे के भीतर गिरफ्तार कर जेल भेजने की मांग पर अड़े रहे। करीब दो घंटे बाद अपेक्षित कार्रवाई के आश्वासन पर जाम हटाया गया। मृतक की पहचान महेशा गांव निवासी रामरतन राणा के बेटे अमन कुमार उर्फ संतोष कुमार (14) के रूप में हुई है।

इंजेक्शन लगाते ही उल्टी करने लगा बच्चा: ग्रामीणों ने बताया कि अमन को गले में खराश और दर्द था। उसे डॉ. अजमत अंसारी के क्लीनिक ले जाया गया। इंजेक्शन लगाते ही बच्चा उल्टी करने लगा और बेहोश हो गया। परिजन ने तुरंत बच्चे को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र बेलहर पहुंचाया। वहां के चिकित्सक ने निजी डॉक्टर द्वारा लगाए गए इंजेक्शन के बारे में पूछा। परिजनों ने डॉ. अजमत अंसारी को फोन करने की कई बार कोशिश की, लेकिन उन्होंने फोन नहीं उठाया। इसी दौरान बच्चे की मौत हो गई। बच्चे की मौत के बाद घर वालों का बुरा हाल था। पिता रामरतन राणा, माता सावित्री देवी और 10 वर्षीय बहन अन्नु कुमारी सहित सभी परिजन गहरे सदमे में थे। मृतक अमन के पिता रामरतन राणा गांव में ग्रिल गेट बनाने की दुकान चलाते हैं। अमन उनका इकलौता बेटा था और दसवीं कक्षा में पढ़ता था। ग्रामीणों ने बताया कि गांव में गांवाली पूजा था, जिसको लेकर सभी घरों में काफी उत्साह का माहौल था। थानाध्यक्ष राजू कुमार ठाकुर ने बताया कि परिजनों को समझाने-बुझाने और आश्वासन के बाद जमा हटाया।

नगर परिषद कर्मियों की पेन डाउन स्ट्राइक

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

मुंगेर। भागलपुर के सुल्तानगंज नगर परिषद कार्यालय में कार्यपालक पदाधिकारी कृष्णा भूषण की गोली मारकर हत्या के विरोध में मुंगेर के हवेली खड़गपुर नगर परिषद के कर्मचारियों ने बुधवार को आक्रोश व्यक्त किया। कर्मियों ने काला बिल्ला लगाकर विरोध प्रदर्शन किया और एक दिवसीय पेन डाउन स्ट्राइक की।

प्रशासनिक कार्य दिनभर के लिए स्थगित: नगर परिषद परिसर में कर्मचारियों ने शांतिपूर्ण तरीके से विरोध प्रदर्शन करते हुए मृत अधिकारी को श्रद्धांजलि दी। उन्होंने इस घटना की कड़ी निंदा की। विरोध प्रदर्शन के बावजूद, जलापूर्ति और साफ-सफाई जैसी आवश्यक सेवाएं जारी रखी गईं। हालांकि, अन्य सभी प्रशासनिक कार्यों को दिनभर के लिए स्थगित कर दिया गया था। कर्मचारियों ने कहा कि कार्यालय परिसर में घुसकर इस तरह की वारदात को अंजाम देना बेहद चिंताजनक है। इस घटना से निकाय कर्मियों के बीच भय और असुरक्षा का माहौल बन गया है।

सरकारी कार्यालयों में सुरक्षा व्यवस्था की कमी: प्रधान लिपिक शिव कुमार ने सरकारी कार्यालयों में सुरक्षा व्यवस्था की गंभीर कमी पर चिंता व्यक्त की। उन्होंने कहा कि यदि अपराधी खुलेआम कार्यालय में घुसकर अधिकारी की हत्या कर सकते हैं, तो यह पूरे प्रशासनिक तंत्र के लिए खतरे की घंटी है। उन्होंने राज्य सरकार से नगर निकाय कार्यालयों में सुरक्षा बढ़ाने, सीसीटीवी व्यवस्था मजबूत करने और कर्मियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की।

प्रदेशभर के नगर निकाय कर्मियों में गहरा रोष: गौरतलब है कि सुल्तानगंज नगर परिषद कार्यालय में अपराधियों ने कार्यपालक पदाधिकारी कृष्णा भूषण पर गोली चलाई थी, जिससे उनकी मौत हो गई थी।

इस घटना में चेयरमैन राज कुमार गुड्डू भी गंभीर रूप से घायल हो गए थे। इस वारदात के बाद प्रदेशभर के नगर निकाय कर्मियों में गहरा रोष है। कर्मचारियों ने बताया कि सुल्तानगंज की घटना ने पूरे प्रदेश के नगर निकाय कर्मियों को झकझोर दिया है। उन्होंने दोषियों की जल्द गिरफ्तारी और कठोर कार्रवाई होने तक विरोध जारी रखने की बात कही।

सड़क हादसे में दूल्हे के चचेरे भाई की मौत

बेगूसराय। बेगूसराय में सड़क हादसे में युवक की मौत हो गई। युवक खगड़िया से बारात में शामिल होने के लिए मुंगेर जा रहा था। मृतक खगड़िया के रहीमपुर निवासी राजकुमार मंडल का बेटा अजय कुमार (23) है। बताया जा रहा कि रहीमपुर कारु मंडल टोला निवासी विनय कुमार की शादी मुंगेर के नौवागढ़ में होने वाली थी। सभी बाराती गाड़ी से गे, जबकि का दूल्हे का चचेरा भाई अजय कुमार मंडल और सुजीत कुमार मंडल बाइक से जा रहा था। इसी दौरान रॉन्ग साइड से तेज रफ्तार ट्रक ने टक्कर मार दी। हादसे में दोनों बेहोश हो गए। साहेबपुर कमाल थाना की पुलिस ने दोनों को पीएससी पहुंचाया। जहां डॉक्टर ने अजय कुमार मंडल को मृत घोषित कर दिया। जबकि संजीत का इलाज चल रहा है। घटना एनएच-333B साहेबपुर कमाल थाना की है। हीराटोल से 1 किमी आगे हादसा: लाश का पोस्टमॉर्टम आज सदर अस्पताल में कराया गया।

पूर्व मध्य रेल

ई-निविदा सूचना

ई–निविदा नोटिस सं0–07 ऑफ 2026–27/खुला/इंजीनियरिंग, डीडीयू।

मंडल रेल प्रबन्धक/इंजीनियरिंग/डी.डी.यू. एवं भारत के राष्ट्रपति के लिये एवं उनकी ओर से अनुभवी तथा वित्तीय एवं तकनीकी दृष्टि से सम्पन्न ठेकेदारों के साथ–साथ उन ठेकेदारों से जो रेलवे, केन्द्रीय लोक निर्माण विभाग, भारत संचार निगम लिमिटेड, मिलिटरी इंजीनियर सर्विस, लोक निर्माण विभाग तथा अन्य सार्वजनिक उपक्रमों में सूचीबद्ध हैं, निम्नलिखित कार्यों के लिए ऑनलाईन (ई–निविदा) आमंत्रित की जाती है।

निविदा सं.–01–डीडीयू–मं.इंजी.–मुख्यालय–26–27, (i) कार्य का नाम एवं लोकेशन : सहायक मंडल इंजीनियर/मुख्यालय/डीडीयू के अधीन डीडीयू में रनिंग रूम 555 एवं 556, रनिंग रूम 17, टीटीई रनिंग रूम, डी केबिन, ईस्ट रिसीविंग केबिन, ईस्ट आउटर केबिन, यूपी प्रस्थान यार्ड, डीआरएम कार्यालय, अस्पताल, रेस्ट हाउस, सी एण्ड टी बैरक, ईटीटीसी हॉस्टल, स्टेशन, साइकिल स्टैंड और छोटे पंप हाउस में नए ट्यूबवेल के लिए बोरिंग का प्रावधान। **(ii) कार्य की अनुमानित लागत :** ₹ 10090560.59 **(iii) धरोहर राशि :** ₹ 201800.00 **(iv) ई–निविदा बंद होने की तिथि एवं समय :** 19.05.2026 को 12:00 बजे तक **(v) वेबसाईट पर ई–निविदा की विस्तृत जानकारी : www.ireps.gov.in नोट:–** विवाद की स्थिति में अंग्रेजी पाठ मान्य होगा।

मंडल रेल प्रबन्धक,
पूर्व मध्य रेल, पं0 दीन दयाल उपाध्याय मंडल
पीआर/0137/डीडीयू/इंजी./टी/26–27/40

समाहरणालय, औरंगाबाद
(जिला जनगणना कोषांग)
अति–अल्पकालीन निविदा सूचना
बिहार सरकार

आगामी जनगणना–2027 के लिए औरंगाबाद जिला में मई 2026 से जून 2026 की अवधि के लिए 21 (इक्कीस) तकनीकी सहायकों और 01 (एक) एमटीएस की आपूर्ति हेतु अनुभवी एवं इच्छुक पंजीकृत आउटसोसिंग एजेंसियों/फर्मों से निर्धारित प्रारूप में मुहरबंद निविदा आमंत्रित की जाती है। आवश्यक मानवबल (Manpower) का विवरण एवं मानदेय इस प्रकार है :–

क्र०	प्रशासनिक इकाई	कर्मियों की आवश्यकता (जून 2027 तक)	प्रतिमाह निर्धारित मानदेय (अधिकतम)
1	जिला स्तर	02 तकनीकी सहायक (Technical Assistant)	25000.00 प्रति कर्मी
2	जिला स्तर	01 एमटीएस (Multi Tasking Staff)	18000.00 प्रति कर्मी
3	ग्रामीण/शहरी चार्ज स्तर	19 तकनीकी सहायक (Technical Assistant)	25000.00 प्रति कर्मी

निविदा के संबंध में विस्तृत जानकारी हेतु किसी भी कार्य दिवस को कार्यालय अवधि में जिला जनगणना कोषांग, औरंगाबाद से संपर्क किया जा सकता है। निविदा की शर्तें, निविदा जमा करने की अंतिम तिथि से एक दिन पूर्व तक 200/– (दो सौ) रूपये का नाजिर रसीद नजारत शाखा, औरंगाबाद से कटाकर जिला जनगणना कोषांग, औरंगाबाद से प्राप्त किया जा सकता है यह राशि वापस नही होगी। यदि कोई व्यक्ति एक से अधिक निविदा प्रपत्र लेना चाहेगें तो अलग–अलग नाजिर रसीद कटानी होगा। निविदा देने की अंतिम तिथि एवं समय **दिनांक– 06.05.2026 को 3:00 PM** बजे तक निर्धारित है। निविदा जिला पदाधिकारी–सह–प्रधान जनगणना अधिकारी, औरंगाबाद के पदनाम से मुहरबंद लिफाफे में जिला जनगणना कोषांग, औरंगाबाद में निर्धारित तिथि एवं समय तक जमा करनी होगी। निविदादाता द्वारा तकनीकी/सामान्य एवं वित्तीय निविदा अलग–अलग मुहरबंद लिफाफे में समर्पित करनी होगी।

निविदा दिनांक– 06.05.2026 को 3:30 PM बजे, औरंगाबाद, समाहरणालय स्थित अपर समाहर्त्ता, औरंगाबाद के कार्यालय प्रकोष्ट में जिला क्रय समिति के समक्ष खोली जायेगी। सर्वप्रथम तकनीकी/सामान्य निविदा के मुहरबंद लिफाफे खोले जाएगे तथा सक्षम पाये गये फर्मों का ही वित्तीय निविदा खोला जाएगा। जिला क्रय समिति के समक्ष निविदादाता स्वयं या उनके प्राधिकृत प्रतिनिधि मूल कागजातों के साथ उपस्थित रह सकते है। निर्धारित तिथि को निविदा का निष्पादन नही होने की स्थिति में निविदा निष्पादन की अगली तिथि जिला क्रय समिति द्वारा निर्धारित की जाएगी।

निविदा संबंधित विस्तृत जानकारी औरंगाबाद जिला के वेवसाईट www.aurangabad.nic.in एवं सूचना एवं जन–सम्पर्क विभाग, बिहार, पटना के वेबसाईट http://state.bihar.in/prdbihar पर देखी जा सकती है।

जिला पदाधिकारी–सह–
प्रधान जनगणना अधिकारी, औरंगाबाद

PR- 002144 (District) 2026-27

नशे से बचने का है एक ही उपचार, दृढ़ संकल्प और परिवार से प्यार।

पुलिस अधीक्षक का कार्यालय, गढ़वा

आवश्यक सूचना
(लापता नितेश कुमार उर्फ छोटू, उम्र– 23 वर्ष)

डंडई थाना सनहा संख्या–13/26 दिनांक–21.04.2026 में लापता नितेश कुमार उर्फ छोटू उम्र–23 वर्ष, पिता–लल्लु राम, सा0+थाना–डंडई, जिला–गढ़वा, राज्य–झारखण्ड के रहने वाले है। जो दिनांक–19.04.2026 अपने घर से गढ़वा रिश्तेदारी में गया था, परन्तु वहॉ भी नहीं पहुॅचा है। तथा उसका दिमागी संतुलन ठीक नहीं चल रहा है। तथा अबतक घर वापस नहीं आया है। उक्त लापता नितेश कुमार उर्फ छोटू का काफी खोजबीन किया गया, परन्तु अबतक पता नहीं चल सका है। अतः आम जनता से अनुरोध है कि उक्त लापता लड़का कहीं दिखे या इनके कहीं होने के बारे में किसी व्यक्ति को किसी प्रकार की लाभप्रद सूचना प्राप्त हो तो कृपया पुलिस उपाधीक्षक (मुख्यालय), गढ़वा के मो0नं0–9431706284 या पुलिस अधीक्षक, गढ़वा के मो0नं0–9431706281 पर सूचित करने की कृपा करें।

लापता का विवरण/हुलिया :–
नाम–नितेश कुमार उर्फ छोटू, उम्र–23 वर्ष रंग–सांवला, कद–05 फीट, बाल–घना,कालाबनावट–दुबला–पतला, बोली–लड़खड़ाते हुए बोलना, पहनावा–कत्थ रंग का पैन्ट एवं काला रंग का शर्ट।

PR 378735 (Police)26-27*D

निवेदक,
पुलिस अधीक्षक,गढ़वा

मठिला नहर में अज्ञात युवक का मिला शव, इलाके में हड़कंप

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

- बक्सर में हत्या कर एक दिन पहले बॉडी फेंकने की आशंका, जांच में जुटी एफएसएल की टीम

बक्सर। बक्सर में बुधवार सुबह अज्ञात युवक का शव नहर पईन से बरामद हुआ। खेत की ओर जा रहे ग्रामीणों ने पानी में शव देखा, जिसके बाद इलाके में हड़कंप मच गया। देखते ही देखते मौके पर भारी भीड़ जमा हो गई और तत्काल स्थानीय पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलते ही कोरानसराय थाना पुलिस टीम घटनास्थल पर पहुंची। ग्रामीणों की मदद से शव को पानी से बाहर निकाला गया। घटना कोरानसराय थाना क्षेत्र के मठिला गांव स्थित बधार इलाके की है। मृतक की उम्र लगभग 35 से 40 वर्ष बताई जा रही है। शव पर लाल टी-शर्ट और काले रंग का लोवर पैंट था। पुलिस का अनुमान है कि युवक स्थानीय निवासी नहीं हो सकता है। पुलिस के अनुसार, प्रथम दृष्टया शव लगभग एक दिन पुराना लग रहा है। हालांकि, मौत के वास्तविक कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो पाएगा।

FSL की टीम ने घटनास्थल से जुटाया साक्ष्यः घटना की गंभीरता को देखते हुए फॉरेंसिक साइंस लैब (एफएसएल) की टीम को भी मौके पर बुलाया गया। एफएसएल टीम ने घटनास्थल से महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं, जो मामले की गुत्थी सुलझाने में सहायक हो सकते हैं। पुलिस इस मामले की हर एंगल से जांच कर रही है। यह पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है कि युवक की मौत दुर्घटनावश हुई है या इसके पीछे कोई आपराधिक साजिश है।

शव की पहचान करने में जुटी पुलिसः कोरानसराय थानाध्यक्ष प्रमोद कुमार ने बताया कि शव की पहचान के लिए आसपास के सभी थाना क्षेत्रों को सूचना भेजी गई है। साथ ही, गुमशुदगी के मामलों का भी मिलान किया जा रहा है ताकि मृतक की पहचान जल्द से जल्द हो सके। फिलहाल शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया गया है और रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। पुलिस का कहना है कि जैसे ही युवक की पहचान होगी, मामले में आगे की कानूनी कार्रवाई तेज कर दी जाएगी। इस घटना के बाद पूरे इलाके में भय और दहशत का माहौल बना हुआ है, वहीं लोग जल्द से जल्द मामले के खुलासे की मांग कर रहे हैं।

अभाविप ने शैक्षिक समस्याओं से सांसद को कराया अवगत

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। अखिल भारतीय विद्यार्थी परिषद, बक्सर इकाई ने महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय की शैक्षिक समस्याओं को लेकर सांसद सुधाकर सिंह को मांगपत्र सौंपा। मांगपत्र में जिले के छात्रों की लंबे समय से चली आ रही मूलभूत शैक्षणिक आवश्यकताओं और सुविधाओं के विकास की मांग की गई। मांगपत्र में महाविद्यालय में अत्याधुनिक सुविधाओं के विस्तार, नए भवन निर्माण, पुस्तकालय, कैंटीन तथा रानी घाट के पुनर्निर्माण सहित महिला महाविद्यालय की स्थापना जैसे महत्वपूर्ण मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया है। मौके पर विद्यार्थी परिषद के जिला संयोजक अविनाश पाण्डेय ने कहा कि बक्सर ऐतिहासिक और सांस्कृतिक दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण रहा है, लेकिन शिक्षा के क्षेत्र में यहां के विद्यार्थी आज भी बुनियादी सुविधाओं से वंचित हैं। उन्होंने कहा कि महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय में आधुनिक 'G+5' भवन का निर्माण अत्यंत आवश्यक है, ताकि व्यावसायिक पाठ्यक्रम और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जैसे आधुनिक विषयों की पढ़ाई सुचारू रूप से शुरू हो सके। इसके साथ ही पुस्तकालय, वाचनालय और अन्य सुविधाओं का विस्तार छात्रों के समग्र विकास के लिए जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

वीकेएसयू के पीजी भौतिकी विभाग में हुआ संगोष्ठी

आरा। वीर कुंवर सिंह विश्वविद्यालय के पीजी भौतिकी विभाग में उच्च-तापमान अतिचालक विषय पर एक महत्वपूर्ण संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस अवसर पर शोधार्थी निशांत कुमार ने "भौतिक गुणों पर आधारित उच्च-तापमान अतिचालक का निर्णायक अध्ययन" विषय पर विस्तृत प्रस्तुति दी। उन्होंने अपने शोध में बताया कि उच्च-तापमान अतिचालक, विशेषकर क्यूप्रेट्स और आयरन-आधारित यौगिक, तरल नाइट्रोजन के तापमान (77 केल्विन) से ऊपर भी शून्य प्रतिरोधकता प्रदर्शित करते हैं, जो इन्हें पारंपरिक अतिचालकों की तुलना में अधिक उपयोगी बनाता है। निशांत कुमार ने इन सामग्रियों की लेयर्ड क्रिस्टल संरचना, उच्च क्रिटिकल चुंबकीय क्षेत्र, मेसनर प्रभाव तथा मजबूत इलेक्ट्रॉनिक सहसंबंधों पर गहन चर्चा की।

मानवाधिकार संगठन में भोजपुर जिला अध्यक्ष बने राजेश्वर सिंह

आरा। राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के भोजपुर जिला अध्यक्ष राजेश्वर सिंह को मानवाधिकार, नई दिल्ली की ओर से भोजपुर जिला का जिला अध्यक्ष नियुक्त किया गया है। उनकी इस नई जिम्मेदारी को लेकर क्षेत्र में खुशी है। इस अवसर पर रालोजपा के अति पिछड़ा प्रकोष्ठ के जिला अध्यक्ष विजय कुमार चौहान सहित पार्टी के कई नेताओं और कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है। हर्ष व्यक्त करने वालों में सुबोध सिंह, सुरेंद्र पासवान, श्याम कुमार मिश्र, हरे कृष्ण पासवान, अशोक सिंह, विकास कुमार, वीरेंद्र पाठक, शिवजी पासवान, श्याम कुमार मन्नू, पूर्व प्रमुख ललन सिंह, विकेश प्रताप सिंह, रंजीत कुमार, बम पासवान समेत अन्य शामिल है। सभी ने उम्मीद जताई कि राजेश्वर सिंह अपने नए दायित्व का सफलतापूर्वक निर्वहन करते हुए मानवाधिकारों की रक्षा और समाज के वंचित वर्गों के उत्थान के लिए सक्रिय भूमिका निभाएंगे। राष्ट्रीय मानवाधिकार आयोग, भारत की स्वायत्त संस्था है।

डीडीसी ने की कन्या रत्न सम्मान अभियान की प्रगति की समीक्षा

आरा। उप विकास आयुक्त गुंजन सिंह की अध्यक्षता में मंगलशार को कन्या रत्न सम्मान अभियान की प्रगति की समीक्षा बैठक की गयी। बैठक के दौरान उप विकास आयुक्त ने संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। जिला परियोजना प्रबंधक, महिला व बाल विकास निगम को निर्देशित किया गया कि नवजात बच्चियों के परिवारों की जानकारी व योजनाओं से आच्छादन की स्थिति से संबंधित प्रपत्र अविलंब सिविल सर्जन कार्यालय को उपलब्ध कराना सुनिश्चित करें। स्वास्थ्य विभाग के पदाधिकारियों को निर्देश दिया गया कि उक्त प्रपत्रों को सभी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रों व सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों तक सुलभ कराते हुए नवजात बच्चियों के परिजनों से विधिवत भरवाया जाए और उसकी एक-एक प्रति संबंधित प्रखंड विकास पदाधिकारी व बाल विकास परियोजना पदाधिकारी को उपलब्ध करायी जाए। इसके अतिरिक्त सभी 25 योजनाओं की संक्षिप्त जानकारी बैनर तैयार कर स्वास्थ्य केन्द्रों पर प्रदर्शित कराने का निर्देश दिया गया। ताकि योजनाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार हो सके व पात्र लाभुकों को लाभ मिल सके। योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन व अधिकतम आच्छादन सुनिश्चित करने पर जोर : बैठक में यह भी निर्देशित किया गया कि महिला व बाल विकास निगम और आईसीडीएस विभाग आपसी समन्वय स्थापित करते हुए सभी संबंधित विभागों के जिला स्तरीय पदाधिकारियों के साथ बैठक आयोजित करें, जिससे योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन व अधिकतम आच्छादन सुनिश्चित किया जा सके। बैठक में जिला परियोजना प्रबंधक (डीपीएम), महिला व बाल विकास निगम, जिला कार्यक्रम पदाधिकारी (डीपीओ), आईसीडीएस समेत स्वास्थ्य, शिक्षा, डीआरसीसी व श्रम विभाग के पदाधिकारी मौजूद रहे।

आज से मोती टोला में यज्ञ का होगा शुभारम्भ

आरा। शहर के मोती टोला रौजा वार्ड संख्या-28 में श्री ग्राम देवी तथा शिव परिवार अचल प्राण प्रतिष्ठात्मक यज्ञ का आयोजन आज 29 अप्रैल से शुरू होगा। आयोजन को लेकर पूरे क्षेत्र में उत्साह का माहौल है। यज्ञ समिति के अध्यक्ष अवधेश यादव ने बताया कि बुधवार को भव्य जल यात्रा के साथ कार्यक्रम की शुरुआत होगी। इस दिन पंचांग पूजन, मंडप प्रवेश और जलाधिवास की विधि संपन्न कराई जाएगी। गुरूवार को मंडप पूजन, अन्नाधिवास, घृताधिवास, स्वप्न न्यास, नगर परिक्रमा, अग्नि मंथन एवं धराधिवास जैसे धार्मिक अनुष्ठान होंगे। उन्होंने बताया कि शुक्रवार को मंडप पूजन, अचल प्राण प्रतिष्ठा, पूर्णाहुति एवं भव्य भंडारा का आयोजन किया जाएगा, जिसमें बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं के शामिल होने की उम्मीद है। यज्ञ को लेकर नवनिर्मित मंदिर को आकर्षक ढंग से सजाया गया है और रोशनी की विशेष व्यवस्था की गई है। कार्यक्रम को सफल बनाने में उपाध्यक्ष रमेश यादव, सुशील श्रीवास्तव, कोषाध्यक्ष रामवृक्ष शर्मा समेत मोहल्ले के सभी लोग सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं।

जिलास्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों ने दिया प्रथम प्रशिक्षण

आरा। समाहरणालय सभागार, आरा में मंगलवार को बिहार विधान परिषद के भोजपुर सह बक्सर स्थानीय प्राधिकारी उप निर्वाचन 2026 के निमित्त मतदान कार्मिकों, पीठासीन पदाधिकारी व मतदान पदाधिकारी (प्रथम, द्वितीय व तृतीय) को जिला स्तरीय मास्टर प्रशिक्षकों ने प्रथम प्रशिक्षण प्रदान किया। प्रशिक्षण के दौरान निर्वाची पदाधिकारी सह जिला पदाधिकारी तनय सुल्तानिया ने सभी मतदान कार्मिकों को निर्वाचन आयोग द्वारा प्राप्त निर्देशों का अक्षरशः अनुपालन करने के लिए निर्देशित किया। साथ ही उन्हें मतपेटिका के सही उपयोग और विभिन्न प्रपत्रों को सावधानीपूर्वक व त्रुटिरहित ढंग से भरने के संबंध में विस्तृत जानकारी दी गयी। इस मौके पर वरीय व नोडल पदाधिकारी (प्रशिक्षण कोषांग), उप निर्वाचन पदाधिकारी, प्रशिक्षण कोषांग के जिला स्तरीय मास्टर प्रशिक्षक व अन्य संबंधित कर्मी मौजूद रहे।

एसपी ने किया इआरएसएस कंट्रोल रूम का निरीक्षण

बक्सर। एसपी शुभम आर्य ने ईआरएसएस (इमरजेंसी रिस्पॉन्स स्पोर्ट सिस्टम) कार्यालय एवं कंट्रोल रूम, बक्सर का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने कंट्रोल रूम की कार्यप्रणाली, प्राप्त इमरजेंसी कॉल्स की मॉनिटरिंग, रिस्पॉन्स टाइम और तकनीकी व्यवस्थाओं का गहनता से जायजा लिया। निरीक्षण के क्रम में एसपी ने मौजूद पदाधिकारियों एवं कर्मियों को आवश्यक दिशा-निर्देश देते हुए कहा कि आम नागरिकों की इमरजेंसी कॉल्स पर त्वरित एवं प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित की जाए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी और हर कॉल को गंभीरता से लेते हुए समय पर रिस्पॉन्स देना अनिवार्य है। उन्होंने कॉल हैंडलिंग के दौरान संवेदनशीलता और पेशेवर रवैया बनाए रखने पर विशेष जोर देते हुए कहा कि पीड़ित व्यक्ति को भरोसा दिलाना पुलिस की प्राथमिक जिम्मेदारी है। इसके अलावा एसपी ने कंट्रोल रूम में साफ-सफाई, अनुशासन एवं ड्यूटी में तत्परता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कार्यक्षमता को और अधिक सुदृढ़ बनाने हेतु आवश्यक सुझाव भी दिए, ताकि आपातकालीन स्थिति में आम लोगों को बेहतर और त्वरित सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

पेट्रोल पंपों पर भीड़ को ले प्रशासन सख्त, जल्द सामान्य होगी स्थिति

बक्सर। डीएम साहिला की अध्यक्षता में मंगलवार को पेट्रोल पंपों पर बढ़ती भीड़ को लेकर वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से समीक्षा बैठक की गई। बैठक में जानकारी दी गई कि बीपीसीएल के 24 में से 10, आइओसीएल के 31 में से 8 तथा एचपीसीएल के 15 में से 2 पेट्रोल पंप फिलहाल बंद हैं। भीड़ और कम स्टॉक के कारण कई पंपों पर वितरण प्रभावित हुआ है। प्रशासन द्वारा जिन पंप संचालकों ने पुलिस बल की मांग की, वहां सुरक्षा बल तैनात कर वितरण को सुचारु बनाने का प्रयास किया गया। अनुमंडल पदाधिकारी और अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी ने इटाढ़ी रोड स्थित पंप पर पहुंचकर व्यवस्था का जायजा लिया।

माउंट लिट्रा जी विद्यालय में नैतिकता व ईमानदारी पर दो दिवसीय सेमिनार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

आरा। शहर के बामपाली स्थित माउंट लिट्रा जी विद्यालय में सीबीएसई द्वारा आयोजित 'कैपेसिटी बिल्डिंग प्रोग्राम' के अंतर्गत 25 और 26 अप्रैल 2026 को दो दिवसीय सेमिनार का सफल आयोजन किया गया। इस सेमिनार का मुख्य विषय "नैतिकता और ईमानदारी" रहा, जिसमें शिक्षकों को उनके पेशेवर दायित्वों और मूल्यों के प्रति जागरूक करने पर विशेष जोर दिया गया। सेमिनार में मुख्य रिसोर्स पर्सन के रूप में कृपाल कंचन एवं रितेश कुमार झा उपस्थित रहे। दोनों विशेषज्ञों ने अपने अनुभव और विचार साझा करते हुए शिक्षा प्रणाली में नैतिकता, पारदर्शिता और व्यावसायिक ईमानदारी के महत्व को विस्तार से समझाया। उन्होंने कहा कि एक शिक्षक केवल ज्ञान का संचारक ही नहीं, बल्कि समाज के नैतिक मूल्यों का वाहक भी होता है। कार्यक्रम का मुख्य उद्देश्य शिक्षकों को उनके नैतिक कर्तव्यों के प्रति संवेदनशील बनाना और विद्यालयों में एक आदर्श एवं सकारात्मक शिक्षण वातावरण तैयार करना था। इस दौरान विभिन्न गतिविधियों का आयोजन किया गया, जिनमें प्रतिभागियों ने बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया और अपनी शिक्षण दक्षता एवं रचनात्मकता का प्रदर्शन किया।

आदर्श नगर में मौत बनकर झुल रहा 33 हजार केवी का केबल, हटाने की मांग

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। शहर के आदर्श नगर में 33 हजार केवी केबल की चपेट में आने लोगों की मौत और हताहत होने का सिलसिला अनवरत जारी है। बिजली कंपनी की लापरवाही आम इंसान के जान पर भारी पड़ रही है। आदर्श नगर और चीनी मिल मुहल्ले में ग्यारह हजार केवी का केबल कई घरों के छतों और बालकनी से काफी नजदीक है। गलती बालकनी से हाथ निकाला या छत पर हाथ को ऊपर किया तो मौत बनकर झुल रही तार के चपेट में आना तय है। जनप्रतिनिधियों की शिकायत पर प्रशासन व बिजली कंपनी के अधिकारीः वार्ड नंबर 21 की पार्षद अंजू सिंह की मानें तो वे बिजली कंपनी द्वारा बिछाए गए 33 हजार केवी केबल को व्यवस्थित कराने की मांग को लेकर डीएम को ज्ञापन सौंपी थी। लेकिन, आज तक कोई पहल नहीं हुई। पार्षद प्रतिनिधि मिथिलेश कुमार ने कहा की इस सम्बन्ध में बिजली कंपनी के अधिकारी से कई बार इस सम्बन्ध में शिकायत की। उन्होंने बताया कि तत्कालीन डीएम अंशुल अग्रवाल से मिलकर भी इस सम्बन्ध में बिजली के 33 हजार वोल्ट तार हटाने की मांग किए थे। लेकिन अब तक कोई कार्यवाही नहीं हुई। उन्होंने नगर परिषद् चेयरमैन के समक्ष भी इस समस्या को रखा है। उन्होंने बताया की यह खतरनाक तार कलेक्ट्रेट परिसर और व्यवहार न्यायालय परिसर से भी होकर गुजरता है। उन्होंने प्रशासन से मांग किया की इस तार को जज कॉलोनी की नयी सड़क किनारे से शिफ्ट कर दिया जायेगा तो मोहल्ले के लोग चैन की नींद सो सकेंगे। पार्षद प्रतिनिधि मिथिलेश कुमार के अनुसार, जनवरी 2023 में भी कमलेश कुशवाहा का 12 वर्षीय बच्चा इसी तार की चपेट में आकर गंभीर रूप से झुलस गया था। वेद उपाध्याय की छः वर्षीय पुत्री भी गंभीर रूप से घायल हुई थी जिसका बाह काटना पड़ा था। इसके चलते आज वह अपंग होकर जीवन व्यतीत करने को विवश हो गई है। बीते 21 फरवरी को अश्वनी कुमार पांडेय के 22 वर्षीय पुत्र भी कलेक्ट्रेट तालाब के समीप 33 हजार की चपेट में आ गया था जिसका बक्सर सदर अस्पताल से रेफर कर दिया गया था जिसके पश्चात लगभग दस दिनों तक इलाज के बाद मौत हो गयी थी। इसके अलावा अशोक सिंह कुशवाहा के मकान निर्माण के दौरान राज मिस्त्री भी करंट की चपेट में आने से घायल हो गया था। अहम सवाल क्या जिम्मेदार बड़े हादसे का इंतजार कर रहे हैं? लगातार हो रही मौत और हादसे के बावजूद बिजली कंपनी के अधिकारी और प्रशासन क्यों चुप है? क्या जिम्मेदार अधिकारी किसी बड़े आंदोलन या और दर्दनाक हादसे का इंतजार कर रहे हैं? अब देखना यह है कि पिंकी देवी की मौत के बाद सिस्टम जागता है या फिर यह मामला भी फाइलों में दबकर रह जाएगा और 33 हजार केवी का यह 'मौत का तार' यूं ही लोगों की जान लेता रहेगा।

महर्षि विश्वामित्र कॉलेज में "बदलते वैश्विक परिवेश में युवा वर्ग की महत्वाकांक्षा" विषय पर संगोष्ठी

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। महर्षि विश्वामित्र महाविद्यालय, बक्सर में "बदलते वैश्विक परिवेश में युवा वर्ग की महत्वाकांक्षा" विषय पर आयोजित एक दिवसीय संगोष्ठी सह प्रतिभा सम्मान समारोह–2026 ने शिक्षा और युवा दृष्टिकोण को नई दिशा देने का काम किया। कार्यक्रम में एक ओर जहां वैश्विक प्रतिस्पर्धा के दौर में युवाओं की बदलती सोच पर गंभीर मंथन हुआ, वहीं प्रतिभावान छात्रों को सम्मानित कर उनके उत्साह को भी बढ़ाया गया। कार्यक्रम की शुरुआत महर्षि विश्वामित्र महामुनि की प्रतिमा पर पुष्पांजलि अर्पित कर की गई। इसके बाद मंचासीन अतिथियों का पुष्पगुच्छ, अंगवस्त्र और मोमेंटो देकर स्वागत किया गया। दीप प्रज्ज्वलन के साथ ज्ञान के प्रकाश का संदेश दिया गया, जिससे पूरे सभागार में सकारात्मक ऊर्जा का माहौल बना रहा। मुख्य अतिथि सुधाकर सिंह, सांसद, बक्सर लोकसभा ने अपने संबोधन में कहा कि आज का युवा बदलते वैश्विक परिवेश में अवसरों को तेजी से पहचान रहा है। उन्होंने युवाओं को केवल नौकरी तक सीमित न रहकर नवाचार, उद्यमिता और सामाजिक नेतृत्व की दिशा में आगे बढ़ने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि देश का भविष्य युवाओं की सोच और कर्म पर निर्भर करता है। साथ ही महर्षि विश्वामित्र के जीवन का उदाहरण देते हुए बताया कि किस प्रकार उन्होंने राजपाट त्यागकर ज्ञान की परंपरा को आगे बढ़ाया और भगवान राम को मर्यादा पुरुषोत्तम बनाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। उन्होंने विद्यार्थियों से कर्तव्यनिष्ठ और अनुशासित जीवन अपनाने की प्रेरणा दी।मुख्य वक्ता प्रो० (डॉ) मृत्युंजय सिंह ने वैश्वीकरण के प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि युवाओं की महत्वाकांक्षाएं तेजी से बदल रही हैं, लेकिन इस दौड़ में नैतिक मूल्यों को बनाए रखना बेहद जरूरी है। उन्होंने कहा कि प्रतिभा के साथ चरित्र का संतुलन ही समाज और राष्ट्र के विकास का आधार बनता है। विशिष्ट अतिथि प्रो० (डॉ) महेश दत्त सिंह, प्रधानाचार्य, प्रणव चटर्जी महाविद्यालय, बक्सर ने तकनीक और ज्ञान के महत्व को रेखांकित करते हुए कहा कि आज का युवा वैश्विक मंच पर अपनी पहचान बना रहा है। उन्होंने छात्रों को निरंतर अध्ययन, अनुशासन और सकारात्मक सोच के साथ आगे बढ़ने की प्रेरणा दी। कार्यक्रम के संयोजक एवं प्रधानाचार्य प्रो० (डॉ) कृष्णा कान्त सिंह ने अतिथियों का स्वागत करते हुए कहा कि ऐसे आयोजन विद्यार्थियों को नई दिशा और आत्मविश्वास प्रदान करते हैं। उन्होंने महाविद्यालय में शैक्षणिक और सांस्कृतिक गतिविधियों को और सशक्त बनाने की प्रतिबद्धता जताई।संगोष्ठी के दौरान आयोजित क्विज प्रतियोगिता में प्रतिभागियों को सांसद द्वारा मेडल और प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। कार्यक्रम का संचालन डॉ अवनीश कुमार पाण्डेय ने प्रभावी ढंग से किया, जबकि धन्यवाद ज्ञापन डॉ भरत कुमार चौबे, विभागाध्यक्ष रसायनशास्त्र विभाग ने किया।

प्रमुख ने किया सीएचसी का निरीक्षण, 11.27 बजे तक प्रभारी व प्रबंधक गायब

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

गड़हनी। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र गड़हनी का प्रखंड प्रमुख ने मंगलवार को अचानक औचक निरीक्षण करने पहुंच गए। निरीक्षण के समय सुबह 11.10 हो रहा था लेकिन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र में न प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ सुनील महेंद्र कपूर उपस्थित थे नहीं स्वास्थ्य प्रबंधक अनिल कुमार नहीं बीसीएम प्रकाश कुमार जबकि सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र का देखने का पूरा दायित्व इन तीनों पदाधिकारियों पर है। प्रमुख विनोद यादव ने कहा कि प्रभारी, प्रबंधक, मेडिसिन स्टॉक इंचार्ज, लेख पाल, बीसीएम सहित कई कर्मी 11.27 बजे तक अस्पताल में नहीं पहुंचे थे। ये एक दिन का भी रोज का रवैया है। मध्याह्न भोजन के अलावा विद्यालय में मूलभूत सुविधाओं की भी कमी विद्यालय में नामांकित 480 बच्चों के लिए पर्याप्त वर्ग कक्ष उपलब्ध नहीं हैं। केवल छह पक्के कमरे हैं, जबकि दो कक्ष करकट की छत से ढंके हुए हैं, जिससे गर्मी के दिनों में बच्चों को काफी परेशानी होती है। शौचालय की स्थिति भी संतोषजनक नहीं है। छात्रों और छात्राओं के लिए मात्र एक-एक छोटा शौचालय सह यूरिनल उपलब्ध है, जिससे बच्चों को उपयोग के लिए लंबा इंतजार करना पड़ता है। हालांकि विद्यालय में पेयजल के लिए बोरिंग और चापाकल की व्यवस्था मौजूद है। विद्यालय में मध्याह्न भोजन की खराब गुणवत्ता, मूलभूत सुविधाओं की कमी और शिक्षकों की अनुपलब्धता जैसे मुद्दे बच्चों की शिक्षा और स्वास्थ्य दोनों पर नकारात्मक असर डाल रहे हैं। ऐसे में प्रशासन और शिक्षा विभाग से शीघ्र हस्तक्षेप की जरूरत महसूस की जा रही है। प्रतिदिन 12 बजे से 1 बजे तक आते है प्रभारी व मैनेजर - प्रमुख प्रत्येक दिन मैनेजर व प्रभारी 12 बजे से 1 बजे के बीच में आते है।यदि कोई मजबूरी या बैठक ही होता है तो समय से आते है नहीं तो रोज का समय यही है। नहीं आने के कारण कई लोग कहता है कि स्वास्थ्य कर्मियों का 12 बजे तक लेट नहीं और 3 बजे के बाद भेट नहीं। प्रमुख ने कहा कि मैं सीएस से बात किया तो सीएच ने कहा कि मैं पता करता हूं कहां है लोग। इस सभी कर्मियों के खिलाफ में सीएस को आवेदन लिखूंगा। साथ ही कहा कि एक तो समय से लोग आते नहीं है और पूछने पर बहाना बनाते है कि जिला में है, कोई बोलता है फील्ड में है। लेकिन जांच करने पर सब गलत साबित होता है। प्रतिदिन नहीं आने के चलते ही बायोमेट्रिक सिस्टम से लोग अटेंडेंस नहीं बनाते है जबकि बायोमेट्रिक सिस्टम 2025 में ही लग गया था। इस संबंध में पूछने पर प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी ने कहा कि मैं जिला में कुछ काम से था। वहीं स्वास्थ्य प्रबंधक अनिल कुमार ने कहा कि टीकाकरण को लेकर मै दुलारपुर स्वास्थ्य केंद्र पर चला गया था और बीसीएम ने खाली की मै बहादुर पुर में जांच करने गया था जिसके जिसके कारण लेट हो गया।

दो आरओबी से बक्सर की बदली तस्वीर, चौसा और इटाढ़ी पर परिचालन शुरू

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

बक्सर। जिले में वर्षों से जाम और लंबी प्रतीक्षा की समस्या झेल रहे लोगों को बड़ी राहत मिली है। चौसा और इटाढ़ी गुमटी रेलवे ओवरब्रिज पर अब वाहनों का परिचालन शुरू हो गया है, जिससे शहर से लेकर ग्रामीण क्षेत्रों तक आवागमन पहले की तुलना में कहीं अधिक सुगम और तेज हो गया है। दोनों पुलों के चालू होते ही लोगों के चेहरे पर संतोष नजर आ रहा है, क्योंकि अब उन्हें रेलवे फाटक पर घंटों इंतजार नहीं करना पड़ रहा है। चौसा स्थित आरओबी के शुरू होने से बक्सर का संपर्क आरा, पटना, सासाराम, कोचस, मोहनिया और भभुआ जैसे महत्वपूर्ण क्षेत्रों से और बेहतर हो गया है। पुल निर्माण से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि आमजन की सुविधा को ध्यान में रखते हुए इसे चालू किया गया है, हालांकि अभी कुछ ऊपरी और सौंदर्यीकरण से जुड़े कार्य शेष हैं। सोमवार को डीएम साहिला द्वारा निरीक्षण के दौरान पाया गया कि पहुंच पथ का कार्य अधूरा है, जिस पर संबंधित अधिकारियों को मानसून से पहले हर हाल में निर्माण पूरा करने का निर्देश दिया गया है। वहीं शहर के सबसे व्यस्त माने जाने वाले इटाढ़ी गुमटी रेलवे ओवरब्रिज पर भी अब परिचालन शुरू हो चुका है। करीब 26.40 करोड़ रुपये की लागत से बने इस पुल का निर्माण वर्ष 2022 में शुरू हुआ था। इसके चालू होने से इटाढ़ी, नावानगर, केसठ, राजपुर और दिनारा जैसे क्षेत्रों से आने-जाने वाले लोगों को सीधा लाभ मिल रहा है। पहले जहां रेलवे फाटक बंद होते ही वाहनों की लंबी कतार लग जाती थी, अब आवागमन बिना किसी रुकावट के हो रहा है। पूर्व जिला परिषद सदस्य डॉ. मनोज यादव यातायात व्यवस्था में होगा सुधार पूर्व जिला परिषद सदस्य डॉ. मनोज यादव ने कहा कि दोनों आरओबी के शुरू होने से ट्रैफिक व्यवस्था में व्यापक सुधार होगा और लोगों का सफर पहले से अधिक सुरक्षित बनेगा। प्रशासन के इस कदम का स्वागत है। विकास की दिशा में यह बड़ा कदम है। हालांकि इन पुलों के पूरी तरह व्यवस्थित हो जाने के बाद बक्सर की यातायात व्यवस्था में स्थायी सुधार देखने को मिलेगा और जाम की समस्या काफी हद तक खत्म हो जाएगी। शेष कार्यों को जल्द पूरा करने की मांग : हालांकि दोनों ओवरब्रिज के चालू होने से राहत जरूर मिली है, लेकिन अभी कुछ कार्य शेष हैं। चौसा में पहुंच पथ और समतलीकरण का काम अधूरा है, वहीं इटाढ़ी में पाथवे के कालीकरण और सुधार की आवश्यकता बताई जा रही है। भाजपा नेता व सामाजिक कार्यकर्ता राकेश महतो ने इन कार्यों को प्राथमिकता के आधार पर जल्द पूरा कराने की मांग की है, ताकि लोगों को किसी प्रकार की असुविधा न हो।

संक्षिप्त समाचार

मसौढ़ी में अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई, एक हजार किलो जावा महुआ नष्ट

मसौढ़ी। मसौढ़ी थाना क्षेत्र में अवैध शराब के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए करीब एक हजार किलोग्राम जावा महुआ नष्ट किया। यह कार्रवाई क्रीमदीचक गांव में थानाध्यक्ष के नेतृत्व में चलाए गए विशेष छापेमारी अभियान के दौरान की गई। पुलिस टीम ने मौके पर पहुंचकर न सिर्फ भारी मात्रा में जावा महुआ को नष्ट किया, बल्कि अवैध शराब निर्माण में इस्तेमाल हो रही भट्ठियों को भी ध्वस्त कर दिया। अधिकारियों के अनुसार, यह अभियान जिले में अवैध शराब के निर्माण और बिक्री पर रोक लगाने के उद्देश्य से लगातार चलाया जा रहा है। पुलिस ने बताया कि नशामुक्त समाज के निर्माण के लिए जागरूकता अभियान भी चलाए जा रहे हैं, ताकि लोग खुद आगे आकर इस तरह की गतिविधियों का विरोध करें। साथ ही आम लोगों से अपील की गई है कि वे अपने आसपास हो रही अवैध शराब से जुड़ी किसी भी गतिविधि की जानकारी तुरंत पुलिस नियंत्रण कक्ष को दें। अधिकारियों का कहना है कि आमजन के सहयोग से ही इस तरह की गैरकानूनी गतिविधियों पर प्रभावी अंकुश लगाया जा सकता है। पुलिस ने स्पष्ट किया कि भविष्य में भी ऐसे अभियान लगातार जारी रहेंगे और दोषियों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

मसौढ़ी में शराबी पति की हैवानियतः गर्म लोहे की रॉड से पत्नी पर जानलेवा हमला, आरोपी गिरफ्तार

मसौढ़ी। मसौढ़ी थाना क्षेत्र के भखड़ा गांव से एक बेहद शर्मनाक और हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है, जहां एक शराबी पति ने अपनी पत्नी पर लोहे की गर्म रॉड से जानलेवा हमला कर दिया। इस हमले में महिला गंभीर रूप से घायल हो गई है। पीड़िता सरिता कुमारी ने अपने पति मृत्युंजय कुमार के खिलाफ थाना में प्राथमिकी दर्ज कराई है। आवेदन में उन्होंने बताया कि उनकी शादी वर्ष 2017 में हुई थी और उनके एक पुत्र एवं एक पुत्री हैं। शादी के कुछ समय बाद से ही पति शराब के नशे में अक्सर गाली-गलौज और मारपीट करता था। पीड़िता के अनुसार, मंगलवार को भी आरोपी पति शराब के नशे में घर पहुंचा और विवाद करने लगा। इसके बाद उसने लोहे की गर्म रॉड से उन पर हमला कर दिया। किसी तरह जान बचाकर महिला मौके से भागी और पुलिस को सूचना दी। सूचना मिलते ही पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया और न्यायिक हिरासत में भेज दिया। पुलिस का कहना है कि मामले की गंभीरता को देखते हुए आगे की जांच जारी है और पीड़िता का इलाज कराया जा रहा है।

ससुराल में युवक ने फांसी लगाकर दी जान, पारिवारिक कलह की आशंका

मसौढ़ी। धनरूआ थाना क्षेत्र के बुलाकीबीघा गांव में बुधवार को एक युवक ने ससुराल में फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली। घटना के बाद परिजनों में कोहराम मच गया और गांव में शोक का माहौल बन गया। मृतक की पहचान नगरनौसा थाना क्षेत्र के सैदपुरा गांव निवासी 30 वर्षीय संटू रविदास (पुत्र मुनारिक रविदास) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि वह अपनी ससुराल बुलाकीबीघा गांव आया हुआ था, जहां उसने यह कदम उठा लिया। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और मामले की छानबीन शुरू की। पुलिस ने मृतक के परिजनों को बुलाकर आवश्यक जानकारी जुटाई और शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। प्रारंभिक जांच में आत्महत्या का कारण पारिवारिक कलह बताया जा रहा है, हालांकि पुलिस सभी पहलुओं से मामले की जांच कर रही है। घटना के बाद मृतक के परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस का कहना है कि पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट और जांच के बाद ही मौत के वास्तविक कारणों का स्पष्ट खुलासा हो सकेगा।

मसौढ़ी नगर परिषद के वार्ड-11 पार्षद शंभू सिंह की सदस्यता रद्द, घूस मामले में दोषसिद्धि के बाद कार्रवाई

पटना। मसौढ़ी नगर परिषद में भ्रष्टाचार से जुड़ा एक बड़ा मामला सामने आया है। राज्य निर्वाचन आयोग ने वार्ड संख्या-11 के पार्षद, सशक्त स्थायी समिति सदस्य एवं मुख्य पार्षद प्रतिनिधि शंभू सिंह की सदस्यता आधिकारिक रूप से रद्द कर दी है। यह कार्रवाई पुराने घूस कांड में अदालत द्वारा दोषी ठहराए जाने के बाद की गई है।

घूस कांड की पृष्ठभूमिः जानकारी के अनुसार, शंभू सिंह पहले बिजली विभाग में गया में जूनियर इंजीनियर (JE) के पद पर कार्यरत थे। इसी दौरान वे 50 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो (ACB) की टीम के हाथों रंगेहाथ पकड़े गए थे। यह मामला वर्षों तक अदालत में चला, जिसके बाद न्यायालय ने उन्हें दोषी करार दिया।

आयोग का निर्णय और कानूनी आधारः राज्य निर्वाचन आयोग ने बिहार पंचायत राज अधिनियम एवं नगरपालिका अधिनियम के प्रावधानों के तहत यह फैसला लिया। नियमों के अनुसार, किसी आपराधिक मामले में दोषसिद्धि होने पर निर्वाचित जनप्रतिनिधि की सदस्यता स्वतः समाप्त हो जाती है। आयोग ने शंभू सिंह को पूर्व में नोटिस जारी कर अपना पक्ष रखने का अवसर भी दिया था, लेकिन संतोषजनक जवाब नहीं मिलने पर उनकी सदस्यता समाप्त कर दी गई। वही इस मामले में वार्ड पार्षद शंभू कुमार ने बताया कि मामला उच्च न्यायालय में चल रही है।

महाप्रबंधक की उच्चस्तरीय बैठक, प्रमुख परियोजनाओं को समय पर पूरा करने का निर्देश

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल के महाप्रबंधक श्री छत्रसाल सिंह ने मंगलवार को मुख्यालय, हाजीपुर में आयोजित उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक में विभिन्न महत्वपूर्ण निर्माण परियोजनाओं की प्रगति का जायजा लिया। बैठक में हार्डिंग पार्क, पाटलिपुत्र कोचिंग कॉम्प्लेक्स, करबिगहिया कॉलोनी तथा जगजीवन स्टेडियम से जुड़े कार्यों पर विस्तृत चर्चा की गई। महाप्रबंधक ने सभी परियोजनाओं को प्राथमिकता के आधार पर तेजी से पूरा करने का निर्देश देते हुए कहा कि कार्यों में किसी प्रकार की ढिलाई बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्धारित समयसीमा के भीतर गुणवत्ता के साथ काम पूरा करने पर विशेष जोर दिया। हार्डिंग पार्क के टर्मिनल फेज-1 के अंतर्गत ट्रैक लिंकिंग, बाउंड्री वॉल, ब्रिज एक्सटेंशन तथा एस एंड टी बिल्डिंग निर्माण जैसे महत्वपूर्ण कार्यों को अगले 10 दिनों के भीतर तेज गति से शुरू करने के निर्देश दिए गए। साथ ही फेज-2 का डिजाइन भी तत्काल तैयार करने को कहा गया, ताकि स्वीकृति मिलते ही कार्य शुरू किया जा सके। बैठक में बताया गया कि वंदे भारत ट्रेनों के रखरखाव के लिए पाटलिपुत्र में बन रहे कोचिंग कॉम्प्लेक्स का निर्माण कार्य वर्ष 2027 तक पूरा करने का लक्ष्य रखा गया है। वहीं करबिगहिया, पटना में अत्याधुनिक सुविधाओं से युक्त रेल आवास निर्माण कार्य को दिसंबर 2028 तक पूर्ण करने की योजना है। महेन्दूघाट, पटना में प्रस्तावित रेल आवास परियोजना के तहत फिलहाल मिट्टी परीक्षण और भूमि सीमांकन का कार्य जारी है, जिसके बाद शीघ्र ही निर्माण कार्य शुरू किया जाएगा। इसके अलावा, जगजीवन स्टेडियम के जीर्णोद्धार और विस्तार से जुड़े कार्यों को लेकर महाप्रबंधक ने निविदा प्रक्रिया को जल्द पूरा करने के निर्देश दिए, ताकि निर्माण कार्य समय पर प्रारंभ हो सके। बैठक में संबंधित विभागों के वरिष्ठ अधिकारियों ने भी भाग लिया और परियोजनाओं की प्रगति पर अपने-अपने सुझाव प्रस्तुत किए।

स्कूली बच्चों से बेंच-डेस्क ढुलवाया

मुजफ्फरपुर। मुजफ्फरपुर के एक सरकारी स्कूल के बच्चों से बेंच-डेस्क ढुलवाने का वीडियो सोशल मीडिया पर तेजी से वायरल हो रहा है। यह घटना कुढ़नी प्रखंड स्थित उच्च माध्यमिक विद्यालय सोनवर्षा की बताई जा रही है। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि स्कूल परिसर के बाहर खड़ी एक जुगाड़ गाड़ी से छोटे-छोटे बच्चे बेंच-डेस्क उतारकर उन्हें नए भवन तक ढो रहे हैं। बच्चों ने स्कूल ड्रेस पहन रखी है और उनसे मजदूरों की तरह काम कराया जा रहा है। बताया जा रहा है कि यह घटना मंगलवार की है, जब पढ़ाई-लिखाई छोड़कर बच्चों से इस तरह का काम कराया गया। सोशल मीडिया पर वीडियो सामने आने के बाद इलाके के लोगों में नाराजगी देखी जा रही है। मामले पर संज्ञान लेते हुए जिला शिक्षा पदाधिकारी कुमार अरविंद सिन्हा ने कहा कि वीडियो की जांच की जा रही है। उन्होंने बताया कि यह पता लगाया जा रहा है कि वीडियो कब का है और इसकी सत्यता क्या है। यदि मामला सही पाया जाता है, तो संबंधित स्कूल के प्रधानाध्यापक के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी।

बख्तियारपुर में मकई के खेत से मिला युवक का शव

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

हत्या की आशंका से सनसनी

पटना/बख्तियारपुर। बख्तियारपुर थाना क्षेत्र के चकदौलत गांव के पास बुधवार सुबह एक व्यक्ति का शव मिलने से इलाके में सनसनी फैल गई। मृतक की पहचान सालिमपुर थाना क्षेत्र के डोमा पंचायत अंतर्गत मुसहरी निवासी 40 वर्षीय शिवसत्य कुमार के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, शव NH-31 स्थित आकाशवाणी होटल के पीछे उत्तर दिशा में एक मकई के खेत से बरामद हुआ। सुबह करीब 9 बजे शव मिलने की खबर फैलते ही आसपास के लोग बड़ी संख्या में मौके पर जुट गए, जिससे क्षेत्र में अफरा-तफरी का माहौल बन गया।

सूचना मिलते ही थाना प्रभारी देवानंद शर्मा पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे और जांच शुरू की। मृतक के छोटे भाई चंदन कुमार ने मौके पर पहुंचकर शव की पहचान की और हत्या की आशंका जताई। उनका कहना है कि जिस स्थान पर शव मिला है, वहां पहुंचने का कोई सीधा रास्ता नहीं है, जिससे संदेह है कि अपराधियों ने साजिश के तहत शव को खेत में फेंका है। परिजनों के अनुसार, शिवसत्य कुमार पांच भाइयों में सबसे बड़े थे। उनकी पारिवारिक स्थिति भी पिछले कुछ समय से ठीक नहीं थी। वर्ष 2016 में उनका विवाह हुआ था और उनकी 7 वर्षीय एक बेटी है। बताया जा रहा है कि करीब छह महीने पहले उनकी पत्नी उन्हें छोड़कर चली गई थी, जिसके बाद से वे मानसिक रूप से परेशान चल रहे थे।

पुलिस ने घटनास्थल का मुआयना कर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेज दिया है। थाना प्रभारी देवानंद शर्मा ने बताया कि मामले की हर पहलू से जांच की जा रही है और मौत के सही कारणों का खुलासा पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट आने के बाद ही हो सकेगा। फिलहाल, परिजनों के बयान दर्ज कर लिए गए हैं और आसपास के लोगों से पूछताछ जारी है।

बिहार पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मृत्युंजय कु. सिंह ने सीएम से मिलकर स्वरचित पुस्तक किया भेंट

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। बिहार पुलिस एसोसिएशन के प्रदेश अध्यक्ष मृत्युंजय कु. सिंह ने बिहार के मुख्यमंत्री सम्राट चौधरी से शिष्टाचार मुलाक़ात की। इस अवसर पर श्री सिंह ने मुख्यमंत्री जी को अंगवस्त्र भेंट कर सम्मानित किया तथा बिहार पुलिस एसोसिएशन की ओर से मुख्यमंत्री पद पर आसीन होने पर हार्दिक बधाई एवं सफल कार्यकाल के लिए शुभकामनाएँ प्रेषित कीं। भेंट के दौरान प्रदेश अध्यक्ष ने पुलिसकर्मियों के कल्याण से जुड़े विभिन्न विषयों पर चर्चा की। उन्होंने कैशलेस हेल्थ कार्ड अतिशीघ्र निर्गत करने का आग्रह किया, जिस पर माननीय मुख्यमंत्री ने आश्वस्त करते हुए कहा, "मैं स्वयं इसे करवा रहा हूँ।"इसके अतिरिक्त, बिहार पुलिस एसोसिएशन के केंद्रीय कार्यालय, 2 मेंगल्स रोड, पटना में प्रस्तावित गेस्ट हाउस के निर्माण हेतु शिलान्यास पर मुख्यमंत्री जी ने सैद्धांतिक सहमति प्रदान की। पुलिसकर्मियों की पदोन्नति के विषय पर भी सकारात्मक चर्चा हुई।श्री मृत्युंजय कु. सिंह ने कहा कि "हमें पूर्ण विश्वास है कि माननीय मुख्यमंत्री श्री सम्राट चौधरी जी के गतिशील नेतृत्व में प्रगतिशील बिहार और अधिक समृद्ध एवं सशक्त बनेगा।"*

मुलाकात के दौरान एक आत्मीय क्षण भी देखने को मिला। प्रदेश अध्यक्ष को देखते ही माननीय मुख्यमंत्री ने कहा, "आइए मृत्युंजय जी, कैसे हैं?" और उनका हालचाल पूछा।* इस अवसर पर श्री सिंह ने मुख्यमंत्री जी को अपनी लिखित पुस्तक सप्रेम भेंट की।

हाजीपुर में पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की पहल

नव नामांकित बच्चों को बांटे उपहार, प्रारंभिक शिक्षा पर दिया जोर

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

हाजीपुर। पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन की अध्यक्षा सुनीता सिंह के नेतृत्व में बुधवार को एक सराहनीय पहल के तहत नव नामांकित बच्चों के बीच उपहार वितरण कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन कोनहाराघाट रेलवे कॉलोनी स्थित लिटिल ऐंजल्स किंडरगार्टन एंड प्ले स्कूल में संपन्न हुआ। कार्यक्रम के दौरान स्कूल में हाल ही में नामांकन लेने वाले बच्चों को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से स्कूल बैग और कलर आर्ट किट उपहार स्वरूप प्रदान किए गए। इस पहल का उद्देश्य बच्चों में पढ़ाई के प्रति उत्साह जगाना और प्रारंभिक शिक्षा को आकर्षक बनाना था।

इस मौके पर संगठन की सचिव मनीषा सिन्हा, कोषाध्यक्ष पूनम श्रीवास्तव, स्कूल इंचार्ज प्रीति झा एवं नेहा सिंह भी मौजूद रहीं। सभी ने बच्चों और उनके अभिभावकों को प्रारंभिक शिक्षा के महत्व के बारे में विस्तार से जानकारी दी और बताया कि मजबूत नींव ही बच्चों के उज्ज्वल भविष्य का आधार बनती है। कार्यक्रम के दौरान अभिभावकों को यह भी समझाया गया कि छोटे स्तर पर दी गई सही दिशा और प्रोत्साहन बच्चों के व्यक्तित्व विकास में अहम भूमिका निभाते हैं।

गौरतलब है कि पूर्व मध्य रेल महिला कल्याण संगठन द्वारा संचालित यह स्कूल रेलवे कॉलोनी और आसपास के क्षेत्रों में रहने वाले परिवारों के बीच लगातार लोकप्रिय हो रहा है। संगठन की ओर से समय-समय पर इस तरह के कार्यक्रम आयोजित कर बच्चों के सर्वांगीण विकास को बढ़ावा दिया जा रहा है।

नेउरा स्टेशन पर पैसेंजर ट्रेन रोके जाने से यात्रियों में आक्रोश

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

भीषण गर्मी में बढ़ी परेशानी

पटना/बिहटा। नेउरा रेलवे स्टेशन पर बुधवार को 63219 दानापुर-बक्सर मेमू पैसेंजर ट्रेन को करीब डेढ़ घंटे तक रोक दिया गया, जिससे यात्रियों में भारी नाराजगी देखने को मिली। बताया जा रहा है कि एक्सप्रेस ट्रेन को रास्ता देने के लिए पैसेंजर ट्रेन को रोका गया, जिसके कारण भीषण गर्मी और तेज धूप में यात्रियों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ा।

प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार, ट्रेन के लंबे समय तक खड़े रहने से यात्रियों का धैर्य जवाब देने लगा और कई लोग गुस्से में स्टेशन मास्टर के कार्यालय की ओर बढ़ने लगे। हालांकि स्थिति और बिगड़ती, उससे पहले ही करीब डेढ़ घंटे बाद ट्रेन को हरी झंडी दिखाकर रवाना कर दिया गया।

यात्रियों ने आरोप लगाया कि इस स्टेशन पर पैसेंजर ट्रेनों को रोककर एक्सप्रेस ट्रेनों को प्राथमिकता देना एक आम समस्या बन चुकी है। रोजाना यात्रा करने वाले लोगों का कहना है कि इस वजह से उन्हें बार-बार देरी का सामना करना पड़ता है, जिससे उनके कामकाज पर भी असर पड़ता है। स्टेशन मास्टर ने यात्रियों को समझाने का प्रयास करते हुए कहा कि वे उच्च अधिकारियों के निर्देशों के अनुसार काम करने के लिए बाध्य हैं और इस संबंध में उनके स्तर पर कोई निर्णय नहीं लिया जा सकता। इस दौरान कई यात्रियों को अपनी मजबूरी में ट्रेन छोड़कर ऑटो या अन्य साधनों का सहारा लेना पड़ा। यात्रियों में शामिल राजेश प्रसाद, रणधीर पासवान और अजय सिंह ने कहा कि भीषण गर्मी में इस तरह पैसेंजर ट्रेनों को रोकना बिल्कुल अनुचित है।

दिल्ली में बिहारी छात्र की हत्या का आक्रोश पटना यूनिवर्सिटी में श्रद्धांजलि सभा

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। दिल्ली में बिहारी छात्र की हत्या को लेकर आज पटना यूनिवर्सिटी कैंपस में छात्रों ने श्रद्धांजलि सभा बुलाई। छात्रों ने राज्य और केंद्र सरकार की कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए। उनका कहना है, यह केवल एक आपराधिक घटना नहीं, बल्कि बिहारियों के प्रति समाज में घर कर रही नफरत और सरकारों की विफलता का प्रमाण है। अगर इस घटना में जल्दी कार्रवाई नहीं होगी, तो हम बिहार सरकार के खिलाफ में विरोध मार्च निकालेंगे और कारगिल चौक को जाम करेंगे।

नेताओं की चुप्पी और सामूहिक विफलताः छात्र आदित्य ने कहा, बिहार के लोगों को मारा जाना या उनकी हत्या होना अब एक दुखद सिलसिला बन गया है। उन्होंने इसे पूरे बिहार का 'कलेक्टिव फेलियर' यानी सामूहिक विफलता बताया। आदित्य का मानना है कि इस प्रताड़ना के पीछे सबसे बड़ा कारण हमारे नेताओं का डरपोक होना और आवाज न उठाना है। उन्होंने मुख्यमंत्री पर निशाना साधते हुए कहा, अगर शासन की मंशा साफ हो, तो एक फोन कॉल पर इंसाफ मिल सकता है, लेकिन सत्ता में बैठे लोग जानबूझकर इस पर मौन साधे हुए हैं।

पहचान के नाम पर हिंसा और पलायन का दर्दः छात्र अभिषेक ने देश की वर्तमान स्थिति को अत्यंत दयनीय बताया। उन्होंने कहा, पहले मुंबई और गुजरात में बिहारियों को निशाना बनाया गया और अब दिल्ली में भी वही दोहराया जा रहा है। अभिषेक के अनुसार, अब हालत यह हो गई है कि लोग बस 'बिहारी' पहचान जानकर गोली मार देते हैं। उन्होंने व्यवस्था पर तंज कसते हुए कहा कि देश में धर्म और जाति की राजनीति तो हो ही रही थी, अब 'बिहारी बनाम अन्य' की राजनीति भी शुरू हो गई है। अभिषेक ने बिहार सरकार की कार्यप्रणाली को 'निंदनीय' बताते हुए कहा कि जो लोग मजबूरी में काम के लिए बाहर जाते हैं, उन्हें वहां अपमानित होना पड़ता है। उन्होंने सवाल उठाया कि जब केंद्र और बिहार दोनों जगह बीजेपी की सरकार है और राज्य के पास 40 सांसद हैं, तब भी बिहारियों को सुरक्षा क्यों नहीं मिल रही? छात्रों का आरोप है कि सरकार को युवाओं के भविष्य में कोई दिलचस्पी नहीं है। वे ऐसी घटनाओं को सिर्फ एक बड़ी खबर मानकर ठंडे बस्ते में डाल देते हैं। छात्रों ने सरकार से अपील करते हुए कहा कि अब तो हम लोगों को बख्श दीजिए। उनकी मांग है कि बिहार में रोजगार के अवसर पैदा किए जाएं ताकि पलायन रुके।

पटना-हथियार लहराते हुए युवक कर रहा डांस, मनेर से गिरफ्तार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। पटना के मनेर थाना क्षेत्र में हथियार लहराते हुए डांस करने का वीडियो सामने आया था। इस मामले में पुलिस ने एक युवक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार युवक की पहचान इस्लामगंज निवासी कुंदन कुमार के रूप में हुई है। पुलिस ने उसके पास से एक देसी कट्टा और 5 जिंदा कारतूस बरामद किए हैं। दरअसल, सोशल मीडिया पर एक वीडियो तेजी से वायरल हो रहा था, जिसमें कुछ युवक शादी पार्टी में हथियार लहराते हुए डांस करते दिख रहे थे। इस वीडियो के सामने आने के बाद पुलिस हरकत में आई और इसकी जांच शुरू की। वीडियो की जांच के दौरान पुलिस ने उसमें दिख रहे युवकों की पहचान शुरू की। सत्यापन के बाद पता चला कि अवैध हथियार के साथ डांस कर रहा युवक मनेर थाना क्षेत्र के इस्लामगंज का रहने वाला है। इसके बाद मनेर थानाध्यक्ष के नेतृत्व में एक टीम का गठन किया गया। गठित टीम ने युवक के घर पर छापेमारी की और उसे गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तार युवक की पहचान कुंदन कुमार के रूप में हुई। तलाशी के दौरान उसके घर से एक देशी कट्टा और पांच जिंदा कारतूस बरामद किए गए। इस संबंध में मनेर थाना में कांड संख्या 390/26 दर्ज किया गया है। पटना सिटी एसपी पश्चिमी भानु प्रताप सिंह ने बताया कि पुलिस सोशल मीडिया पर लगातार निगरानी रखती है।

पटना में खोले जा रहे सबसे ज्यादा म्यूल अकाउंट

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

पटना। साइबर ठगी के खिलाफ बिहार पुलिस ने बड़े पैमाने पर कार्रवाई शुरू कर दी है। मंगलवार को 'साइबर प्रहार 3.0' के तहत साइबर अपराध एवं सुरक्षा इकाई (CCSU) ने 5036 म्यूल यानी फर्जी बैंक खातों की पहचान की है। इन खातों का इस्तेमाल साइबर ठग ठगी की रकम को इधर-उधर ट्रांसफर करने में करते थे। यह कार्रवाई नेशनल साइबर क्राइम रिपोर्टिंग पोर्टल पर दर्ज 5078 शिकायतों के आधार पर की गई है। पुलिस का कहना है कि इन खातों के जरिए साइबर ठगी का बड़ा नेटवर्क चल रहा था, जिसे अब तोड़ने की तैयारी है। जांच में सामने आया है कि ये फर्जी खाते वर्ष 2025-26 में खोले गए थे। इस संबंध में 22 बैंक शाखाओं को चिह्नित किया गया है, जहां सबसे अधिक म्यूल खाते खुले हैं। इन शाखाओं में कार्यरत संदिग्ध बैंक अधिकारियों और कर्मचारियों की भूमिका की भी जांच की जाएगी। पुलिस यह पता लगाने का प्रयास कर रही है कि इन खातों को खोलने में लापरवाही बरती गई या जानबूझकर नियमों की अनदेखी की गई।

इस अभियान का लक्ष्य सिर्फ खाताधारकों पर कार्रवाई नहीं, बल्कि पूरे साइबर ठगी नेटवर्क को खत्म करना है। इसमें बैंकिंग सिस्टम से जुड़े लोग, फर्जी सिम सप्लायर और संगठित गिरोह भी जांच के दायरे में हैं। इससे पहले चलाए गए 'साइबर प्रहार 2.0' अभियान में भी पुलिस को महत्वपूर्ण सफलता मिली थी। उस दौरान राज्य भर में 1216 संदिग्ध खातों की पहचान की गई, 122 मामले दर्ज हुए और 234 लोगों को गिरफ्तार किया गया था।

बिहार बीजेपी की नई प्रदेश कमिटी बनकर तैयार

सोन वर्षा वाणी | संवाददाता

- नई कमेटी में महिलाओं को 33 फीसदी हिस्सेदारी, युवाओं को मिलेगीबड़ी जिम्मेदारी

पटना। बिहार में भारतीय जनता पार्टी की नई प्रदेश कमेटी का गठन लगभग हो चुका है। अब इसकी आधिकारिक घोषणा के लिए राष्ट्रीय नेतृत्व की अंतिम सहमति का इंतजार है। जैसे ही पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की मंजूरी मिलती है, नई प्रदेश कमेटी की घोषणा कर दी जाएगी। संगठन के भीतर इसे लेकर काफी उत्साह देखा जा रहा है, क्योंकि इस बार कई बड़े बदलावों के संकेत मिल रहे हैं।

युवा और अनुभव का संतुलनः सूत्रों के मुताबिक, प्रदेश अध्यक्ष संजय सरावगी के नेतृत्व में तैयार की गई इस नई कमेटी में युवाओं को खास प्राथमिकता दी गई है। पार्टी नेतृत्व का मानना है कि बदलते राजनीतिक परिदृश्य में युवा चेहरों को आगे लाना बेहद जरूरी है। यही वजह है कि 50 वर्ष से कम आयु के कई नेताओं को महत्वपूर्ण जिम्मेदारियां दिए जाने की चर्चा है। हालांकि, केवल युवाओं पर ही जोर नहीं दिया गया है, बल्की पार्टी उन अनुभवी नेताओं को भी जगह देने जा रही है जो लंबे समय से संगठन के लिए काम करते आ रहे हैं। इससे संगठन में ऊर्जा और अनुभव दोनों का संतुलन बने रहने की उम्मीद है।

महिलाओं को 33% तक भागीदारीः इस बार की प्रदेश कमेटी में महिलाओं की भागीदारी भी चर्चा का प्रमुख विषय है। जानकारी के मुताबिक, करीब 33 प्रतिशत पद महिलाओं को दिए जाने की तैयारी है। इसे महिला आरक्षण बिल की भावना के अनुरूप एक बड़ा कदम माना जा रहा है। बीजेपी इस फैसले के जरिए न सिर्फ महिलाओं को सशक्त करने का संदेश देना चाहती है, बल्कि अन्य राजनीतिक दलों पर भी दबाव बनाने की रणनीति भी है।

जातीय-सामाजिक समीकरण साधने की कोशिशः बिहार की राजनीति में सामाजिक और जातीय समीकरणों का बड़ा महत्व रहा है। इसे ध्यान में रखते हुए नई कमेटी में विभिन्न वर्गों और समुदायों को संतुलित प्रतिनिधित्व देने की कोशिश की गई है। पार्टी का लक्ष्य है कि हर वर्ग को संगठन में अपनी भागीदारी महसूस हो।

जंबो नहीं, पहले से छोटी होगी कमेटीः जानकारी के मुताबिक, बीजेपी की नई प्रदेश कमेटी जंबो के बजाए छोटी होने के संकेत मिल रहे ।बीजेपी की घोषित होने वाली कमेटी पिछली बार की अपेक्षा थोड़ी छोटी होगी पर इसमें प्रतिबंधित हर वर्ग और समुदाय का होगा।

सम्राट की बनाई कमेटी अब तक चल रहीः फिलहाल, बिहार बीजेपी की वही प्रदेश कमेटी काम कर रही है जिसका गठन पूर्व प्रदेश अध्यक्ष सम्राट चौधरी ने किया था। बाद में दिलीप जायसवाल को प्रदेश अध्यक्ष बनाया गया, लेकिन चुनावी व्यस्तताओं और बाद में मंत्री बनने के कारण नई कमेटी का गठन नहीं हो सका। अब यह प्रक्रिया अंतिम चरण में पहुंच चुकी है। नई प्रदेश कमेटी को बिहार में बीजेपी के संगठन को और मजबूत करने की बड़ी जिम्मेदारी सौंपी जाएगी।

पानी की किल्लत और बिजली कटौती को लेकर भाजपा का राज्यव्यापी आंदोलन, 6 से 12 मई तक जिलावार प्रदर्शन

एजेंसी। रांची

झारखंड में भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने पानी की गंभीर किल्लत और लगातार बिजली कटौती को लेकर एक बार फिर राज्यव्यापी आंदोलन का ऐलान किया है। पार्टी ने 6 मई से 12 मई तक राज्य के विभिन्न जिलों में जोरदार प्रदर्शन करने की घोषणा की है। भाजपा प्रदेश कार्यालय में बुधवार को आयोजित प्रेसवार्ता में प्रदेश अध्यक्ष आदित्य साहू ने कहा कि झारखंड की जनता पानी और बिजली संकट से त्राहिमाम कर रही है। इसी जनआक्रोश को स्वर देने के लिए भाजपा ने छह दिनों तक जिलावार जन प्रदर्शन करने का निर्णय लिया है। उन्होंने बताया कि तय कार्यक्रम के अनुसार 6 मई को गढ़वा, पलामू और लातेहार, 7 मई को चाईबासा, जमशेदपुर और सरायकेला-खरसावां, 8 मई को हजारीबाग, चतरा, कोडरमा और रामगढ़, 9 मई को दुमका, पाकुड़, साहिबगंज, गोड्डा, देवघर और जामताड़ा, 11 मई को गिरिडीह, धनबाद और बोकारो तथा 12 मई को रांची, लोहरदगा, सिमडेगा, गुमला और खूंटी में भाजपा कार्यकर्ता प्रदर्शन करेंगे। उन्होंने कहा कि भाजपा का प्रत्येक कार्यकर्ता सिर पर घड़ा, डेकची और पानी ढोने वाले अन्य बर्तन लेकर प्रदर्शन करेगा। पार्टी इस जनविरोधी सरकार को कुंभकर्णी नींद से जगाने का काम करेगी। आदित्य साहू ने आरोप लगाया कि पूरा झारखंड पेयजल संकट से जूझ रहा है। प्रदेश में लगभग 80 हजार चापाकल खराब पड़े हैं। 72 घंटे में खराब चापाकलों को ठीक करने का सरकारी दावा पूरी तरह विफल साबित हुआ है। सरकार द्वारा जारी टोल फ्री नंबर भी किसी काम का नहीं है और लोग बूंद-बूंद पानी के लिए तरस रहे हैं। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार जनता की समस्याओं को दूर करने के बजाय पूरी कैबिनेट के साथ दूसरे राज्यों में चुनावी दौरे कर रही है। इससे स्पष्ट होता है कि सरकार का ध्यान झारखंड की समस्याओं पर नहीं है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की 'हर घर नल-जल योजना' का उल्लेख करते हुए कहा कि केंद्र सरकार ने स्वच्छ जल उपलब्ध कराने के लिए यह महत्वाकांक्षी योजना शुरू की थी। झारखंड में इस योजना पर 12,764 करोड़ रुपये खर्च होने के बावजूद इसका लाभ जमीन पर दिखाई नहीं दे रहा है। कई जगहों पर नल तो लगे हैं, पाइप भी बिछे हैं, लेकिन पानी की एक बूंद तक नहीं पहुंच रही है। उन्होंने दावा किया कि राज्य में अब भी 45 प्रतिशत परिवार इस योजना से वंचित हैं और झारखंड इस योजना के क्रियान्वयन में राष्ट्रीय औसत से लगभग 25 प्रतिशत पीछे है। देशभर में इसकी स्थिति नीचे से दूसरे स्थान पर है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कहा कि 2019 से 2025 के बीच केंद्र सरकार ने झारखंड को 12,982 करोड़ रुपये आवंटित किए, लेकिन राज्य सरकार केवल 6,010 करोड़ रुपये यानी 46.30 प्रतिशत ही खर्च कर पाई। 7,000 करोड़ रुपये से अधिक राशि अब भी पड़ी हुई है। इससे यह स्पष्ट होता है कि केंद्र सरकार पर भेदभाव का आरोप पूरी तरह राजनीतिक है। उन्होंने राज्य सरकार को सुझाव दिया कि वह राजनीतिक गतिविधियों के बजाय जनता की मूल समस्याओं पानी, बिजली और बुनियादी सुविधाओं के समाधान पर ध्यान दे। इस दौरान प्रेसवार्ता में प्रदेश उपाध्यक्ष सह पूर्व सांसद आभा महतो, भानु प्रताप शाही, प्रदेश महामंत्री अमर कुमार बाऊरी तथा प्रदेश मीडिया सह प्रभारी योगेंद्र प्रताप सिंह भी मौजूद रहे।

झारखंड में 30 अप्रैल तक मौसम में उतार-चढ़ाव की संभावना, बारिश-ओलावृष्टि और वज्रपात का ऑरेंज अलर्ट जारी

एजेंसी। रांची

झारखंड की राजधानी रांची सहित राज्य के विभिन्न जिलों में 30 अप्रैल तक मौसम में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिलेगा। मौसम विभाग ने राज्य के पूर्वी और इससे सटे मध्यवर्ती जिलों में गर्जन के साथ बारिश, ओलावृष्टि और वज्रपात की संभावना जताई है। साथ ही 50 से 60 किलोमीटर प्रति घंटे की रफ्तार से तेज हवा चलने की भी आशंका है। इसे लेकर विभाग की ओर से ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। राज्य के कई हिस्सों में हाल के दिनों में हुई बारिश के कारण तापमान में 3 से 4 डिग्री सेल्सियस तक की गिरावट दर्ज की गई है, जिससे लोगों को भीषण गर्मी से राहत मिली है। राजधानी रांची में 2 डिग्री और डाल्टनगंज में 3 डिग्री तापमान में गिरावट दर्ज की गई। अन्य जिलों में भी तापमान में कमी देखी गई है। पिछले 24 घंटों के दौरान राज्य में सबसे अधिक 41.8 डिग्री सेल्सियस सरायकेला में दर्ज किया गया, जबकि सबसे कम तापमान गुमला में 21.9 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। रांची और आसपास के इलाकों में बुधवार को मौसम साफ रहा और लोगों ने भीषण गर्मी का सामना किया। हालांकि दोपहर बाद घने बादल छा गए और ठंडी हवाएं चलने लगीं, जिससे गर्मी से कुछ राहत महसूस हुई। बुधवार को रांची में अधिकतम तापमान 38.2 डिग्री और न्यूनतम 24.6 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। वहीं जमशेदपुर में अधिकतम 41.7 डिग्री और न्यूनतम 26.4 डिग्री, डाल्टनगंज में अधिकतम 41.6 डिग्री और न्यूनतम 26.5 डिग्री, बोकारो में अधिकतम 41.5 डिग्री और न्यूनतम 27.1 डिग्री तथा चाईबासा में अधिकतम 41.4 डिग्री और न्यूनतम 26.8 डिग्री सेल्सियस रिकॉर्ड किया गया। मौसम विभाग ने लोगों से खराब मौसम के दौरान सतर्क रहने, खुले स्थानों से दूर रहने और वज्रपात के समय सुरक्षित स्थान पर रहने की अपील की है।

संक्षिप्त समाचार

केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत सांसद सांस्कृतिक महोत्सव के समापन समारोह में होंगे शामिल

रांची। केंद्रीय कला, संस्कृति और पर्यटन मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत से बुधवार को रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने नई दिल्ली में मुलाकात की। इस दौरान दोनों के बीच वंदे मातरम् के गौरवशाली 150 वर्ष पूर्ण होने के उपलक्ष्य में रांची में आयोजित होने वाले सांसद सांस्कृतिक महोत्सव को लेकर विस्तार से चर्चा हुई। मुलाकात के दौरान रक्षा राज्य मंत्री संजय सेठ ने केंद्रीय मंत्री गजेंद्र सिंह शेखावत को महोत्सव के समापन समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में शामिल होने का आमंत्रण दिया। इस पर उन्होंने अपनी गरिमामय उपस्थिति दर्ज कराने की सहमति दी। दरअसल, यह भव्य सांस्कृतिक महोत्सव 01, 02 और 03 मई 2026 को रांची में आयोजित किया जाएगा। कार्यक्रम का उद्देश्य वंदे मातरम् की ऐतिहासिक विरासत, राष्ट्रीय चेतना और सांस्कृतिक गौरव को जन-जन तक पहुंचाना है। इस आयोजन के माध्यम से देशभक्ति, सांस्कृतिक एकता और भारतीय परंपरा के विभिन्न आयामों को प्रस्तुत किया जाएगा। इस अवसर पर विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां, देशभक्ति से ओतप्रोत कार्यक्रम, कलाकारों की सहभागिता और जनप्रतिनिधियों की उपस्थिति महोत्सव को विशेष बनाएगी। सांसद सांस्कृतिक महोत्सव को लेकर रांची में तैयारियां तेज कर दी गई हैं। आयोजकों का मानना है कि वंदे मातरम् के 150 वर्ष पूरे होने का यह अवसर न केवल ऐतिहासिक है, बल्कि नई पीढ़ी को राष्ट्रभक्ति और सांस्कृतिक विरासत से जोड़ने का एक सशक्त माध्यम भी बनेगा।

सात वर्षों से फरार स्थायी वारंटी सत्यदेव ठाकुर जमशेदपुर से गिरफ्तार

खूंटी। पिछले सात वर्षों से फरार चल रहे स्थायी वारंटी सत्यदेव ठाकुर उर्फ सत्यदेव हजाम उर्फ रविन्द्र ठाकुर (70) को पुलिस ने बुधवार को जमशेदपुर के सोनारी क्षेत्र से गिरफ्तार कर लिया। आरोपित लंबे समय से पुलिस की पकड़ से बाहर था। पुलिस के अनुसार, सत्यदेव ठाकुर मूल रूप से अड़की थाना क्षेत्र के सिंदरी गांव का निवासी है। वह पिछले कई दिनों से जमशेदपुर के सोनारी इलाके में छिपकर रह रहा था। पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि स्थायी वारंटी सोनारी क्षेत्र में शरण लेकर रह रहा है और अपनी पहचान छिपाने की कोशिश कर रहा है। सूचना मिलने के बाद अड़की थाना प्रभारी प्रवीण कुमार तिवारी के नेतृत्व में एक विशेष छापामारी टीम का गठन किया गया। टीम ने सूचना का सत्यापन करने के बाद त्वरित कार्रवाई करते हुए जमशेदपुर के सोनारी क्षेत्र में छापा मारा और आरोपित को गिरफ्तार कर लिया। गिरफ्तारी के बाद आरोपित को अड़की थाना लाया गया, जहां उससे पूछताछ की जा रही है। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि आरोपित लंबे समय से फरार था और उसकी गिरफ्तारी पुलिस के लिए एक महत्वपूर्ण सफलता मानी जा रही है। छापेमारी दल में अड़की थाना प्रभारी प्रवीण कुमार तिवारी के अलावा सुधीर कुमार यादव और कुंदन कुमार भी शामिल थे। पुलिस अब आरोपित के खिलाफ आगे की कानूनी कार्रवाई कर रही है।

निर्माणाधीन बस स्टैंड का विधायक ने किया निरीक्षण

पूर्वी सिंहभूम। पूर्वी सिंहभूम जिले के पोटका क्षेत्र में विकास योजनाओं की प्रगति को लेकर विधायक संजीव सरदार सक्रिय नजर आ रहे हैं। बुधवार को उन्होंने प्रखंड के हाता बिरसा चौक स्थित झारखंड सरकार के पंचायती राज विभाग की ओर से लगभग 4.50 करोड़ रुपये की लागत से बनाए जा रहे बस स्टैंड सह मार्केट कॉम्प्लेक्स का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने निर्माण कार्य की गुणवत्ता का बारीकी से जायजा लिया और मौके पर मौजूद संवेदक हरि ओम कंस्ट्रक्शन के प्रतिनिधि को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण में सामने आया कि कॉम्प्लेक्स में करीब 40 दुकानों का निर्माण लगभग पूरा हो चुका है, लेकिन कुछ दुकानों में शटर लगाने का कार्य मानक के अनुरूप नहीं पाया गया। इस पर विधायक ने तत्काल सुधार करने का निर्देश दिया। साथ ही भवन की छत पर कुछ स्थानों पर पानी जमा होने की समस्या भी दिखी, जिसे जल्द ठीक कराने को कहा गया। उन्होंने स्पष्ट किया कि निर्माण कार्य गुणवत्ता के साथ समय पर पूरा होना चाहिए, इसमें किसी भी प्रकार की लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। निरीक्षण के बाद विधायक ने कहा कि क्षेत्र में शिक्षा, स्वास्थ्य और विकास कार्यों को मजबूत बनाना उनकी प्राथमिकता है। उन्होंने चेतावनी दी कि काम में लापरवाही बरतने वालों पर सख्त कार्रवाई की जाएगी, जबकि बेहतर कार्य करने वालों को प्रोत्साहित किया जाएगा।

सारंडा में हाथियों ने स्कूल में घुसकर छात्रों के भोजन सामग्री को खाया, बच्चों में भय

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम जिले के घने सारंडा जंगल क्षेत्र में जंगली हाथियों का आतंक थमने का नाम नहीं ले रहा है। ताजा मामला उत्क्रमित प्राथमिक विद्यालय, हेन्देदिरी का है, जहां बीते मध्य रात्रि दो जंगली हाथी स्कूल परिसर में घुस आए और जमकर उत्पात मचाया। हाथियों ने स्कूल के रसोईघर का दरवाजा तोड़ दिया और अंदर रखे मध्याह्न भोजन के लिए चावल,दाल,सब्जियां समेत अन्य खाद्य सामग्री को खा गए। इसके साथ ही बर्तनों और अन्य सामानों को भी क्षतिग्रस्त कर दिया। घटना के बाद विद्यालय की मध्याह्न भोजन व्यवस्था पूरी तरह से ठप हो गई है। राशन समाप्त हो जाने के कारण बुधवार को स्कूल पहुंचे बच्चों को भोजन नहीं मिल सका। बच्चे जहां भय के माहौल में पढ़ाई करने को विवश हैं,वहीं अभिभावकों में भी बच्चों की सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों की लगातार आवाजाही से क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है। दुविल गांव निवासी वीर सिंह हांसदा ने बताया कि हेन्देदिरी टोला स्थित इस स्कूल में देर रात दो हाथियों ने भारी नुकसान पहुंचाया। उन्होंने बताया कि हाथियों ने न सिर्फ भोजन सामग्री को नष्ट किया,बल्कि स्कूल की संपत्ति को भी काफी क्षति पहुंचाई। ग्रामीणों के अनुसार,हाथी अब भी आसपास के जंगलों में डेरा डाले हुए हैं, जिससे किसी भी समय फिर से घटना होने की आशंका बनी हुई है। स्थानीय लोगों ने वन विभाग और जिला प्रशासन से तत्काल हस्तक्षेप की मांग की है। ग्रामीणों का कहना है कि हाथियों को आबादी वाले क्षेत्र से दूर भगाने के लिए प्रभावी कदम उठाए जाएं और स्कूल को हुए नुकसान की भरपाई के साथ-साथ जल्द से जल्द मध्याह्न भोजन व्यवस्था बहाल की जाए।

पश्चिमी सिंहभूम में नक्सलियों के बीच मुठभेड़,ऑपरेशन जारी, जवान सतर्क

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम जिले के टोंटो-गोइलकेरा थाना क्षेत्र के घने जंगलों में बुधवार को सुरक्षा बलों और माओवादियों के बीच मुठभेड़ हुई, जिसकी आधिकारिक पुष्टि एसपी अमित रेनू ने की है। उन्होंने स्पष्ट कहा कि ऑपरेशन अभी भी जारी है और सुरक्षा बल पूरी सतर्कता के साथ आगे बढ़ रहे हैं। जानकारी के अनुसार, रूटुगुटू जंगल में यह मुठभेड़ उस समय शुरू हुई जब कोबरा 209 बटालियन और अन्य सुरक्षा बलों की संयुक्त टीम सर्च ऑपरेशन चला रही थी। यह अभियान कुख्यात माओवादी और एक करोड़ रुपये के इनामी कमांडर मिसिर बेसरा की तलाश में चलाया जा रहा था। सूत्रों की मानें तो पिछले दो दिनों से सुरक्षा बल गोइलकेरा थाना क्षेत्र के बोरोई और तूनबेड़ा गांवों के आसपास सघन कॉम्बिंग अभियान चला रहे थे। इसी दौरान जवानों की गतिविधियों पर नजर रख रहे माओवादी रूटुगुटू के जंगलों में सामने आ गए,जिसके बाद दोनों ओर से फायरिंग शुरू हो गई। सूत्रों के मुताबिक, मुठभेड़ रुक-रुक कर जारी रही और खबर लिखे जाने तक फायरिंग फिलहाल थम गई थी। हालांकि सुरक्षा बलों ने पूरे इलाके को घेर लिया है और बड़े स्तर पर सर्च ऑपरेशन जारी है। अतिरिक्त जवानों की तैनाती कर दी गई है और इलाके में अलर्ट बढ़ा दिया गया है। एसपी अमित रेनू ने कहा कि सुरक्षा बल पूरी रणनीति के तहत आगे बढ़ रहे हैं और ऑपरेशन का मुख्य उद्देश्य शीर्ष माओवादी नेताओं को पकड़ना या निष्क्रिय करना है। उन्होंने यह भी बताया कि किसी भी स्थिति से निपटने के लिए सभी आवश्यक कदम उठाए जा रहे हैं। एहतियात के तौर पर आसपास के गांवों में सतर्कता बढ़ा दी गई है और ग्रामीणों को जंगलों की ओर न जाने की सलाह दी गई है। नक्सल प्रभावित इस क्षेत्र में सुरक्षा बलों की यह कार्रवाई बेहद महत्वपूर्ण मानी जा रही है।

बिना सूचना मुख्यालय छोड़ने पर जैप-आइआरबी के पांच कमांडेंट से जवाब तलब

एजेंसी। रांची

पुलिस मुख्यालय और वरिष्ठ अधिकारियों को बिना जानकारी दिए मुख्यालय छोड़ने पर जैप, आइआरबी और एसआईआरबी के पांच कमांडेंट से स्पष्टीकरण मांगा गया है। यह कार्रवाई जैप के डीआईजी एस. कार्तिक की रिपोर्ट के आधार पर की गई है। मुख्यालय आईजी ने संबंधित अधिकारियों को नोटिस जारी कर जवाब तलब किया है। पुलिस मुख्यालय से बुधवार को मिली जानकारी के अनुसार जिन अधिकारियों से जवाब मांगा गया है, उनमें जैप-5, जैप-8, जैप-9, आईआरबी-9 और एसआईआरबी-2 के कमांडेंट शामिल हैं। सभी से पूछा गया है कि उन्होंने किन परिस्थितियों में अपने-अपने वाहिनी मुख्यालय को छोड़ा। पुलिस मुख्यालय को दो दिन पहले सूचना मिली थी कि कुछ जिलों के एसपी और जैप-आईआरबी के कमांडेंट बिना अनुमति रांची या अन्य जिलों में चले जाते हैं। इसे अनुशासनहीनता मानते हुए मुख्यालय ने सख्त रुख अपनाया। इसके बाद डीआईजी जैप ने संबंधित अधिकारियों से लाइव लोकेशन मांगी थी। लोकेशन मिलने के बाद उन्होंने अपनी रिपोर्ट मुख्यालय को सौंपी, जिसके आधार पर बाहर पाए गए अधिकारियों से अब स्पष्टीकरण मांगा गया है।

संताल परगना में भूमि अधिग्रहण के खिलाफ माकपा का आंदोलन तेज, मई में दुमका आयुक्त कार्यालय घेराव का ऐलान

एजेंसी। रांची

संताल परगना के जनजातीय इलाकों में कथित भूमि अधिग्रहण, संवैधानिक अधिकारों के हनन और कॉरपोरेट-राज्य गठजोड़ के खिलाफ भारतीय कम्युनिस्ट पार्टी-मार्क्सवादी (माकपा) ने बड़ा आंदोलन छेड़ने की घोषणा की है। पार्टी ने मई के तीसरे सप्ताह में दुमका आयुक्त कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन करने का ऐलान किया है। माकपा का आरोप है कि संताल परगना के आदिवासी क्षेत्रों में जिला प्रशासन, जिला खनन पदाधिकारी (एमडीओ) और स्थानीय दलालों की मिलीभगत से वनाधिकार अधिनियम (एफआरए), पेसा कानून और संथाल परगना काश्तकारी अधिनियम (एसपीटी एक्ट) का खुलेआम उल्लंघन किया जा रहा है। पार्टी का कहना है कि ग्राम सभाओं की अनुमति के बिना सर्वेक्षण और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया चलाई जा रही है, जो पूरी तरह असंवैधानिक और अवैध है। बुधवार को माकपा के एक प्रतिनिधिमंडल ने प्रभावित गांवों का दौरा कर ग्रामीणों से बातचीत की और जमीनी स्थिति का जायजा लिया। इस प्रतिनिधिमंडल में पार्टी के राज्य सचिव प्रकाश विप्लव, राज्य सचिव मंडल सदस्य सुरजीत सिन्हा, राज्य कमेटी सदस्य सुभाष हेम्ब्रम, अमल आजाद और जिला सचिव देवी सिंह पहाड़िया शामिल थे। पार्टी की ओर से जारी प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि प्रशासन ग्राम सभाओं की सर्वोच्चता को नजरअंदाज कर ग्रामीणों पर दबाव बना रहा है। बिना सहमति के जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया चलाना न केवल कानूनी रूप से गलत है, बल्कि यह आदिवासी समुदायों के पारंपरिक और संवैधानिक अधिकारों पर सीधा हमला है। माकपा ने यह भी आरोप लगाया कि जिले में वनाधिकार से संबंधित दर्जनों आवेदन वर्षों से लंबित पड़े हैं। उच्चतम न्यायालय के स्पष्ट निर्देशों के बावजूद लंबित दावों, विशेषकर पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) के मामलों का निपटारा किए बिना जबरन विस्थापन की तैयारी की जा रही है। पार्टी ने इसे पूरी तरह गैरकानूनी और अन्यायपूर्ण बताया। इस बीच प्रभावित गांवों के ग्रामीणों ने सर्वसम्मति से प्रस्ताव पारित कर स्थानीय प्रधानों को 10 दिनों के भीतर औपचारिक ग्राम सभा बुलाने का अल्टीमेटम दिया है। ग्रामीण चाहते हैं कि वन अधिकार समिति का गठन हो और नए दावों का पंजीकरण सुनिश्चित किया जाए। ग्राम सभा की कार्यवाही, प्रस्ताव और दस्तावेजों को राज्यपाल, राष्ट्रपति और उच्च न्यायालय को साक्ष्य के रूप में भेजने की तैयारी की जा रही है। साथ ही एक विशेष उपसमिति का गठन भी किया गया है, जो ग्राम सभाओं को सशक्त बनाने और कानूनी लड़ाई की निगरानी करेगी। माकपा ने स्पष्ट किया है कि यदि प्रशासन ने जनजातीय अधिकारों की रक्षा और भूमि अधिग्रहण की प्रक्रिया पर रोक नहीं लगाई, तो मई के तीसरे सप्ताह में दुमका आयुक्त कार्यालय के समक्ष हजारों ग्रामीणों की भागीदारी के साथ जोरदार प्रदर्शन किया जाएगा। पार्टी ने इसे आदिवासी अस्मिता, जल-जंगल-जमीन और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की निर्णायक लड़ाई बताया है।

आठवें वेतन आयोग के लिए एआईआरटीयू ने भेजे 9 महत्वपूर्ण सुझाव, ट्रैक मेंटेनरों के लिए 70 हजार न्यूनतम वेतन की मांग

एजेंसी। पश्चिमी सिंहभूम

पश्चिमी सिंहभूम जिले के चक्रधरपुर निवासी और ऑल इंडिया रेलवे ट्रैक मेंटेनर यूनियन (एआईआरटीयू) के राष्ट्रीय अध्यक्ष चांद मोहम्मद ने आठवें वेतन आयोग के लिए नौ बिंदुओं पर आधारित विस्तृत सुझाव ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से प्रस्तुत किए हैं। इन सुझावों में विशेष रूप से ट्रैक मेंटेनरों के वेतन, भत्तों, पदोन्नति और सामाजिक सुरक्षा से जुड़े मुद्दों को प्रमुखता से उठाया गया है। बुधवार को चांद मोहम्मद ने बताया कि यूनियन ने फिटमेंट फैक्टर में सम्मानजनक वृद्धि की मांग की है। उन्होंने कहा कि फिटमेंट फैक्टर को न्यूनतम 3.83 निर्धारित किया जाना चाहिए, जिससे कि कर्मचारियों का न्यूनतम वेतन 70 हजार रुपये तक पहुंच सके। इसके साथ ही वार्षिक वेतन वृद्धि को मौजूदा 3 प्रतिशत से बढ़ाकर 10 प्रतिशत किए जाने का भी प्रस्ताव रखा गया है। यूनियन ने ट्रैक मेंटेनरों को मिलने वाले रिस्क एंड हार्डशिप अलाउंस को आर1एच1 श्रेणी में शामिल करने की मांग की है। साथ ही इसे मूल वेतन का 30 प्रतिशत किए जाने की भी मांग रखी गई है। उनका कहना है कि ट्रैक मेंटेनर अत्यंत कठिन और जोखिमपूर्ण परिस्थितियों में काम करते हैं, इसलिए उन्हें उचित आर्थिक सुरक्षा मिलनी चाहिए। इसके अलावा अभियांत्रिकी विभाग के ट्रैक मेंटेनरों को लेवल-6 का लाभ देने और अन्य विभागों की तरह विभागीय परीक्षा (एलडीसीई) में भाग लेने का अवसर देने की मांग भी की गई है। यूनियन का कहना है कि इससे कर्मचारियों को पदोन्नति के बेहतर अवसर मिलेंगे और कार्य के प्रति उनका मनोबल भी बढ़ेगा। सुझावों में रेल सेवा के दौरान किसी कर्मचारी की मृत्यु होने पर मिलने वाली एक्स-ग्रेशिया राशि को बढ़ाकर एक करोड़ रुपये करने की मांग शामिल है। साथ ही कैडर रिस्ट्रक्चरिंग में बदलाव कर प्रमोशन के अवसर बढ़ाने और ग्रुप-डी की सभी नई भर्तियों को ट्रैक मेंटेनर पद पर करने का प्रस्ताव भी दिया गया है। यूनियन ने ट्रैक मेंटेनरों के लिए संक्रमण भत्ता लागू करने की मांग भी उठाई है। उनका कहना है कि कर्मचारियों को कार्य के दौरान गंदगी, धूल और संक्रमण के गंभीर खतरे के बीच काम करना पड़ता है, इसलिए उन्हें यह विशेष भत्ता मिलना चाहिए। इसके अतिरिक्त साइकिल अनुरक्षण भत्ता को मोटरसाइकिल अनुरक्षण भत्ता में परिवर्तित करने और ड्रेस अलाउंस को बढ़ाकर 30 हजार रुपये करने की मांग की गई है। यूनियन का मानना है कि वर्तमान व्यवस्था कर्मचारियों की वास्तविक जरूरतों के अनुरूप नहीं है। चांद मोहम्मद ने पुरानी पेंशन योजना (ओपीएस) को पुनः लागू करने की मांग को भी प्रमुखता से उठाया। उन्होंने कहा कि पेंशन कर्मचारियों के लिए सामाजिक सुरक्षा का सबसे महत्वपूर्ण आधार है और इसे बहाल किया जाना चाहिए ताकि सेवानिवृत्ति के बाद कर्मचारियों को आर्थिक असुरक्षा का सामना न करना पड़े। उन्होंने बताया कि आठवें वेतन आयोग को सुझाव देने के लिए प्रत्येक बिंदु पर विस्तृत विवरण मांगा गया था। यूनियन ने प्रयास किया है कि कर्मचारियों से जुड़े सभी महत्वपूर्ण मुद्दों को संक्षिप्त लेकिन प्रभावी रूप में आयोग के समक्ष रखा जाए, ताकि ट्रैक मेंटेनरों के हितों की बेहतर सुरक्षा सुनिश्चित हो सके।

विद्यार्थियों को अधिकारों और योजनाओं की दी गई जानकारी

एजेंसी। खूंटी

झारखंड राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण (झालसा) के 90 दिवसीय गहन विधिक जागरूकता एवं आउटरीच कार्यक्रम के तहत बुधवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण (डीएलएसए) की ओर से जिला सीएम स्कूल ऑफ एक्सीलेंस में बुधवार को जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में डीएलएसए, खूंटी के एलएडीसी निखिल मेहता और पीएलवी देवराज विद्यालय पहुंचे, जहां लीगल लिटरेसी क्लब के सदस्य भी मौजूद थे। निखिल मेहता ने विद्यार्थियों को प्रोजेक्ट सहयोग के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि इसके तहत महिला अपराध पीड़ितों की पहचान गोपनीय रखते हुए उन्हें जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के माध्यम से मुआवजा प्रदान किया जाता है। इसके साथ ही उन्होंने प्रोजेक्ट वात्सल्य की जानकारी दी, जिसके अंतर्गत सड़क पर रहने वाले बच्चों के समग्र विकास और उन्हें नशे के दुष्प्रभावों से बचाने के लिए कार्य किया जाता है। उन्होंने विद्यार्थियों को नशे के दुष्परिणामों के प्रति सचेत करते हुए कहा कि यह एक बुरी आदत है, जिससे दूर रहना जरूरी है। साथ ही उन्होंने नालसा चाइल्ड फ्रेंडली लीगल सर्विसेज स्कीम, 2024 के बारे में विस्तार से जानकारी दी और छात्रों को उनके मौलिक अधिकारों के प्रति जागरूक किया।

संक्षिप्त समाचार

सीजन के सबसे गर्म दिन के बाद गुरुग्राम में बारिश और ठंडी हवाओं से मौसम हुआ सुहाना

गुरुग्राम, एजेंसी। 41.2 डिग्री सेल्सियस के साथ मंगलवार को सीजन का सबसे गर्म दिन झेलने वाले गुरुग्राम में बुधवार सुबह मौसम ने अचानक करवट ले ली। सुबह करीब 5 :00 बजे तेज हवाओं के साथ घने बादल छा गए और वातावरण में ठंडक घुलने लगी। भीषण गर्मी से जूझ रहे लोगों के लिए यह बदलाव किसी राहत से कम नहीं रहा। करीब 5 :30 बजे शहर के कई इलाकों में तेज वर्षा शुरू हो गई, जिससे तापमान में गिरावट दर्ज की गई। इसके साथ ही चली ठंडी हवाओं ने मौसम को पूरी तरह सुहाना बना दिया। जहां एक दिन पहले तक लोग लू

और तपिश से बेहाल थे, वहीं आज सुबह का मौसम खुशनुमा नजर आया। सुबह से ही आसमान में घने बादल छाए हुए हैं, जिससे दिनभर तापमान सामान्य से नीचे रहने की संभावना जताई जा रही है। मौसम विभाग के पूर्वानुमान के अनुसार अगले कुछ घंटों में भी हल्की से मध्यम वर्षा जारी रह सकती है। इससे गर्मी से राहत मिलने का सिलसिला जारी रहने की उम्मीद है। मौसम विशेषज्ञों का कहना है कि हालांकि यह राहत अस्थायी हो सकती है, लेकिन फिलहाल लोगों को भीषण गर्मी से कुछ समय के लिए राहत जरूर मिली है।

आधार लिंकिंग ने पकड़ा स्कूलों में फर्जी नामांकन का खेल, 10 लाख छात्र कम हुए

रायपुर। छत्तीसगढ़ के सरकारी स्कूलों में यू डाइस सिस्टम (स्कूली शिक्षा प्रबंधन सूचना प्रणाली) में नाम और आधार एंट्री अनिवार्य होने के बाद विद्यार्थियों की संख्या लगभग 10 लाख घट गई है। वर्ष 2024 से 2026 के बीच प्रदेश के सरकारी स्कूलों में पहली से 10वीं कक्षा तक के विद्यार्थियों के आधार लिक करने से फर्जी नामांकन उजागर हुए हैं। डिजिटल सत्यापन के बाद इनकी वास्तविक संख्या सामने आई है। वर्ष 2024 में जहां 53.69 लाख विद्यार्थियों को किताबें बांटी गई थीं, वहीं 2026 में यह संख्या घटकर 43 लाख रह गई है। इससे अब लगभग 50 लाख किताबें कम छापनी होंगी। वर्षों तक स्थिर रहे आंकड़ों में अचानक आई इस कमी ने निःशुल्क किताब वितरण और शिक्षा विभाग के खर्च पर सवाल खड़े कर दिए हैं। विशेषज्ञ इसे घोस्ट स्टूडेंट्स और फर्जी नामांकन पर नकेल का परिणाम मान रहे हैं।

क्या मजाक चल रहा है, आपने रोड सेफ्टी ऑडिट क्यों नहीं कराया

फरीदाबाद में अधिकारियों से बोले कमिश्नर

फरीदाबाद, एजेंसी। दिल्ली-मुंबई एक्सप्रेसवे और दिल्ली-आगरा हाईवे पर प्रतिदिन सैकड़ों वाहन गलत दिशा में चलते हैं और पुलिस एक भी वाहन को जब्त नहीं कर पा रही है। केवल चालान करने से कुछ नहीं होगा। ऐसे वाहन चालकों के खिलाफ तो सख्त कार्रवाई होनी चाहिए, तभी कुछ सुधार हो सकता है। आप कह रहे हो कि पुलिस वाहन जब्त नहीं कर सकती, मैं दो मिनट में मोटर व्हीकल एक्ट देखकर बता दूंगा कि कैसे वाहन जब्त करना है। अगली मीटिंग में मुझे यह बताना होगा कि कितने ऐसे वाहन जब्त किए हैं। कुछ इस तरह की टिप्पणी जिला उपायुक्त आयुष सिन्हा ने मंगलवार को सड़क सुरक्षा समिति की बैठक में की। उपायुक्त बैठक में मौजूद यातायात पुलिस थाना प्रभारी सहित अन्य यातायात निरीक्षकों से जवाब मांग रहे थे। दरअसल गलत दिशा में चलने वाले वाहन चालकों की वजह से बढ़ रहे हादसे और पुलिस की सख्ती न होने

को लेकर जिला उपायुक्त नाराज थे। मौके पर एसीपी यातायात शैलेंद्र ने बताया कि पुलिस ने मार्च में ही ऐसे वाहन चालकों के 943 चालान किए हैं और जिन लोगों के पास वाहन के पूरे दस्तावेज होते हैं, उन वाहनों को पुलिस कैसे जब्त कर सकती है लेकिन आश्वस्त भी किया कि अब पुलिस सख्त कार्रवाई करेगी। रोड सेफ्टी ऑडिट को लेकर जिला उपायुक्त ने नाराजगी जाहिर करते हुए कहा कि यह क्या मजाक चल रहा है, आपने अभी तक अपनी सड़कों का सेफ्टी ऑडिट क्यों नहीं कराया। जबकि दो महीने पहले ही आदेश दे दिए गए थे। अब एक सप्ताह में पूरी रिपोर्ट बताई जाए कि इस दिशा में क्या कदम उठाया गया है। करीब दो महीने पहले जिला उपायुक्त ने बैठक में आदेश दिए थे कि सभी संबंधित विभाग अपनी-अपनी सड़कों का सेफ्टी ऑडिट कराएंगे।

ग्रिल पर लगेगी फाइबर-मेटालिक शीट

बैठक में सड़क दुर्घटनाओं के कारणों की पहचान, डेथ आडिट, रोड सेफ्टी आडिट तथा दुर्घटना संभावित क्षेत्रों में सुधारात्मक कदम उठाने पर विस्तृत चर्चा की गई। बैठक में निर्णय लिया गया कि हाईवे पर अवैध रूप से सड़क पार करने वाले पैदल यात्रियों को रोकने के लिए एलसन चौक, जेसीबी और अनाज मंडी जैसे अति-संवेदनशील प्वाइंट पर 20 दिन के भीतर विशेष फाइबर-मेटालिक शीट और ग्रिल लगाई जाएंगी।

नोएडा में श्रमिकों के असंतोष पर प्रशासन अलर्ट, अराजक तत्वों पर 57 सेक्टर मजिस्ट्रेट रखेंगे निगरानी

नोएडा, एजेंसी। वेतन वृद्धि समेत अन्य मुद्दों पर श्रमिकों में अभी भी असंतोष की स्थिति नजर आने पर जिला प्रशासन व पुलिस विभाग अलर्ट हो गया है। मई के पहले सप्ताह में वेतन मिलने की तिथि पर प्रशासन की कड़ी नजर बनी हुई है। जिला प्रशासन ने अराजक तत्वों पर निगरानी रखने के लिए 57 सेक्टर मजिस्ट्रेट बनाकर उन्हें विभिन्न क्षेत्रों की जिम्मेदारी सौंपी गई है। पुलिस कमिश्नर ने भी स्थिति को भांपते हुए बड़ी संख्या में पुलिस बल को रिजर्व कर लिया है। चप्पे-चप्पे पर सीसीटीवी कैमरे और अन्य खुफिया तंत्रों से सूचनाएं जुटाई जा रही हैं। जिलाधिकारी मेधा रूपम ने बताया कि शासन ने स्पष्ट तौर पर औद्योगिक इकाइयों में कार्यरत श्रमिकों के वेतन वृद्धि समेत अन्य मुद्दों को मान लिया है। इस संबंध में शासन से लिखित निर्देश भी दिए जा चुके हैं। प्रशासन के बेहतरीन प्रयास से औद्योगिक इकाइयों में श्रमिक दोबारा काम पर लौट रहे हैं। साथ ही श्रमिकों को स्वास्थ्य सुविधाएं देने के लिए 24 अप्रैल

से 25 स्थानों पर जांच शिविर लगाए जा रहे हैं। हालांकि, श्रमिकों में अभी भी वेतन वृद्धि के मसले पर असंतोष या असमंजस की स्थिति है।

प्रशासनिक अधिकारी उनकी इस दुविधा को दूर करने के लिए श्रमिक संगठन व उद्यमियों से बैठकें भी कर चुका है। इसी बीच डीएम ने विभिन्न औद्योगिक इकाइयों में शांति व्यवस्था बरकरार रखने के लिए 57 सेक्टर मजिस्ट्रेट को जिम्मेदारी सौंपी है।

एक मई को लेकर पुलिस अलर्ट

एक मई को लेकर नोएडा पुलिस अलर्ट है। पुलिस आयुक्त लक्ष्मी सिंह ने मंगलवार को तीनों जोन के पुलिस अधिकारी और थाना प्रभारियों संग आनलाइन बैठक की। एक मई को लेकर पुलिसकर्मियों की ड्यूटी लगाने से लेकर शांतिपूर्ण तरीके से मई दिवस मनवाने पर जोर है।

उधर, पुलिस अधिकारियों की ओर से तीनों जोन में औद्योगिक इकाईयों में मानदेय बंटने को लेकर जानकारी जुटाई जा रही है। साथ ही एक मई को हर फैक्ट्री के आसपास पुलिस कर्मी तैनात रखने और मोबाइल टीम को गश्त करने पर जोर है।

इसको लेकर पुलिस अधिकारी भी मंथन कर रहे हैं। तीनों जोन में ड्यूटी चार्ट भी बनाए जा रहे हैं।

गाजियाबाद में 7 मई तक श्रमिकों को बढ़ा वेतन देना अनिवार्य, नहीं दिया तो फर्म होगी ब्लैक लिस्ट

गाजियाबाद, एजेंसी। शासन ने सभी कारखानों व वाणिज्यिक अधिष्ठानों में कार्यरत श्रमिकों के वेतन की दर में शासन द्वारा एक

अप्रैल से बढ़ोत्तरी की गई है, सात मई तक सभी श्रमिकों को नई दर से वेतन का भुगतान करना सुनिश्चित किया जाए। यदि श्रमिकों को बढ़ी हुई दर से वेतन का भुगतान नहीं किया गया तो संबंधित फर्म का लाइसेंस दर कर उसे ब्लैक लिस्ट कर दिया जाएगा। स्पष्ट तौर पर यह निर्देश मंगलवार को विभिन्न उद्योग संगठनों के साथ कलक्ट्रेट में आयोजित बैठक में जिलाधिकारी रविंद्र कुमार माँदड़ ने दिए हैं। जिलाधिकारी ने बताया कि नए नियम के तहत जिले में कार्यरत अकुशल श्रेणी के श्रमिकों के लिए 13,690 रुपये प्रतिमाह, अर्द्धकुशल के लिए 15,049 रुपये प्रतिमाह और कुशल श्रेणी के श्रमिकों के लिए 16,868 रुपये प्रतिमाह वेतन दिया जाना है। इसके अतिरिक्त यदि किसी श्रमिक से आठ घंटे के बाद कार्य कराया जाता है तो उसे नियमानुसार दोगुनी दर से ओवरटाइम का भुगतान करना होगा। सभी सेवायोजक नई दर से श्रमिकों को वेतन का भुगतान सुनिश्चित करने के लिए एक प्रतिनिधि को नियुक्त करें। बैठक के दौरान उपनिदेशक कारखाना को निर्देश दिए गए हैं कि कार्यस्थल पर श्रमिकों की सुरक्षा और मूलभूत सुविधा दिलाना सुनिश्चित करें। समय-समय पर मेडिकल शिविर भी लगाए जाएं, जिससे कि श्रमिकों के स्वास्थ्य की जांच हो सके। इसमें किसी प्रकार की लापरवाही नहीं होनी चाहिए। इस मौके पर उप श्रमायुक्त अनुराग मिश्र उपस्थित रहे।

पुलिसकर्मियों को जन्मदिन और सालगिरह पर मिलेगी स्पेशल लीव, वर्क-लाइफ बैलेंस पर जोर

हैदराबाद, एजेंसी। तेलंगाना पुलिस ने अपने कर्मियों के लिए महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए जन्मदिन और शादी की सालगिरह पर विशेष छुट्टी देने की घोषणा की है। इस पहल से पुलिस बल के मनोबल में इजाफा होने और बेहतर वर्क-लाइफ बैलेंस सुनिश्चित करने की उम्मीद है।डायरेक्टर जनरल ऑफ पुलिस द्वारा जारी सर्कुलर में कहा गया है कि पुलिस की नौकरी अत्यंत चुनौतीपूर्ण और थकाऊ होती है। इसलिए पुलिसकर्मियों को उनके महत्वपूर्ण व्यक्तिगत अवसरों पर छुट्टी देकर उन्हें परिवार के साथ समय बिताने का मौका दिया जाएगा। यह फैसला पूरे पुलिस बल के कल्याण को ध्यान में रखकर लिया गया है।सर्कुलर के अनुसार, सभी यूनिट अधिकारियों को जन्मदिन और वेडिंग एनिवर्सरी पर छुट्टी मंजूर करने के निर्देश दिए गए हैं। छुट्टी केवल असाधारण परिस्थितियों में ही रोकी जा सकती है। सर्कुलर में साफ लिखा गया है कि सैंक्शनिंग अथॉरिटी छुट्टी मंजूर करेगी, जब तक कि इसे अस्वीकार करना बहुत जरूरी न हो। यह छुट्टी किसी भी कर्मी को स्वतः नहीं मिलेगी। छुट्टी लेने के लिए कर्मी को पहले से लिखित आवेदन करना होगा और जन्मदिन या शादी की सालगिरह का वैध प्रमाण पत्र जमा करना अनिवार्य होगा। बिना सही दस्तावेजों के छुट्टी नहीं दी जाएगी। इस पहल को पुलिसकर्मियों द्वारा दिखाए गए अथक समर्पण और निष्ठा के प्रति सराहना के रूप में भी देखा जा रहा है। सर्कुलर में कहा गया है कि तेलंगाना पुलिस का हर सदस्य, चाहे वह किसी भी रैंक का हो, इन विशेष मौकों को अपने परिवार के साथ मना सके, यही इसका मुख्य उद्देश्य है।यह फैसला राज्य के पुलिसकर्मियों में काफी सराहा जा रहा है। इसे पुलिस बल के कल्याण और उनके कार्य-जीवन संतुलन को सुधारने की दिशा में एक अच्छा कदम माना जा रहा है। उम्मीद है कि यह पहल पुलिसकर्मियों के मनोबल को और मजबूत बनाएगी।

25 साल लंबी कानूनी जंग का अंत, सुप्रीम कोर्ट में भी एलएंडटी को नहीं मिली राहत

नईदिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने एलएंडटी की एक स्पेशल लीव पिटीशन को खारिज कर दिया है। इसके साथ ही, बांद्रा के पाली हिल रोड पर स्थित एक प्राइम रेजिडेंशियल प्रॉपर्टी को लेकर चल रही लंबी कानूनी लड़ाई खत्म हो गई। इस प्रॉपर्टी में कंपनी के पूर्व चेयरमैन और मौजूदा चेयरमैन एमेरिटस ए.एम. नाइक, पिछले 20 साल से ज्यादा समय से रह रहे थे। कंपनी ने दावा किया था कि वह इस प्रॉपर्टी की लगभग 30 प्रतिशत मालिक है। इसीलिए अब उसे हाई ट्रीज नाम के बंगले का कब्जा मिलना चाहिए। मालूम हो कि, यह बंगला पाली हिल के पॉश रेजिडेंशियल इलाके में अभी भी मौजूद कुछ हेरिटेज प्रॉपर्टीज में से एक है। सुप्रीम कोर्ट के इस फैसले से बॉम्बे हाई कोर्ट का आदेश बरकरार रह जाएगा। दरअसल, यह लड़ाई साल 1970 में तब शुरू हुआ जब इस घर का औपचारिक लीज एग्रीमेंट खत्म हो गया।

यूपी में नंबर-1 बना गाजियाबाद: 91.17% किसानों की फार्मर आईडी बनी, टॉप-10 में मेरठ मंडल का इकलौता जिला

गाजियाबाद, एजेंसी। केंद्र व प्रदेश सरकार द्वारा किसानों के लिए संचालित योजनाओं का लाभ प्रत्येक किसान को पारदर्शी तरीके से मिल सके, इसके लिए प्रत्येक फार्मर आइडी बनाने का कार्य किया जा रहा है। फार्मर आइडी बनाने के मामले में उत्तर प्रदेश में गाजियाबाद पहले नंबर पर है। इस संबंध में मंगलवार शाम को रिपोर्ट जारी की गई है, शीर्ष दस जिलों में मेरठ मंडल का कोई दूसरा जिला शामिल नही है। गाजियाबाद जिले में कुल 61,090 किसान हैं, जिनकी फार्मर आइडी बनाई जानी है। वर्तमान में जिले में 55,693 किसानों की फार्मर आइडी बनाई जा चुकी है। जिले में सदर, लोनी और मोदीनगर कुल तीन तहसील हैं। फार्मर रजिस्ट्री के कार्य में जिले में तहसील सदर पहले नंबर पर है, यहां पर 98.45 प्रतिशत किसानों की फार्मर आइडी बन गई है। दूसरे नंबर पर मोदीनगर तहसील है, जहां पर 93.23 प्रतिशत किसानों की फार्मर आइडी बनाई जा चुकी है।

लोनी में 76.93 प्रतिशत किसानों की फार्मर आइडी बनाने का कार्य पूरा कर लिया गया है। उप कृषि निदेशक राम जतन मिश्र ने बताया कि फार्मर रजिस्ट्री के तहत किसान के खेत से जुड़े सभी दस्तावेजों को आधार से लिंक किया जाता है। इसके बाद किसान को एक यूनिक

आइडी नंबर दिया जाता है। इस यूनिक आइडी का प्रयोग कर किसान अपनी कृषि भूमि का विवरण प्राप्त कर सकता है, इसके लिए उसे तहसील जाने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी। किसानों को लोन मिलने में भी आसानी होगी। 15 मई के बाद खाद सिर्फ उन्हीं किसानों को मिलेगा, जिनका फार्मर रजिस्ट्री का कार्य पूरा हो गया होगा। भविष्य में सरकारी योजनाओं का लाभ भी सिर्फ फार्मर रजिस्ट्री कराने वाले किसानों को ही मिलेगा। इसलिए सभी किसानों से अपील की जा रही है कि वे फार्मर आइडी जल्द से जल्द बनवा लें, यदि किसी किसान को समस्या हो तो जिला कृषि अधिकारी या संबंधित तहसील के एसडीएम के पास जाकर अपनी समस्या बता सकता है, उसकी मदद की जाएगी।

उप कृषि निदेशक ने बताया कि दस दिन पहले तक 82 प्रतिशत किसानों की फार्मर रजिस्ट्री होने के कारण प्रदेश में गाजियाबाद आठवें स्थान पर था, इसके बाद जिलाधिकारी के निर्देश पर कृषि विभाग और राजस्व विभाग के कर्मचारियों को किसानों के घर पर भी भेजा गया है। खासतौर पर ऐसे किसान, जिनका स्वर्गवास होने के बाद जमीन उनके परिवार के सदस्यों के नाम पर दर्ज हो गई है।

नारी शक्ति वंदन विधेयक पर दिल्ली में भाजपा का मशाल जुलूस, विपक्ष पर महिला विरोधी राजनीति का आरोप लगाया

नई दिल्ली, एजेंसी। नारी शक्ति वंदन अधिनियम संशोधन विधेयक को लोकसभा में समर्थन नहीं देने वाले विपक्षी पार्टियों के विरुद्ध भाजपा ने मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता के नेतृत्व में कनाट प्लेस में मशाल जुलूस निकाला। मुख्यमंत्री ने कहा कि अपने घर परिवार की महिलाओं से आगे विपक्ष को कुछ दिखाई नहीं देता जिसके चलते साधारण महिला चुनाव नहीं लड़ सकती हैं। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि विपक्षी दलों का महिला विरोधी चेहरा पूरी तरह उजागर हो गया हैं। सांसद कमलजीत सहरावत ने कहा कि विधेयक को पास कराने के लिए विपक्ष का सहयोग चाहिए था लेकिन नहीं दिया। सांसद बांसुरी स्वराज ने कहा कि नारी शक्ति का अब अपमान हिंदुस्तान नहीं सहने वाला है। सांसद स्वाति मालीवाल ने कहा कि आज जो हम लडाई लड़ रहे हैं वह सिर्फ इसलिए है कि हमारी आने वाली पीढ़ियों को यह लडाई ना लड़नी पड़े। विधायक शिखा राय ने कहा कि यह विधेयक महिलाओं को राजनीति में आगे बढ़ो की सीढ़ी थी। प्रदेश भाजपा महिला मोर्चा की अध्यक्ष ऋचा पांडेय मिश्रा ने कहा कि अगर महिलाओं के लिए संसद में आरक्षण बढ़ेगा, तो उनकी आवाज़ भी मजबूत होगी।

मुंबई में धड़ाम हुए तरबूज के दाम, एक ही परिवार के चार लोगों की मौत के बाद लोगों ने बनाई दूरी

मुंबई, एजेंसी। नवी मुंबई के फलों के बाजार में तरबूज की कीमतें अचानक गिरकर 7 रुपये प्रति किलोग्राम तक पहुंच गई हैं। ऐसा इसलिए हुआ

क्योंकि, पिछले हफ्ते मुंबई में बिरयानी और तरबूज खाने से एक ही परिवार के चार लोगों की मौत होने की खबर सामने आई थी।

इसके बाद से तरबूज की मांग में भारी गिरावट आ गई है। गर्मियों में सबसे ज्यादा खाया जाने वाला यह फल, इस वक्त नवी मुंबई के एपीएमसी में 5 से 7 रुपये प्रति किलोग्राम के हिसाब से बिक रहा है।

जबकि यह मंडी एशिया के सबसे बड़े थोक कृषि बाजारों में से एक है। मांग और दाम में कमी आने से व्यापारियों को भारी आर्थिक नुकसान हो रहा है। आम तौर पर यह फल थोक में 10-35 रुपये प्रति किलोग्राम के भाव बिकता है, जबकि खुदरा कीमतें 30 से 100 रुपये प्रति किलोग्राम के बीच होती हैं। मालूम हो कि, दक्षिण मुंबई के रहने वाले अब्दुल्लाह डोकड़िया (40), उनकी पत्नी नसरीन डोकड़िया (35) और बेटियां आईशा (16) व जैनब (13) ने शनिवार रात अपने घर पर मिलन-समारोह के बाद तरबूज के टुकड़े खाए थे।

इसके बाद सभी को जोरदार उल्टी और दस्त की शिकायत हुई, और कुछ ही घंटों के भीतर, इलाज के दौरान चारों की मौत हो गई।मंगलवार को फोरेंसिक टीम ने उनके घर की छानबीन की और परिवार के आखिरी भोजन में शामिल हर चीज के नमूने इकट्ठा किए।

जिसमें चिकन पुलाव, तरबूज, पानी और अन्य खाद्य पदार्थ शामिल थे। इसके बाद सैंपल को फोरेंसिक साइंस लेबोरेटरी भेज दिया। पोस्टमॉर्टम के बाद, एक शुरुआती रिपोर्ट में इस बात की पुष्टि हुई कि चारों की मौत संभवत फूड पॉइजनिंग (भोजन विषाक्तता) के कारण हुई थी। हालांकि यह पहली नजर में फूड पॉइजनिंग का मामला लगता है, लेकिन इस बात की भी जांच की जा रही है कि क्या परिवार किसी तरह के तनाव में था और क्या यह आत्महत्या का मामला था। अब्दुल्ला के बैंक स्टेटमेंट की जांच की जा रही है, ताकि यह पता चल सके कि क्या वह आर्थिक कारणों से किसी तनाव में थे।

सोनम रघुवंशी को कैसे मिली जमानत? पुलिस के टाइपो एरर ने पलटा पासा

मेघालय , एजेंसी। मेघालय में हनीमून के दौरान अपने पति की हत्या करने मामले में सोनम रघुवंशी को कोर्ट ने जमानत दे दी है। जानकारी के अनुसार, सोनम को शायद एक टाइपिंग गलती के कारण जमानत मिली है। जबकि, इससे पहले उसकी जमानत तीन बार खारिज हो चुकी थी।

दरअसल, राजा रघुवंशी की हत्या के बाद जो प्रथम सूचना रिपोर्ट दर्ज की गई थी। उसमें बीएनएस की धारा 403 (1) का उल्लेख किया गया था। जबकि, बीएनएस, जिसने 1 जुलाई, 2024 को भारतीय दंड संहिता की जगह ली। उसमें धारा 403 (1) जैसी कोई धारा नहीं है।

वहीं, आइपीसी के तहत, धारा 403 (1) संपत्ति में बेईमानी को लेकर संबंधित थी। अदालत ने इस गलती को लेकर कहा, गिरफ्तारी के कारणों की सूचना को सरसरी तौर पर देखने से पता चलता है कि, याचिकाकर्ता को बीएनएस की धारा 103(1) के तहत अपराध के बारे में सूचित नहीं किया गया था। हालांकि यह तर्क दिया गया

कि, यह एक टाइपिंग गलती हो सकती है, फिर भी ऐसी गलती सभी दस्तावेजों में नहीं हो सकती है।

गिरफ्तारी के पहले आरोपी को अपराध बताना जरूरी : कोर्ट: इसके साथ ही पूर्वी खासी हिल्स जिला अदालत ने पाया कि, सोनम रघुवंशी से संबंधित सभी दस्तावेजों में गिरफ्तारी के औचित्य की चेकलिस्ट, गिरफ्तारी मेमो, निरीक्षण मेमो, गिरफ्तार व्यक्ति के अधिकारों की सूचना, केस डायरी का सारांश, जिन भी धाराओं के तहत किया गया है। उसको लेकर किसी भी दस्तावेज में याचिकाकर्ता को यह सूचित नहीं किया गया कि, उसे बीएनएस की धारा 103(1) के तहत अपराध के लिए गिरफ्तार किया गया है।

कोर्ट ने यह भी कहा कि, गिरफ्तारी के आधार, गिरफ्तारी की जानकारी दिए जाने से पहले ही मौजूद होने चाहिए। इसके अलावा, कोर्ट ने यह भी पाया कि तैयार किए गए फॉर्मेट में मौजूद किसी भी चेकबॉक्स पर टिक नहीं किया गया था, जिससे सोनम पर लगे आरोपों का पता चल सके। इसके अलावा कोर्ट ने आगे यह भी पाया कि, रिकॉर्ड में ऐसा कुछ भी मौजूद नहीं था। जिससे यह साबित हो सके कि, जब सोनम को पहली बार गाजीपुर की कोर्ट में पेश किया गया था। तब उसकी तरफ से कोई वकील मौजूद था; अगर वकील होता, तो यह आपत्ति पहले ही उठाई जा सकती थी।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

संपादकीय

महाशक्ति की सुरक्षा में सेंध

अमेरिका जैसे देश में राष्ट्र प्रमुख की सुरक्षा का घेरा दुनिया में सबसे मजबूत माना जाता है, लेकिन यहां भी अगर सुरक्षा में चूक हो जाए, तो इसे क्या कहा जाएगा? अमेरिका की राजधानी वाशिंगटन में मीडिया कर्मियों के लिए आयोजित रात्रिभोज में गोलीबारी की घटना ने दुनिया भर में सबके कान खड़े कर दिए हैं। यह वारदात ऐसे मौके पर हुई, जब यहां राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, उनकी पत्नी एवं प्रथम महिला मेलानिया ट्रंप समेत कई बड़े नेता मौजूद थे। हालांकि बाद में सुरक्षाकर्मियों ने हमलावर को गिरफ्तार कर लिया, लेकिन सवाल है कि विश्व की महाशक्ति होने का दंभ भरने वाले अमेरिका के राष्ट्रपति की सुरक्षा में अपने ही देश के भीतर इस तरह की चूक कैसे हो सकती है?कड़ी सुरक्षा व्यवस्था के बीच हमलावर आयोजन स्थल में सेंध लगाने में कैसे कामयाब हो गया! गोलीबारी की वजह से पूरे परिसर में अफरा-तफरी मच गई और ट्रंप को उनकी पत्नी के साथ तत्काल सुरक्षित स्थान पर ले जाना पड़ा। यह घटना सिर्फ अमेरिका के लिए नहीं, बल्कि उन तमाम देशों के लिए भी सबक है, जो मानते हैं कि उनके शीर्ष नेतृत्व की सुरक्षा अभेद्य है।प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि हमलावर ट्रंप प्रशासन के अधिकारियों को निशाना बनाना चाहता था, लेकिन यहां राष्ट्रपति की मौजूदगी से मामले की गंभीरता का अंदाजा सहज ही लगाया जा सकता है। गौरतलब है कि डोनाल्ड ट्रंप पर पहले भी दो बार हमले हो चुके हैं, हालांकि यह बात अलग है कि उस दौरान वे अमेरिका के राष्ट्रपति पद पर नहीं थे। मार्च 2016 में लास वेगास में राष्ट्रपति के चुनाव प्रचार के दौरान रैली में एक व्यक्ति ने मंच के पास पहुंचकर ट्रंप की सुरक्षा में तैनात पुलिस अधिकारी का हथियार छीनने की कोशिश की थी।हिरासत में पूछताछ में उसने स्वीकार किया था कि वह ट्रंप को नुकसान पहुंचाना चाहता था। इसके बाद जुलाई 2024 में चुनावी रैली में ट्रंप पर उस समय खतरनाक हमला हुआ था, जब वह मंच से भाषण दे रहे थे। मगर गनीमत रही कि हमलावर की ओर से चलाई गई गोली उनके दाहिने कान के ऊपरी हिस्से को छूकर निकल गई। यह बात समझ में आती है कि इन दो घटनाओं के दौरान ट्रंप राष्ट्रपति नहीं थे, इसलिए उनकी सुरक्षा का दायरा उतना बड़ा नहीं था, लेकिन उनके राष्ट्रपति होते हुए अगर सुरक्षा में किसी तरह की चूक होती है, तो व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठना स्वाभाविक है।इस घटना की शुरुआती जांच में एक बात यह भी निकलकर सामने आई है कि हमलावर सोशल मीडिया पर ट्रंप विरोधी टिप्पणियां करता रहा है और वह उस होटल में कुछ दिन पहले ठहरा था, जहां यह समारोह आयोजित किया गया था। यानी उसने आयोजन स्थल को पहले ही अच्छी तरह जांच परख लिया था और उसके बाद सुनियोजित तरीके से कार्यक्रम में घुसने की साजिश रची। यही नहीं खबरों के मुताबिक, हमलावर के परिवार ने उसकी मंशा को लेकर कानून प्रवर्तन एजेंसियों को पहले सतर्क भी किया था।

इंसान एक अधूरी कविता नहीं है

कभी किसी शांत पल में खुद से पूछिए कि क्या आप अपने आप से संतुष्ट हैं? पूरी तरह। बिना किसी शर्त के। अधिकतर लोगों का उत्तर होगा कि नहीं। कुछ न कुछ कमी लगती है। काश थोड़ा और पैसा होता। काश थोड़ी और पहचान होती। काश शरीर ऐसा होता, व्यक्तित्व वैसा होता। यह 'काश' की सूची कभी खत्म नहीं होती। और इसी सूची को हम अपनी पहचान मान बैठते हैं। अगर हम देखें तो हम सब एक अधूरी कविता की तरह जीते हैं। हमें लगता है कि कुछ पंक्तियां अभी लिखी जानी बाकी हैं। कुछ छंद अभी अधूरे हैं। और जब तक वे पूरे नहीं होते, हम खुद को संपूर्ण नहीं मान सकते। लेकिन क्या कभी वह दिन आता है जब हम कहते हैं कि हां, अब सबकुछ पूरा हो गया है। अब मैं पूर्ण हो गया हूं।जी नहीं। वह नहीं आता। क्योंकि यह पूर्णता की तलाश मन की प्रकृति है। यह तलाश चलती रहती है और मन कभी तृप्त नहीं होता। एक लक्ष्य पूरा होते ही दूसरा सामने आ जाता है। एक उपलब्धि मिलते ही उसकी चमक फीकी पड़ जाती है। हम सोचते हैं कि जब यह मिल जाएगा, तब चैन मिलेगा। पर वह तब कभी नहीं आता। यह दौड़ बाहर की नहीं, भीतर की है। और इस दौड़ की जड़ में है एक गहरी धारणा कि हम जैसे हैं, वैसे पर्याप्त नहीं हैं। अब सवाल यह है कि यह धारणा कहां से आई? इस धारणा का बनना बचपन से ही शुरू हो गया। जब किसी और की तुलना में हमें कम आंका गया। जब प्रेम शर्तों के साथ मिला। जब सफलता को ही स्वीकृति का पैमाना बनाया गया। धीरे-धीरे हमने मान लिया कि हमारा मूल्य हमारी उपलब्धियों में है, हमारे होने में नहीं। और तब से हम उस अदृश्य परीक्षा में बैठे हैं।

परिवर्तन तब होगा जब सड़क के साथ-साथ शासन के संकल्प धरातल पर दिखाई देंगे।। जब किसान को उचित मुआवजा मिलेगा, इन चुनौतियों के बावजूद, यह स्वीकार करना होगा कि गंगा एक्सप्रेसवे मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उस सोच की अभिव्यक्ति है जो मानते हैं कि उत्तर प्रदेश अब केवल 'सबसे बड़े राज्य' के अभिमान से नहीं, बल्कि 'सबसे तेज विकसित होते राज्य' की वास्तविकता से पहचाना जाएगा।

गंगा एक्सप्रेसवे- आर्थिक पुनर्जागरण की जीवंत रेखा

(संजय सिन्हा)

किसान की सबसे बड़ी पीड़ा यह नहीं है कि वह मेहनत नहीं करता, बल्कि यह है कि उसकी मेहनत का सही मूल्य उसे नहीं मिलता। फसल खेत में पकती है, लेकिन मंडी तक पहुंचते-पहुंचते उसकी ताजगी और उसकी कीमत दोनों गिर जाती हैं।गंगा की धारा जब किसी पत्थर से टकराती है, तो वह उसे काटती नहीं, बल्कि उसे घिसते-घिसते अपने रास्ते की शक्ल में ढाल लेती है। उत्तर प्रदेश की नियति भी कुछ ऐसी ही रही है । इस भूमि ने सभ्यताएं जन्मी हैं, क्रांतियां बोई हैं, फिर भी एक दशक पहले तक एक विडंबना इसके माथे पर चिपकी रही कि यह राज्य, जो देश की आबादी का छठा हिस्सा समेटे है, विकास की दौड़ में अक्सर पिछली पंक्ति में ही खड़ा दिखाई पड़ा। इतिहास की यह विरोधाभासी विरासत अब एक नए अध्याय की दहलीज पर खड़ी है और उस दहलीज का नाम है गंगा एक्सप्रेसवे, जो यूपी सरकार के संकल्प के एक बड़े प्रतिमान के रूप में अब साकार रूप में है। 594 किलोमीटर.मेरठ से प्रयागराज यह केवल एक सड़क की लंबाई नहीं है, बल्कि उस सोच की लंबाई है, जो मानती है कि किसी राज्य को बदलने के लिए पहले उसकी नसों में नई रक्त-संचार व्यवस्था बनानी पड़ती है। जब कोई जमीन पर इतनी बड़ी रेखा खींची जाती है, तो वह केवल भूगोल नहीं बदलती, वह उस भूगोल में जीने वाले लोगों की संभावनाओं का नक्शा बदल देती है। गंगा एक्सप्रेसवे उत्तर प्रदेश के लिए ऐसा ही एक परिवर्तनकारी हस्तक्षेप है, जिसे समझने के लिए केवल इंजीनियरिंग की नहीं, बल्कि अर्थशास्त्र, समाजशास्त्र और दूरदर्शिता की भाषा जाननी होगी। उत्तर प्रदेश का एक पुराना घाव है पश्चिम और पूर्व के बीच की खाई। पश्चिमी उत्तर प्रदेश, जो मेरठ, नोएडा, गाजियाबाद, आगरा जैसे शहरों से परिभाषित होता है, में उद्योग हैं, बाज़ार हैं, रोजगार है, और एक खास किस्म की आधुनिकता भी है। लेकिन, जैसे-जैसे आप पूर्व की ओर बढ़ते हैं प्रयागराज, वाराणसी, आजमगढ़, बलियाज्एक अलग उत्तर प्रदेश मिलता है। वहां खेत हैं, मंदिर हैं, नदियां हैं, और असीम मानवीय संभावनाएं भी हैं, लेकिन उन संभावनाओं में अवसरों का घोर अभाव दिखता था। गंगा एक्सप्रेसवे इस विभाजन को पाटने की सबसे बड़ी भौतिक कोशिश है। जब मेरठ और प्रयागराज एक तेज, सुगम, भरोसेमंद सड़क से जुड़ जाते हैं, तो वास्तव में यह दो शहरों का नहीं, दो आर्थिक ध्रुवों का मिलन होता है। पूर्वांचल की श्रम शक्ति और कृषि उत्पाद पश्चिम के बाजारों तक पहुंचने लगते हैं। पश्चिम की पूंजी और उद्यमशीलता पूर्व की सस्ती जमीन और उपलब्ध श्रम को देखकर खिंचती है। यह वह आर्थिक गुरुत्वाकर्षण है जो तब उत्पन्न होता है जब दूरी सिकुड़ती है, न केवल किलोमीटर में, बल्कि समय और लागत में भी। लॉजिस्टिक्स की दुनिया में एक पुराना सच है, माल की ढुलाई की लागत जहां कम होती है, वहां उद्योग खिंचे चले आते हैं। भारत में लॉजिस्टिक्स लागत विकसित देशों की तुलना में लगभग दोगुनी है। यह अतिरिक्त लागत उद्योगों की प्रतिस्पर्धात्मकता को कमजोर करती है, उत्पादों को महंगा बनाती है और निर्यात को बाधित करती है। जब गंगा एक्सप्रेसवे जैसे हाई-स्पीड कॉरिडोर बनते हैं, तो यह समीकरण बदलता है। माल तेज़ पहुंचता है, भंडारण की जरूरत घटती है, ट्रांसपोर्ट का समय कम होता है और पूरी सप्लाई चेन अधिक विश्वसनीय बन जाती है। उत्तर प्रदेश को एक नई 'ग्रोथ स्पाइन' मिल सकती है गंगा एक्सप्रेसवे से होकर गुजरने वाला एक ट्रक केवल माल नहीं ढोएगा, वह उत्तर प्रदेश की आर्थिक प्रतिस्पर्धात्मकता को एक पायदान ऊपर ले जाएगा। लेकिन, असली रूपांतरण तब होगा जब एक्सप्रेसवे के किनारे एक औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र उगेगा। सरकार की योजना औद्योगिक नोड्स, वेयरहाउसिंग हब और एमएसएमई क्लस्टर विकसित करने की है। यह योजना अगर सही नीयत और सही क्रियान्वयन के साथ जमीन पर उतरी, तो उत्तर प्रदेश को एक नई 'ग्रोथ स्पाइन' मिल सकती है। वह रीढ़, जिसके सहारे एक पूरा आर्थिक शरीर खड़ा होता है। टियर-2 और टियर-3 शहरों के लिए / विशेष रूप से महत्वपूर्ण है। हरदोई, शाहजहांपुर, बदाये, संभल रायबरेली, उन्नाव, ये वे शहर हैं जो अब तक विकास की मुख्यधारा से किनारे पड़े थे। एक्सप्रेसवे की पहुंच उन्हें एक बड़े आर्थिक नेटवर्क से जोड़ेगी। गंगा एक्सप्रेसवे खेत से बाजार की यात्रा को तेज करेगा किसानों की बात किए बिना यह विश्लेषण अधूरा है। किसान की सबसे बड़ी पीड़ा यह नहीं है कि वह मेहनत नहीं करता, बल्कि यह है कि उसकी मेहनत का सही मूल्य उसे नहीं मिलता। फसल खेत में पकती है, लेकिन मंडी तक पहुंचते-पहुंचते उसकी ताजगी और उसकी कीमत दोनों गिर जाती हैं। कोल्ड चेन की कमी, खराब सड़कें और बाजार तक पहुंच की धीमी रफ्तार, ये तीन चीजें मिलकर किसान की उपज का एक बड़ा हिस्सा बर्बाद कर देती हैं। गंगा एक्सप्रेसवे खेत से बाजार की यात्रा को तेज करेगा। यदि इसके साथ-साथ एक्सप्रेसवे के किनारे कोल्ड स्टोरेज, फूड प्रोसेसिंग यूनिट और एग्री-लॉजिस्टिक्स हब विकसित हों, तो किसान की तकदीर बदलने में देर नहीं लगेगी। यह विकास का वह बिंदु है जहां बुनियादी ढांचा सीधे मानवीय जीवन की गुणवत्ता से जुड़ता है। एक्सप्रेसवे का एक और आयाम है जिसे अक्सर सार्वजनिक विमर्श में नजरअंदाज किया जाता है – रियल एस्टेट का रूपांतरण। जब भी किसी इलाके में हाई-स्पीड कनेक्टिविटी आती है, जमीन की कीमतें बदलती हैं। नए आवासीय क्षेत्र उभरते हैं, लोग शहर के महंगे इलाकों को छोड़कर एक्सप्रेसवे के किनारे बसने लगते हैं। हालांकि इस प्रक्रिया में जमीन की सट्टेबाजी और असमान लाभ वितरण के खतरे भी हैं, जिनसे बचने के लिए सरकार को सक्रिय नीतिगत हस्तक्षेप करना होगा। रणनीतिक दृष्टि से भी यह एक्सप्रेसवे महत्वपूर्ण है। इसकी संरचना ऐसी बनाई गई है कि आपात स्थिति में इसे वायुसेना की एयरस्ट्रिप के रूप में इस्तेमाल किया जा सके। यह विशेषता इसे केवल एक आर्थिक परियोजना नहीं, बल्कि एक राष्ट्रीय सुरक्षा परिसंपत्ति भी बनाती है। गंगा एक्सप्रेसवे इस नई छवि का सबसे दृश्यमान प्रतीक निवेशकों का मनोविज्ञान भी इस संदर्भ में विचारणीय है। जब कोई राज्य इस पैमाने की परियोजना को समय पर, पारदर्शिता के साथ और कार्यकुशलता के साथ पूरा करता है, तो वह केवल एक सड़क नहीं बनाता, वह एक संदेश देता है कि यह राज्य अब गंभीर है। यहां शासन काम कर रहा है। यहां आपकी पूंजी सुरक्षित है और आपकी परियोजनाएं अटकेंगी नहीं। यह अमूर्त भरोसा बहुत ठोस परिणाम देता है। उत्तर प्रदेश, जो कभी बीमारू राज्यों की श्रेणी में गिना जाता था, अब खुद को एक आधुनिक, निवेश-अनुकूल और महत्वाकांक्षी राज्य के रूप में प्रस्तुत कर रहा है। गंगा एक्सप्रेसवे इस नई छवि का सबसे दृश्यमान प्रतीक है।

डिग्री के बाद भी खाली हाथ, 'युवा भारत' का सपना फिसल रहा है, बढ़ रहीं चुनौतियां

(कुमार सिद्धार्थ)

20 से 29 वर्ष के 6.3 करोड़ स्नातकों में से लगभग 1.1 करोड़ युवा बेरोजगार हैं। यह सचमुच बेहद निराशाजनक है कि ये युवा वर्षों की पढ़ाई के बाद भी रोजगार से वंचित हैं। भारत आज दुनिया के सबसे युवा देशों में गिना जाता है। यह बात अक्सर गर्व के साथ दोहराई जाती है कि देश की बड़ी आबादी कार्यशील आयु वर्ग में है और यही भारत के विकास की सबसे बड़ी ताकत है, लेकिन जब यही युवा, खासकर शिक्षित युवा रोजगार के लिए भटकते नजर आते हैं, तब यह 'जनसांख्यिकीय लाभ' एक कठिन सवाल बन कर सामने खड़ा हो जाता है। हाल ही में जारी 'भारत में कामकाज की स्थिति-2026' रपट ने इस जटिल वास्तविकता को ठोस तथ्यों के साथ सामने रखा है और देश के युवाओं की शिक्षा, रोजगार और श्रम बाजार से जुड़े कई अहम रुझानों को रेखांकित किया है। अजीम प्रेमजी विश्वविद्यालय द्वारा जारी रपट केवल तथ्यों का संकलन नहीं, बल्कि उस संकट का दस्तावेजीकरण है, जिसमें आज का शिक्षित युवा जूझ रहा है। उसके पास उपाधियां हैं, आकांक्षाएं हैं और सपने भी हैं, लेकिन अवसर सीमित हैं। पिछले चार दशकों में भारत में उच्च शिक्षा का दायरा तेजी से बढ़ा है। विश्वविद्यालयों, महाविद्यालयों और तकनीकी शिक्षा संस्थानों की संख्या में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। इसके अनुसार, उच्च शिक्षा में नामांकन दर अब 28 फीसद तक पहुंच चुकी है और इसमें लड़कियों की भागीदारी खासतौर पर बढ़ी है। वहीं पुरुषों के नामांकन में गिरावट दर्ज की गई है। यह वर्ष 2017 के 38 फीसद से घट कर वर्ष 2024 के अंत तक 34 फीसद रह गई है। इसके पीछे मुख्य कारण यह है कि युवा अपने परिवार की जरूरतों को पूरा करने के लिए कमाने के अवसर तलाशने लगते हैं। यह बदलाव सामाजिक दृष्टि से महत्त्वपूर्ण है। इससे संकेत मिलता है कि शिक्षा अब समाज के व्यापक वर्गों तक पहुंच रही है, लेकिन इस प्रगति के साथ एक गहरी विडंबना भी जुड़ी है। शिक्षा में प्रगति तो रही है, लेकिन रोजगार के अवसर उसी अनुपात में नहीं बढ़ रहे हैं। रपट बताती है कि 20 से 29 वर्ष के 6.3 करोड़ स्नातकों में से लगभग 1.1 करोड़ युवा बेरोजगार हैं। यह सचमुच बेहद निराशाजनक है कि ये युवा वर्षों की पढ़ाई के बाद भी रोजगार से वंचित हैं। उनको जो नौकरियां मिलती हैं, वह अक्सर अस्थायी, कम वेतन वाली या कौशल के अनुरूप नहीं होती। स्नातक होने के एक वर्ष के भीतर केवल सात फीसद युवाओं को ही स्थायी वेतन वाली नौकरी मिल पाती है। यह धारणा लंबे समय तक बनी रही कि शिक्षा ही बेरोजगारी से मुक्ति का रास्ता है। मगर आज स्थिति उलट दिखती है। तथ्य यही है कि 15 से 25 वर्ष के युवाओं में बेरोजगारी दर लगभग 40 फीसद है, जबकि 25 से 29 वर्ष के युवाओं में यह करीब 20 फीसद है। यह स्थिति इस बात का संकेत है कि शिक्षा और रोजगार के बीच का संबंध कमजोर हो गया है। डिग्री या उपाधि होने के बावजूद नौकरी नहीं मिलने से युवाओं में निराशा और असंतोष है।

सुडोकू पहेली क्रमांक- 6077

	4			1				9
	7			6		1		
1	6	3	9					8
	3					2		
	5		7		2		1	
		6					3	
6					5	8	9	2
		5		2			6	
9				8			4	

नियम : प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक अंक भरे जाने आवश्यक हैं, इनका क्रमवार होना आवश्यक नहीं है। आड़ी व खड़ी पंक्ति में एवं 3x3 के वर्ग में अंक की पुनरावृत्ति न हो, पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते।

सुडोकू पहेली क्र. 6076

6	9	5	4	7	3	2	1	8
7	3	4	8	2	1	5	6	9
2	8	1	6	9	5	7	3	4
8	1	2	5	3	9	4	7	6
4	6	7	2	1	8	9	5	3
3	5	9	7	6	4	8	2	1
1	7	3	9	4	2	6	8	5
9	2	8	1	5	6	3	4	7
5	4	6	3	8	7	1	9	2

वर्ग पहेली 6077

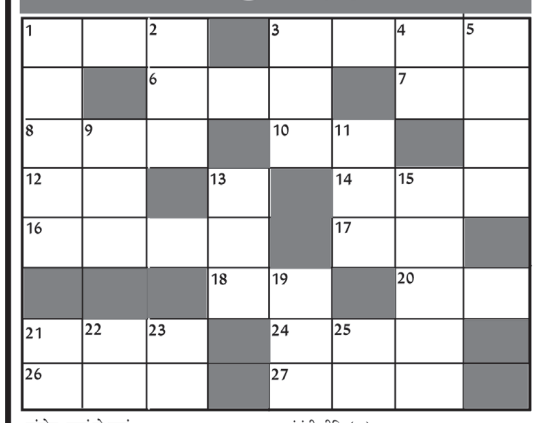

संकेत: बाएं से दाएं

1. 7 सितंबर 1923 को यहां इंटरपोल की स्थापना हुई (3)
3. यह देश पहले फारमूसा कहलाता था जिसकी राजधानी ताइपे है (4)
6. उत्तराखंड या उत्तरप्रदेश में बहने वाली एक नदी जिसे महाकाली नदी या कालीगंगा के नाम से भी जाना जाता है (3)
7. हाथ, हस्त, महसूल (2)
8. कीडों द्वारा निर्मित एकमात्र पदार्थ जो इंसानों द्वारा खाया जाता है (3)
10. एक बार सांस लेने का समय, बल, शक्ति (2)
12. यह संसार की सबसे लंबी नदी है (लंबाई 6650 कि.मी. चौड़ाई 16 कि.मी.)(2)
14. पुनरागत, लौटा हुआ (3)
16. कूटयुक्तिकर्ता, जुगतबाज (4)
17. खुदकाश्त कृषि, घरजोत (2)
18. मटमैले रंग का प्रसिद्ध धातु (2)
20. पत्नी, लक्ष्मी, सरस्वती, स्त्री (2)
21. भगवान विष्णु का पांचवा अवतार (3)
24. भार माप, महत्व (3)
26. भिक्षा झोली, आंचल (2)
27. मुर्गे आदि पक्षी के सिर पर परों का गुच्छा (3)

संकेत: ऊपर से नीचे

1. विदेश के लिए बनाई आचार व्यवहार संबंधी नीति (5)
2. जो खुश न हो, अप्रसन्न, खिन्न (3)
3. कुल संख्या, गणना, गिनती, हिसाब (3)
4. वाक्य का अपभ्रंश वाणी (3)
5. एक प्रकार का फूल (4)
9. कंठ, गले की नली (3)
11. गढपति, किलेदार (3)
13. शिष्टता, विवेक, तहजीब, सभ्यता (3)
15. आज्ञा, अनुमति इजाजत,अध्यादेश (5)
19. स्तुति करने वाले को यह भी कहते है (3)
21. वचन, इकरार, प्रतिज्ञा (2)
22. मेरा या मेरी (संस्कृत)(2)
23. महिला ईसाई पादरी (2)
25. पंच तत्वों में एक, आब, नीर (2)

वर्ग पहेली 6076 का हल

पे	इ	चिं	ग		सु	ल	ह
रा	त		या	मि	नी		स
ई	रा	न		ल	ल	का	र
	ना	ज	नी	न		म	त
मे		फ	र	सा		ना	ज
घ	न		द	र	मा		य
दू	भ	र				रि	पु
त		वि	श्व		सं	त	री

आज का राशिफल

मेष

आज का दिन आपके लिए सकारात्मक और अनुकूल रहेगा। नौकरी बदलने के प्रयास सफल हो सकते हैं और रोजगार की तलाश कर रहे लोगों को अच्छी खबर मिल सकती है। आपकी आय के नए स्रोत खुलेंगे, जिससे आर्थिक स्थिति मजबूत होगी। आपको अपनी आय और खर्च में संतुलन बनाए रखना होगा। परिवार में बड़ों का मार्गदर्शन आपको सही दिशा देगा।

वृष

आज का दिन आपके लिए तरक्की के नए दरवाजे खोलने वाला साबित होगा। करियर में अचानक उछाल देखने को मिलेगा, जिससे आपका आत्मविश्वास बढ़ेगा, लेकिन साथ ही कुछ छुपे हुए विरोधी भी सक्रिय हो सकते हैं, जो आपके काम में बाधा डालने की कोशिश करेंगे। आपको अपनी समझदारी और संयम से हर परिस्थिति को संभालना होगा।

मिथुन

आज भाग्य आपका पूरा साथ देगा और आप जो भी काम शुरू करेंगे, उसमें सफलता के संकेत दिखाई देंगे। कारोबार में नई योजनाओं की शुरुआत आपके लिए फायदेमंद रहेगी और आप पूरे उत्साह के साथ काम में जुटे रहेंगे। जीवनसाथी के लिए कोई सरप्राइज गिफ्ट आपके रिश्ते में मिठास घोल देगा।

तुला

आज का दिन आपके लिए सामान्य लेकिन सावधानी से भरा रहेगा। कार्यस्थल पर कुछ लोग आपके खिलाफ साजिश रच सकते हैं, इसलिए आपको सतर्क रहकर अपने काम को ईमानदारी से करना होगा। यदि आप कहीं यात्रा पर जाने की सोच रहे हैं, तो माता-पिता की सलाह अवश्य लें।

वृश्चिक

आज आपके सामने कुछ ऐसे खर्च आ सकते हैं, जिन्हें टालना संभव नहीं होगा, लेकिन आपकी समझदारी आपको सही निर्णय लेने में मदद करेगी। निर्णय लेने की क्षमता मजबूत रहेगी और आप अपने भाई-बहनों के साथ मिलकर कुछ महत्वपूर्ण फैसले ले सकते हैं। यदि पैतृक संपत्ति से जुड़ा कोई विवाद चल रहा था, तो उसके सुलझने के संकेत मिल रहे हैं।

धनु

आज का दिन आपके लिए कुछ खास कर दिखाने का संकेत दे रहा है। आपके अंदर नई ऊर्जा और उत्साह रहेगा, जिससे आप अपने कामों को अलग पहचान देने में सफल होंगे। हालांकि, बिजली से जुड़े उपकरणों का उपयोग करते समय सावधानी बरतना जरूरी है। सांसारिक सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी, लेकिन काम का दबाव भी आपको थोड़ा परेशान कर सकता है।

कर्क

आज का दिन आपके प्रभाव और सम्मान में वृद्धि लेकर आएगा। आपके नए प्रयास सफल होंगे और मेहनत का पूरा फल मिलेगा। लंबे समय से आ रही बाधाएं दूर होंगी, जिससे आप राहत महसूस करेंगे। माता जी की सेहत को लेकर थोड़ा सतर्क रहने की आवश्यकता है। किसी के बहकावे में आकर कोई बड़ा जोखिम न लें।

कन्या

आज का दिन आपके लिए आध्यात्म और अच्छे कर्मों से जुड़कर नाम कमाने का रहेगा। आप अपने पिताजी से काम को लेकर सलाह लेंगे,लेकिन जीवनसाथी के साथ बैठकर आप पारिवारिक समस्याओं का समाधान निकाल लेंगे।

मकर

आज आपको अपने कामों में धैर्य और संतुलन बनाए रखने की आवश्यकता है। मन में चल रही उलझनें आपको थोड़ा परेशान कर सकती हैं, लेकिन यदि आप शांत रहकर निर्णय लेंगे, कोई नई जिम्मेदारी मिलने पर उसे पूरी ईमानदारी से निभाएं और किसी से वादा सोच-समझकर ही करें। धार्मिक कार्यों में मन लगेगा और आप पूजा-पाठ या किसी आध्यात्मिक आयोजन में शामिल हो सकते हैं।

कुंभ

आज का दिन आपके लिए खुशियों और संतोष से भरा रहेगा। आपकी मेहनत का पूरा फल मिलेगा और आर्थिक स्थिति भी मजबूत होती नजर आएगी। लेन-देन के मामलों में सावधानी बरतना जरूरी होगा। नौकरी की तलाश कर रहे लोगों को अच्छा अवसर मिल सकता है। सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने से आपकी पहचान बढ़ेगी और आप अच्छे खान-पान का आनंद लेंगे।

मीन

आज का दिन आपके लिए सुख-सुविधाओं में वृद्धि लेकर आएगा। जीवनसाथी का पूरा सहयोग और साथ आपको मानसिक शांति देगा। यदि पारिवारिक व्यवसाय में किसी प्रकार की कड़वाहट चल रही थी, तो आज वह दूर हो सकती है और रिश्तों में फिर से मिठास आएगी। यात्रा के योग बन रहे हैं, लेकिन अपने सामान की सुरक्षा का विशेष ध्यान रखें।

स्वामी, प्रकाशक, मुद्रक एवं संपादक श्रीराम अम्बष्ट द्वारा सोमांक प्रिंटर्स, बी-17 और बी-18 (भाग), ग्रोथ सेंटर जसोइया, औरंगाबाद, बिहार - 824101 में मुद्रित एवं सोन वर्षा वाणी बिल्डिंग, क्लब रोड, औरंगाबाद (बिहार) से प्रकाशित।
संपादक- श्रीराम अम्बष्ट, समाचार संपादक- साकेत अम्बष्ट फोन/फैक्स-06186-226116 मो.-9934957121, E-mail : soneversha vani@gmail.com, RNI-BIHHIN/1998/03009

बड़े पार्टनर होने का अनुभव कैसा है?

● यशस्वी ने कहा 'मुझे नहीं लगता कि मैं बड़ा हूं। मैं अभी भी बहुत युवा हूं'

चंडीगढ़ (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स ने 223 रनों का विशाल लक्ष्य हासिल कर पंजाब किंग्स के विजयी अभियान को रोक दिया। फ्रेंचाइजी के जाने-माने चेहरे जायसवाल ने अपनी 'ऑरेंज कैप' साथी खिलाड़ी और 15 साल के ओपनिंग पार्टनर वैभव सूर्यवंशी को सौंपी। जब ब्रॉडकास्टर ने जायसवाल से पूछा, 'बड़े पार्टनर होने का अनुभव कैसा है?' इस 24 वर्षीय खिलाड़ी ने मजाकिया अंदाज में कहा, मुझे नहीं लगता कि मैं बड़ा हूं। मैं अभी भी बहुत युवा हूं। थोड़ा और सोच-समझकर बोलते हुए जायसवाल ने माना कि उम्र का यह अंतर उनके लिए एक अनोखी स्थिति थी। उन्होंने कहा, लेकिन हां, वह काफी छोटा है। इसलिए, सच कहूं तो मुझे समझ नहीं आ रहा कि इस बारे में क्या कहूं। बेशक यह बहुत बढ़िया है। मुझे उसके साथ बैटिंग करने में बहुत मजा आया और वह बहुत शानदार खेल रहा है। इसलिए जब मैं दूसरे छोर से उसे गेंद पर जोरदार शॉट लगाते देखता हूं, तो मुझे हमेशा खुशी होती है। आईपीएल 2026 में जायसवाल और सूर्यवंशी ने मिलकर विरोधी टीमों की जमकर धुनाई की है और साझेदारी के मामले में वे सबसे आगे चल रहे हैं। राजस्थान के लिए 9 पारियों में इन दोनों ने मिलकर 451 रन जोड़े हैं। आक्रामक सलामी साझेदारी पर बात करते हुए जायसवाल ने कहा, बेशक, हमें पता था कि यह एक हाई-स्कोरिंग मैदान है। इसलिए हमें अपना आक्रामक रवैया बनाए रखना था और जब भी मौका मिलता, हमें शॉट लगाना था। मैं भी यही सोच रहा था कि अगर गेंद मेरी रेंज में आती है, तो मैं उसे जरूर मारूंगा। और हां, हमें एक अच्छी शुरुआत की जरूरत थी क्योंकि हमें 200 या उससे ज्यादा रन बनाने थे। इसलिए यह बिल्कुल साफ था कि अगर गेंद हमारे खेलने के दायरे में आएगी, तो हम उसे जरूर मारेंगे।

न्यूजीलैंड ने महिला टी20 विश्व कप के लिए टीम की घोषणा की, इन खिलाड़ियों को मिला मौका

वेलिंगटन (एजेंसी)। न्यूजीलैंड ने पिछले आईसीसी महिला टी20 विश्व कप में खिताबी जीत वाली टीम में शामिल कुल 10 खिलाड़ियों को इंग्लैंड और वेल्स में होने वाले आगमी टूर्नामेंट के लिए 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया है।

न्यूजीलैंड ने बुधवार को स्टार ऑलराउंडर मेली केर को टीम का कप्तान बनाया। इसी के साथ मौजूदा चैंपियन न्यूजीलैंड टी-20 विश्व कप के लिए अपनी टीम का घोषणा करने वाली दूसरी टीम बन गई। कीवी टीम में अनुभव और युवाओं का अच्छा मेल है, जिसमें अनुभवी सूजी बेट्स और डिवाइन अपने 10वें टी-20 विश्व कप में खेलेंगी, जबकि नई खिलाड़ी नेन्सी पटेल और बल्लेबाज इजी शार्प का आईसीसी टूर्नामेंट में अपने पहले अनुभव के लिए टीम में स्वागत किया गया है। पहली पसंद की स्पिनर ईडन कार्सन अपनी लंबे समय से कोहनी की चोट के कारण टीम में नहीं चुनी जा सकीं।

न्यूजीलैंड के कोच बेन सॉयर ने कहा, मेरा मानना है कि हमें एक अच्छी तरह से बैलेंस्ड टीम मिली है जिसमें एक्सपीरियंस और रोमांचक युवा प्रतिभा का मिश्रण है। हमने पिछले 12 महीनों में अपनी बैटिंग डेप्थ को डेवलप करने के लिए बहुत मेहनत की है, खासकर दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे के खिलाफ हमारी हालिया होम सीरीज में इसका फायदा देखने को मिला है। न्यूजीलैंड टी-20 वर्ल्डकप में ग्रुप 2 में होगा और नॉकआउट स्टेज से पहले इंग्लैंड, आयरलैंड, स्कॉटलैंड, श्रीलंका और वेस्ट इंडीज के खिलाफ मैच खेलेगा।

विश्वकप के लिए न्यूजीलैंड टीम – मेली केर (कप्तान), सूज़ी बेट्स, सोफी डिवाइन, फ्लोरा डेवोनशायर, इजी गेज, मैडी ग्रीन, ब्रुक हॉलिडे, ब्री इलिंग, पॉली इंग्लिस, जेस केर, रोजमेरी मेयर, नेन्सी पटेल, जॉर्जिया प्लिमर, इजी शार्प और ली ताहुहू।

एआईएफएफ यूथ लीग

पंजाब एफसी का जलवा बरकरार, फाइनल में 3-0 से शानदार जीत

नईदिल्ली (एजेंसी)। पंजाब एफसी ने एएआईएफएफ एलीट यूथ लीग 2025-26 का खिताब सफलतापूर्वक डिफेंड करते हुए फाइनल में जिंक फुटबाल एकादमी को 3-0 से हराया। गढ़शंकर के रामसर साहिब स्पोर्ट्स स्टेडियम में खेले गए इस मुकाबले में पंजाब स्रष्ट ने दूसरे हाफ में दमदार प्रदर्शन किया।

10 मिनट में मैच खत्म – दूसरे हाफ में महज 10 मिनट के अंदर पंजाब स्रष्ट ने तीन गोल दागकर मैच अपने नाम कर लिया। 69वें मिनट में कृष शोरम ने शानदार गोल कर टीम को बढ़त दिलाई। इसके ठीक एक मिनट बाद 70वें मिनट में कप्तान विशाल यादव ने गोल कर बढ़त को दोगुना कर दिया।

तीसरे गोल से पक्की जीत – पंजाब एफसी का आक्रमण यहीं नहीं रुका और 79वें मिनट में थोग्राम रिषीकांत सिंह ने तीसरा गोल दागकर जीत पूरी तरह सुनिश्चित कर दी।

पहले हाफ में बराबरी की टक्कर – पहले हाफ में पंजाब स्रष्ट ने गेंद पर ज्यादा नियंत्रण रखा और लगातार हमले किए, लेकिन जिंक फुटबाल एकाडमी के गोलकीपर स्मारनिक थापा ने कई शानदार बचाव किए।

गोल्फ जगत में शोक की लहर

दिग्गज खिलाड़ी विजय कुमार का 57 वर्ष की उम्र में निधन

नई दिल्ली (एजेंसी)। अपने जमाने के दिग्गज भारतीय गोल्फर विजय कुमार का उनके लखनऊ में दिल का दौरा पड़ने से निधन हो गया। वह 57 वर्ष के थे। इंडियन ओपन 2002 के विजेता और चार बार के 'ऑर्डर ऑफ मेरिट' चैंपियन विजय भारतीय पेशेवर गोल्फ के सबसे सफल और सम्मानित खिलाड़ियों में से एक थे। विजय ने 1988 में पेशेवर गोल्फर के रूप में करियर शुरू किया।

उन्होंने एक दशक से भी अधिक समय तक भारतीय घरेलू गोल्फ पर अपना दबदबा बनाए रखा और इस दौरान कई खिताब जीते। इंडियन ओपन 2002 में उनकी जीत विशेष रूप से उल्लेखनीय है। वह इंडियन ओपन जीतने वाले नौ भारतीय गोल्फरों में से एक हैं। विजय ने 1999 में स्कॉटलैंड के सेंट एंड्रयूज में अलफ्रीड दुनहिल कप में भी भारत का रिप्रेजेंटसन किया था।

डीपी वर्ल्ड प्रोफेशनल गोल्फ टूर आफ इंडिया के अध्यक्ष कपिल देव ने विजय कुमार के निधन को भारतीय गोल्फ के लिए बड़ी क्षति बताया। कपिल ने कहा, विजय कुमार भारतीय गोल्फ के महान खिलाड़ियों में से एक थे। अपनी उपलब्धियों, विनम्रता और खेल के प्रति समर्पण ने उन्हें गोल्फरों की कई पीढ़ियों के लिए एक आदर्श बना दिया। उनका निधन भारतीय गोल्फ के लिए बड़ी क्षति है। हम उनके परिवार और प्रियजनों के प्रति अपनी हार्दिक संवेदना व्यक्त करते हैं।

मैड्रिड ओपन में बड़ा उलटफेर, हेले बाप्टिस्ट ने सबालेंका को हराया

मैड्रिड (एजेंसी)। हेले बाप्टिस्ट ने मैड्रिड ओपन 2026 में बड़ा उलटफेर करते हुए वर्ल्ड नंबर-1 सबालेंका को हराकर सेमीफाइनल में जगह बना ली। बाप्टिस्ट ने एक सेट से पिछड़ने के बाद जबरदस्त वापसी करते हुए 2-6, 6-2, 7-6(6) से जीत दर्ज की। यह मुकाबला करीब ढाई घंटे तक चला और उनके करियर की सबसे बड़ी जीत साबित हुआ।

छह मैच प्वाइंट बचाकर पलटा मैच – इस मुकाबले में बाप्टिस्ट ने असाधारण मानसिक मजबूती दिखाई। उन्होंने छह मैच प्वाइंट बचाते हुए मुकाबले को टाईब्रेक तक पहुंचाया और अंत में लगातार तीन अंक जीतकर मैच अपने नाम कर लिया। इस जीत के साथ उन्होंने सबालेंका की 15 मैचों की जीत का सिलसिला भी खत्म कर दिया।

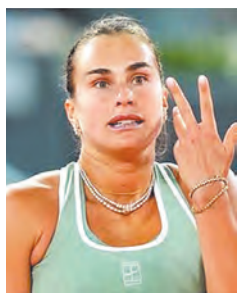

पहली बार डब्ल्यूटीए 1000 सेमीफाइनल में एंट्री – 24 वर्षीय बाप्टिस्ट ने इस टूर्नामेंट में लगातार शानदार प्रदर्शन किया है। उन्होंने इससे पहले जैस्मिन पाओलिनी को हराया था और अब पहली बार किसी डब्ल्यूटीए 1000 टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में पहुंची हैं। इससे पहले उन्होंने कभी टॉप-5 खिलाड़ी को नहीं हराया था, लेकिन इस बार उन्होंने लगातार बड़े नामों को मात दी है।

मैच का टर्निंग पॉइंट – पहले सेट में सबालेंका पूरी तरह हावी नजर आईं और आसानी से सेट जीत लिया। लेकिन दूसरे सेट में बाप्टिस्ट ने आक्रामक खेल दिखाया और सबालेंका की गलतियों का फायदा उठाते हुए मैच बराबर कर दिया।

राजस्थान के कप्तान रियान पराग ई-सिगरेट पीते दिखे

ड्रेसिंग रूम का वीडियो वायरल, देश में बैन, बीसीसीआई कार्रवाई कर सकता है

मुल्लांपुर (एजेंसी)। राजस्थान रॉयल्स आईपीएल 2026 में एक बार फिर विवादों घिर गई है. इस बार टीम अपने कप्तान रियान पराग के गलत कारणों से सुर्खियों में आई है. यह दाएं हाथ का बल्लेबाज पहले से ही अपने खराब प्रदर्शन के कारण सवालों के घेरे में है, और अब एक और विवाद ने उन पर सबका ध्यान खींच लिया है. दरअसल सोशल मीडिया पर वायरल हुई एक मैच के दौरान लाइव प्रसारण के एक क्लिप में रियान पराग को ड्रेसिंग रूम में ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते हुए देखा गया।

यह घटना न्यू-चंडीगढ़ के मुल्लांपुर में पंजाब किंग्स के खिलाफ राजस्थान रॉयल्स के 223 रनों के लक्ष्य का पीछा करने के दौरान 16वें ओवर में कैमरे में कैद हुई. फैंस ने तुरंत इस पल को पकड़ लिया, और तब से यह क्लिप सोशल मीडिया पर खूब शेयर की जा रही है. हालांकि इस मैच को राजस्थान ने 6 विकेट से अपने नाम कर

लिया था, जिसकी वजह से पंजाब को इस सीजन पहली हार का सामना करना पड़ा।

रियान पराग इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट पीते हुए – वायरल क्लिप में पराग को राजस्थान के ड्रेसिंग रूम में दूसरी पारी के दौरान ई-सिगरेट का इस्तेमाल करते हुए देखा जा सकता है. इन दृश्यों को लाइव कैमरों ने कैद कर लिया, और तब से यह फुटेज सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बन गया है. आईपीएल के नियमों के अनुसार, ड्रेसिंग रूम और स्टेडियम परिसर में धूम्रपान प्रतिबंधित है, सिवाय उन जगहों के जो इसके लिए तय की गई हैं।

क्या पराग को होगी जेल – पराग के इस काम की जांच इसलिए हो रही है क्योंकि भारत में 'इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम (पीईसीए) 2019' के तहत ई-सिगरेट पर प्रतिबंध लगा हुआ है. यह अधिनियम इनके उत्पादन, बिक्री, खरीद और उपयोग पर रोक भी लगाता है. इसका उल्लंघन करने पर जुर्माना और यहां तक ??कि जेल भी हो सकती है।

पराग को क्या सजा मिल सकती है- राजस्थान के कप्तान रियान पराग को अभी तक कोई आधिकारिक सजा नहीं दी गई है, लेकिन आईपीएल के अनुशासन संबंधी नियमों और देश के कानून का उल्लंघन करने के मामले में उनके इस काम की समीक्षा होने की पूरी संभावना है, और यह घटना 'इलेक्ट्रॉनिक सिगरेट निषेध अधिनियम (पीईसीए), 2019' के कारण और भी गंभीर हो जाती है, जो अधिनियम भारत में ई-सिगरेट के इस्तेमाल पर रोक लगाता है. अगर बीसीसीआई अपनी जांच में पराग को दोषी पाता है तो फिर उन पर मैच फीस का जुर्माना लगाने के साथ साथ कुछ मैचों का प्रतिबंध लगना भी तय है।

आईपीएल इतिहास में तीसरा सबसे तेज शतक लगाने वाले यंगेस्ट प्लेयर बने वैभव सूर्यवंशी

16 बॉल पर बनाए 43 रन, पारी में 5 छक्के, 3 चौके

9 मैचों में 400 रन, ऑरेंज कैप के लिए टॉप पर

चंडीगढ़ (एजेंसी)। आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स (आरआर) और पंजाब किंग्स (पीबीकेएस) के बीच मैच खेला गया। मुकाबला न्यू चंडीगढ़ स्थित महाराजा यादवेंद्र सिंह स्टेडियम में खेला गया था।

पंजाब किंग्स ने 223 रन का टारगेट दिया था, जिसे राजस्थान ने 4 गेंद रहते हासिल कर लिया और 6 विकेट से जीत हासिल कर लिया।

जवाबी पारी के दौरान वैभव ने पहले ओवर में बैक टू बैक 3 बाउंड्री जड़े। अर्शदीप की चौथी बॉल पर उन्होंने डीप बैकवर्ड स्क्वैयर में छक्का लगाया। इसके बाद लगातार दो चौके लगाए।

तीसरे ओवर में वैभव अर्शदीप की गेंद पर आउट हो गए। उन्होंने 16 गेंद पर 43 रन बनाए। उनकी पारी में 5 छक्के और 3 चौके शामिल हैं। इस इनिंग के साथ ही वे ऑरेंज कैप के लिए टॉप पर आ गए हैं। उन्होंने 9 मैचों में 400 रन बनाए।

15 साल के वैभव सूर्यवंशी सबसे तेज 50 छक्के पूरे करने वाले बल्लेबाज बन गए। उन्होंने मात्र 36 गेंदों में अपना दूसरा शतक जड़ दिया। उन्होंने 36 गेंदों में 103 रन बनाए। इस धमाकेदार पारी में उन्होंने 12 छक्के और 5 चौके लगाए।

इसी के साथ वे आईपीएल के इतिहास में तीसरे सबसे तेज शतक लगाने वाले खिलाड़ी बन गए हैं। पहले नंबर पर क्रिस गेल हैं। गेल ने 2013 में पुणे वॉरियर्स इंडिया के खिलाफ 30 गेंद पर शतक लगाया था। इसके अलावा वैभव आईपीएल में सबसे तेज शतक लगाने वाले भारतीय भी बन गए हैं।

वैभव एक आईपीएल इनिंग में सबसे ज्यादा सिक्स लगाने वाले भारतीय – वैभव ने अपनी शतकीय पारी में 12 छक्के लगाए। वे आईपीएल की एक पारी में सबसे ज्यादा छक्के लगाने वाले भारतीय बन गए हैं। इससे पहले यह रिकॉर्ड मुरली विजय के नाम था, जिन्होंने 2010 में ऋक के खिलाफ 11 छक्के लगाए थे।

श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड के अध्यक्ष शम्मी सिल्वा का इस्तीफा

पूरी कार्यकारिणी ने भी पद छोड़ा, पूर्व क्रिकेटर रोशन महानमा को अंतरिम कमेटी में जगह मिल सकती है

कोलंबो (एजेंसी)। श्रीलंका क्रिकेट (एसएलसी) में लंबे विवाद और राजनीतिक खींचतान के बीच बुधवार को अध्यक्ष शम्मी सिल्वा ने इस्तीफा दिया। उनके साथ पूरी कार्यकारी समिति ने भी सामूहिक इस्तीफा सौंपा। यह फैसला अनुरा कुमारा दिसानायके से बातचीत के बाद लिया गया। बोर्ड पर वित्तीय अनियमितताओं और मिसमैनेजमेंट के आरोप थे, जिससे उन पर पद छोड़ने का दबाव था।

पूर्व सांसद संभाल सकते हैं कमान, महानमा और सिदथ वेट्टिमुनी को भी जिम्मेदारी संभव – रिपोर्ट के मुताबिक सरकार बोर्ड के कामकाज के लिए अंतरिम कमेटी बनाने की तैयारी में है। इसकी अध्यक्षता पूर्व सांसद एरन विक्रमरत्ने कर सकते हैं। रोशन महानमा और सिदथ वेट्टिमुनी को भी बड़ी भूमिका मिल सकती है।सरकार का उद्देश्य क्रिकेट प्रशासन में तेजी से सुधार करना है, हालांकि आधिकारिक घोषणा बाकी है।

7 साल का कार्यकाल और विवाद – शम्मी सिल्वा फरवरी 2019 में पहली बार अध्यक्ष बने थे। 7 साल में वे चार बार चुने गए, तीन बार निर्विरोध। उनके कार्यकाल में महिला और पुरुष टीमों ने एशिया कप जीता, लेकिन पुरुष टीम की रैंकिंग गिरी।टीम 2023 वनडे वर्ल्ड कप में 9वें नंबर पर रही और 2026 टी-20 वर्ल्ड कप में भी प्रदर्शन निराशाजनक रहा। इसी महीने गैरी कर्स्टन को हेड कोच बनाने के बावजूद नेतृत्व बदलने की मांग जारी रही

आईपीएल के 19वें सीजन में भारतीय बल्लेबाजों का रिकॉर्ड योगदान

भारतीय बैटर्स विदेशियों पर भारी, कुल रन के 69 प्रतिशत इनके नाम, स्ट्राइक रेट में अव्वल

नईदिल्ली (एजेंसी)। आईपीएल 2026 में पूरी तरह भारतीय बल्लेबाजों का दबदबा दिख रहा है। सीजन के शुरुआती 38 मैचों में कुल 13 हजार 100 रन बने हैं। इनमें से भारतीय बल्लेबाजों ने 9066 रन ठोके हैं, जो कि कुल रनों का 69.21त्न है। यह किसी एक सीजन के शुरुआती 38 मैचों के बाद भारतीय बल्लेबाजों के योगदान का सबसे बड़ा आंकड़ा है। पिछले साल इस स्टेज तक 12,858 रन बने थे, जिसमें भारतीय बैटर्स ने 66.25 प्रतिशत का योगदान दिया था।

आईपीएल के शुरुआती वर्षों में यह आंकड़ा 50 प्रतिशत के आसपास रहता था और 2009 में तो यह 47.51 प्रतिशत तक गिर गया था। लेकिन इस साल भारतीय बल्लेबाजों ने रनों का जो अंबार लगाया है,

उसने विदेशी बल्लेबाजों की चमक फीकी कर दी है। विदेशी बल्लेबाजों ने इस सीजन 30.79 प्रतिशत रन (4034) बनाए हैं, जो भारतीय बैटर्स का आधा भी नहीं है।स्ट्राइक रेट में भी भारतीय बैटर्स ने विदेशियों को पीछे छोड़ दिया है। इस सीजन बने कुल रनों में स्ट्राइक रेट 154.17 रहा है।इनमें भारतीय बैटर्स के 9066 रन 158.86 की स्ट्राइक रेट से आए हैं, जबकि विदेशियों ने अपना योगदान 144.59 के स्ट्राइक रेट से दिया है।रन औसत (29.44) में भी भारतीय बैटर्स विदेशियों (26.54) से बेहतर हैं।सर्वाधिक सिक्स में टॉप-10 भारतीय हैं। वैभव ने सर्वाधिक 32 छक्के लगाए हैं। किसी विदेशी के 16+ सिक्स नहीं हैं।

विस्फोटक बैटिंग: टॉप-11 स्ट्राइक रेट में सभी भारतीय बल्लेबाज – रनों की संख्या से भी ज्यादा चौंकाने वाला आंकड़ा रन बनाने की गति यानी स्ट्राइक रेट का है। इस साल भारतीय बल्लेबाजों का स्ट्राइक रेट (158.86) विदेशी बल्लेबाजों की तुलना में 14.27 अधिक है। आईपीएल के 19 साल में यह बहुत बड़ा बदलाव है। इससे पहले केवल दो बार (2010 और 2011) ऐसा हुआ था, जब भारतीयों ने विदेशियों से तेज रन बनाए थे, लेकिन तब भी यह अंतर बहुत मामूली था। भारतीय बल्लेबाजी की गहराई का अंदाजा इस बात से लगाया जा सकता है कि इस सीजन में 200 या उससे ज्यादा रन बनाने वाले 24 खिला?ड़ियों में से 19 बल्लेबाज भारतीय हैं। इनमें सबसे बेहतरीन स्ट्राइक रेट वाले टॉप-11 बल्लेबाज सिर्फ भारतीय हैं।

विदेशी बल्लेबाजों में सबसे पहला नाम फिल सॉल्ट का है, जो 12वें नंबर पर आते हैं। उनके बाद 13वें नंबर पर कूपर कोनोली हैं। आरसीबी के लिए टिम डेविड ने जरूर 194.68 की स्ट्राइक रेट से शानदार बल्लेबाजी की है, लेकिन कुल 183 रन होने की वजह से वह 200 रनों के कट-ऑफ से बाहर हैं।

विदेशी दिग्गजों का फ्लॉप शो

- एक तरफ भारतीय बल्लेबाज और युवा सितारे तूफानी प्रदर्शन कर रहे हैं, तो दूसरी तरफ दुनिया भर की टी20 लीग्स में खेलने वाले बड़े विदेशी नाम बुरी तरह फ्लॉप साबित हुए हैं।
- हेड और एडेन मार्करम जैसे दिग्गजों का प्रदर्शन थोड़ा बेहतर रहा है, लेकिन वे भी 8 पारियों में 200 रन का आंकड़ा नहीं छू पाए हैं और उनका स्ट्राइक रेट भी 150 से कम रहा है।
- कुल मिलाकर, आईपीएल 2026 भारतीय क्रिकेट के उस स्वर्णिम दौर की गवाही दे रहा है जहां अनकैप्ड और युवा भारतीय खिलाड़ियों ने डर को पीछे छोड़ते हुए टी20 क्रिकेट खेलने की पूरी परिभाषा ही बदल दी है।

बिहार समेत देश-दुनिया की ताजा-तरीन खबरों को जानने के लिए लॉगऑन करें : www.sonvarshavani.com

न्यूज बाइट्स

हीट वेव : ओबरा अस्पताल में पांच बेड का विशेष एसी वार्ड तैयार

ओबरा (औरंगाबाद) (नि.सं.)। भीषण गर्मी और लगातार बढ़ते तापमान को देखते हुए ओबरा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में लू (हीट वेव) से प्रभावित मरीजों के इलाज के लिए विशेष तैयारियां की गई हैं। अस्पताल प्रशासन ने पांच बेड का वातानुकूलित (एसी) विशेष वार्ड तैयार किया है, जहां लू से पीड़ित मरीजों को प्राथमिकता के आधार पर बेहतर चिकित्सा सुविधा उपलब्ध कराई जाएगी। अस्पताल के प्रभारी चिकित्सा पदाधिकारी डॉ. बिक्रम सिंह ने बताया कि हीट वेव के बढ़ते प्रभाव को देखते हुए यह विशेष वार्ड तैयार किया गया है, जिसमें केवल लू से प्रभावित मरीजों को ही भर्ती किया जाएगा। उन्होंने चिकित्सकों और स्वास्थ्यकर्मियों को विशेष सतर्कता बरतने के निर्देश भी दिए हैं। वार्ड में मरीजों के इलाज के लिए पर्याप्त दवाइयों की व्यवस्था की गई है। ग्लूकोज, आईवी फ्लूड्स, आवश्यक दवाएं तथा अन्य जरूरी संसाधन उपलब्ध कराए गए हैं, ताकि किसी भी स्थिति में इलाज में कोई बाधा न आए। साथ ही मरीजों की सुविधा और त्वरित उपचार के लिए स्वास्थ्यकर्मियों की 24 घंटे तैनाती सुनिश्चित की गई है। स्वास्थ्य प्रबंधक विकास शंकर ने जानकारी दी कि सिविल सर्जन के निर्देश पर हीट वेव से निपटने के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूरी कर ली गई हैं। रोस्टर के अनुसार डॉक्टरों और नर्सों की ड्यूटी लगाई गई है, जिससे मरीजों को लगातार और निर्बाध स्वास्थ्य सेवाएं मिलती रहें। हालांकि बुधवार को मौसम में हल्का बदलाव देखने को मिला और तापमान में कुछ गिरावट दर्ज की गई, फिर भी स्वास्थ्य विभाग पूरी तरह अलर्ट मोड में है, ताकि किसी भी आपात स्थिति से प्रभावी ढंग से निपटा जा सके।

एसपी के जनता दरबार में सुनी गईं आमजनों की शिकायतें

औरंगाबाद (एसवीवी.सं.)। जिले में पुलिस-जन संवाद को मजबूत करने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक द्वारा जनता दरबार का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में लोग अपनी-अपनी समस्याओं को लेकर पहुंचे। जनता दरबार में फरियादियों ने भूमि विवाद, आपराधिक घटनाओं, पारिवारिक विवाद तथा अन्य स्थानीय समस्याओं से जुड़ी शिकायतें प्रस्तुत कीं। पुलिस अधीक्षक ने सभी आवेदकों की समस्याओं को गंभीरता से सुना और एक-एक मामले की जानकारी लेकर संबंधित पदाधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट किया कि प्रत्येक शिकायत का निष्पक्ष और समयबद्ध समाधान सुनिश्चित किया जाए, ताकि आम लोगों को न्याय मिल सके। इस दौरान कई मामलों में तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए गए, वहीं जटिल मामलों के निष्पादन के लिए संबंधित थाना एवं विभागीय अधिकारियों को जवाबदेही के साथ कार्य करने को कहा गया। पुलिस अधीक्षक ने अधिकारियों को यह भी निर्देश दिया कि वे शिकायतकर्ताओं से समन्वय बनाए रखें और प्रगति की जानकारी समय-समय पर उपलब्ध कराएं।

सड़क हादसे में साइकिल सवार 55 वर्षीय राजमिस्त्री की मौत

निज संवाददाता | बारूण (औरंगाबाद)

जिले में बुधवार को एक दर्दनाक सड़क हादसे में साइकिल सवार राजमिस्त्री की मौत हो गई। घटना बारुण थाना क्षेत्र की है, जहां अज्ञात वाहन ने एक व्यक्ति को कुचल दिया और मौके से फरार हो गया। मृतक की पहचान बारुण थाना क्षेत्र के बर्डी खुर्द गांव निवासी 55 वर्षीय हीरालाल राम के रूप में हुई है।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, हीरालाल राम रोज की तरह काम के सिलसिले में डेहरी स्थित एक कंस्ट्रक्शन साइट पर जा रहे थे। वे साइकिल से निकले थे और जैसे ही गैमन पुल के पास पहुंचे, तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उन्हें जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि वे मौके पर ही गंभीर रूप से घायल हो गए। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय लोग मौके पर पहुंचे और एंबुलेंस की मदद से उन्हें औरंगाबाद सदर अस्पताल ले जाया गया, जहां चिकित्सकों ने उन्हें मृत घोषित कर दिया। पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी होने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया गया। इस घटना की खबर मिलते ही परिवार में कोहराम मच गया। परिजनों के अनुसार, हीरालाल राम अपने छोटे बेटे की शादी की तैयारियों में व्यस्त थे और इसको लेकर काफी उत्साहित भी थे। लेकिन अचानक हुए इस हादसे ने परिवार की खुशियों को मातम में बदल दिया। मृतक अपने पीछे तीन बेटे और एक बेटी को छोड़ गए हैं। उनके बड़े बेटे जितेंद्र (33) और पप्पू (30) तथा बेटी गुड़िया (28) की शादी हो चुकी है, जबकि सबसे छोटे बेटे छोटू (23) की शादी की तैयारियां चल रही थीं। परिवार की आर्थिक जिम्मेदारी मुख्य रूप से हीरालाल राम के कंधों पर ही थी। ग्रामीणों ने बताया कि हीरालाल राम एक मेहनती और ईमानदार राजमिस्त्री थे, जो रोजाना मेहनत-मजदूरी कर अपने परिवार का पालन-पोषण करते थे। गांव में उनकी अच्छी छवि थी और सभी लोग उन्हें सम्मान की दृष्टि से देखते थे।

उनकी असमय मौत से पूरे गांव में शोक की लहर है। घटना के बाद ग्रामीणों ने जिला प्रशासन से पीड़ित परिवार को सरकारी प्रावधानों के तहत मुआवजा देने की मांग की है, ताकि इस कठिन समय में परिवार को आर्थिक सहायता मिल सके। वहीं पुलिस मामले की जांच में जुट गई है और अज्ञात वाहन की पहचान कर उसे पकड़ने के प्रयास किए जा रहे हैं।

औरंगाबाद में पटना के युवक की मिली शव

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

औरंगाबाद में एक युवक की संदिग्ध स्थिति में मौत हुई है। ससुराल से एक किमी दूर आम के पेड़ के नीचे लाश मिली है। मृतक पटना के बाढ़ का रहने वाला गोविंद विश्वकर्मा (31) है। गोविंद विश्वकर्मा गया शहर में गांधी मैदान के पास एक फर्नीचर दुकान पर काम करता था और पिछले कुछ वर्षों से वहीं रहकर जीविका चला रहा था। 27 अप्रैल की शाम फर्नीचर दुकान में उसने अपनी बाइक खड़ी की थी। उसने दुकानदार दयानंद को कहा था कि 10 मिनट में चाय पीकर आ रहा हूं, पर वो देर शाम तक नहीं लौटा। घटना की जानकारी दुकानदार ने परिजन को दी। 28 अप्रैल को कुछ छात्र रास्ते से गुजर रहे थे, उन्होंने गोविंद की लाश देखी और स्थानीय लोगों को बताया। जिसके बाद परिजन को भी जानकारी हुई। आज लाश का पोस्टमॉर्टम हुआ है। घटना फीगंज थाना क्षेत्र के सिमरा जमशेद गांव के पास की है। मृतक के साले विक्रम ने बताया कि गोविंद अपने ससुराल पक्ष के साथ एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए गया जिले के भदईया गांव गया हुआ था, जहां उसके पत्नी का ननिहाल था। वहां मामा सनोज विश्वकर्मा की बेटी की शादी थी।

25 अप्रैल को वहां बारात आई थी, जिसमें परिवार के सभी लोग शामिल हुए थे। शादी के बाद भी गोविंद 2 दिनों तक वहीं रुका रहा। 26 अप्रैल की रात परिवार के लोगों ने एक साथ बैठकर खाना-पीना किया। इसके अगले दिन यानी 27 अप्रैल को गोविंद ने काम पर लौटने की बात कही और वहां से निकल गया।

कट्टा के साथ युवक गिरफ्तार छिनतई की योजना नाकाम

निज संवाददाता | अंबा (औरंगाबाद)

जिले के अंबा थाना क्षेत्र में पुलिस ने एक बड़ी वारदात को होने से पहले ही विफल करते हुए एक युवक को अवैध हथियार के साथ गिरफ्तार किया है। पकड़ा गया आरोपी मो. अरबाज खान है, जो नहैया बिगहा गांव निवासी मो. हैदर खान का पुत्र बताया जा रहा है। थानाध्यक्ष राहुल राज के अनुसार, मंगलवार देर शाम पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि संडा पुल के पूर्वी छोर के पास एक युवक हथियार के साथ संदिग्ध स्थिति में घूम रहा है। सूचना में यह भी बताया गया था कि वह राहगीरों को डराने-धमकाने और छिनतई की वारदात को अंजाम देने की फिराक में है। सूचना मिलते ही पुलिस ने तत्परता दिखाते हुए एक टीम गठित की और बताए गए स्थान पर छापेमारी की। पुलिस टीम को देखते ही आरोपी मौके से भागने लगा, लेकिन जवानों ने तत्परता दिखाते हुए उसका पीछा किया और कुछ दूरी पर खदेड़कर उसे पकड़ लिया। तलाशी के दौरान उसके पास से एक देशी कट्टा बरामद किया गया। इसके बाद उसे हिरासत में लेकर अंबा थाना लाया गया।

थानाध्यक्ष ने बताया कि आरोपी के खिलाफ आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया गया है। पूछताछ के बाद बुधवार को उसे न्यायिक हिरासत में भेजने की प्रक्रिया की जा रही है। पुलिस अब यह जांच कर रही है कि आरोपी के पास हथियार कहां से आया और क्या उसका संबंध किसी अवैध हथियार तस्करी गिरोह से है। साथ ही इस बात की भी पड़ताल की जा रही है कि इस तरह की आपराधिक गतिविधियों में उसके साथ और कौन-कौन लोग शामिल हो सकते हैं। पुलिस की इस कार्रवाई से क्षेत्र में संभावित अपराध को टाल दिया गया है और स्थानीय लोगों ने राहत की सांस ली है।

लू से निपटने को प्रशासन अलर्ट, डीएम ने की समीक्षा बैठक

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

भीषण गर्मी और संभावित लू की स्थिति को देखते हुए जिला प्रशासन पूरी तरह सतर्क हो गया है। समाहरणालय स्थित योजना भवन में जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में ग्रीष्मकालीन आपदा प्रबंधन को लेकर उच्चस्तरीय समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में लू, सुखाड़, अग्निकांड और पेयजल संकट से निपटने के लिए विभिन्न विभागों की तैयारियों का जायजा लिया गया और आवश्यक निर्देश दिए गए। बैठक के दौरान डीएम ने कहा कि भीषण गर्मी का सबसे अधिक असर बच्चों, गर्भवती एवं धात्री महिलाओं और दिहाड़ी मजदूरों पर पड़ता है, इसलिए सभी विभाग समन्वय के साथ काम करें और राहत व्यवस्था को जमीनी स्तर तक प्रभावी बनाएं।

पेयजल संकट से निपटने के लिए प्रशासन ने कई अहम फैसले लिए हैं। शहर और ग्रामीण क्षेत्रों में टैंकर, वाटर एटीएम और प्याऊ के माध्यम से जलापूर्ति सुनिश्चित करने का निर्देश दिया गया है। सार्वजनिक स्थलों, स्लम एरिया और आश्रय स्थलों में स्वच्छ पेयजल की उपलब्धता अनिवार्य करने को कहा गया है। खराब पड़े चापाकलों की प्राथमिकता के आधार पर मरम्मत के साथ-साथ डीप बोरिंग और पाइपलाइन की वैकल्पिक व्यवस्था करने के निर्देश दिए गए हैं। नगर परिषद औरंगाबाद को प्रत्येक वार्ड में बोरिंग और स्टैंड पोस्ट लगाने तथा जल संकट वाले क्षेत्रों में डीप बोरिंग कराने का निर्देश दिया गया है। शहर में 13 टैंकर तैयार रखे गए हैं और आवश्यकता पड़ने पर अतिरिक्त टैंकर भाड़े पर लिए जाएंगे। साथ ही, शहर में 20 स्थानों पर प्याऊ की व्यवस्था की जा रही है। गांधी मैदान बस डिपो मोड़ पर 50 बेड का आश्रय स्थल भी शुरू कर दिया गया है, जहां जरूरतमंद लोगों को राहत मिलेगी। लोक स्वास्थ्य अभियंत्रण विभाग को 1940 चापाकलों की मरम्मत का लक्ष्य दिया गया है, जिसमें से 1347 चापाकल अब तक ठीक किए जा चुके हैं। प्रत्येक प्रखंड में दो-दो चलंत मरम्मत दल तैनात किए गए हैं। डीएम ने स्पष्ट निर्देश दिया कि किसी भी वार्ड में जल आपूर्ति बाधित नहीं होनी चाहिए। बिजली आपूर्ति को लेकर भी विभाग को सतर्क रहने को कहा गया है। खराब ट्रांसफार्मरों को शीघ्र बदलने और जर्जर तारों को दुरुस्त करने का निर्देश दिया गया है। शहरी क्षेत्रों में 23-24 घंटे और ग्रामीण क्षेत्रों में 22-23 घंटे बिजली आपूर्ति सुनिश्चित करने पर जोर दिया गया।

स्वास्थ्य विभाग को लू से निपटने के लिए विशेष तैयारी करने के निर्देश दिए गए हैं। अस्पतालों में लू मरीजों के लिए दवाएं, ओआरएस, पेयजल, ऑक्सीजन, डॉक्टर, एसी और कूलर की व्यवस्था सुनिश्चित करने को कहा गया है। सभी अस्पतालों में लू वार्ड के लिए बेड आरक्षित किए गए हैं और एसी एंबुलेंस की व्यवस्था भी की जा रही है। इसके अलावा सभी प्रखंड, स्कूलों और आंगनबाड़ी केंद्रों में ओआरएस उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। पशुपालन विभाग को भी पशुओं के लिए दवा और पानी की समुचित व्यवस्था करने तथा मोबाइल वैन के माध्यम से इलाज की सुविधा उपलब्ध कराने को कहा गया है।

भामाशाह जयंती पर भव्य आयोजन, भामाशाह व महाराणा प्रताप की प्रतिमा पर माल्यार्पण

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद।

भामाशाह जयंती के अवसर पर बुधवार सुबह शहर में श्रद्धा और उत्साह का माहौल देखने को मिला। भामाशाह तैलिक युवा संस्थान के सौजन्य से प्रातः 8:30 बजे दानवीर शिरोमणि भामाशाह एवं वीर शिरोमणि महाराणा प्रताप की आदमकद प्रतिमाओं पर श्रद्धापूर्वक माल्यार्पण कर उन्हें नमन किया गया। कार्यक्रम की शुरुआत संस्थान के अध्यक्ष संजय कुमार द्वारा प्रतिमा पर पुष्प अर्पित करने के साथ हुई। इसके बाद उपस्थित गणमान्य अतिथियों एवं सामाजिक कार्यकर्ताओं ने भी श्रद्धासुमन अर्पित कर महान विभूतियों को याद किया। इस अवसर पर वक्ताओं ने भामाशाह और महाराणा प्रताप के जीवन, त्याग, राष्ट्रभक्ति और समाजसेवा पर विस्तार से प्रकाश डालते हुए उनके आदर्शों को आज के समाज के लिए अत्यंत प्रासंगिक बताया। कार्यक्रम में उपस्थित लोगों ने कहा कि भामाशाह का त्याग और महाराणा प्रताप का स्वाभिमान आने वाली पीढ़ियों के लिए प्रेरणास्रोत है।

सभी ने उनके बताए मार्ग पर चलने और समाजहित में कार्य करने का संकल्प लिया। इस अवसर पर नगर परिषद अध्यक्ष उदय कुमार गुप्ता, रेडक्रॉस अध्यक्ष सतीश कुमार सिंह, भारतीय जनता पार्टी के पूर्व जिलाध्यक्ष पुरुषोत्तम कुमार सिंह, टूना प्रसाद गुप्ता, राम रूप सिंह, राजू कुमार, मनीष कुमार, प्रभात कुमार (एबीवीपी), सतीश कुमार स्नेही, वार्ड पार्षद अमित अखौरी, अभय सिंह, औरंगाबाद सेवा शिविर के संचालक राम विकास सिंह, विनोद कुमार साहू, अर्जुन कुमार सहित सैकड़ों गणमान्य लोग उपस्थित रहे। कार्यक्रम का सफल संचालन संस्थान के सचिव देवाशीष कुमार पिंटू ने किया, जिनकी देखरेख में पूरा आयोजन सुव्यवस्थित तरीके से संपन्न हुआ।

पुलिस की बड़ी कार्रवाई : 168 बोतल विदेशी शराब के साथ तस्कर गिरफ्तार, बाइक जब्त

निज संवाददाता | कुटुंबा (औरंगाबाद)

जिले के कुटुंबा प्रखंड अंतर्गत अंबा थाना क्षेत्र में पुलिस ने अवैध शराब के खिलाफ बड़ी कार्रवाई करते हुए एक तस्कर को गिरफ्तार किया है। बुधवार सुबह सिंहपुर गांव के समीप चलाए गए अभियान में पुलिस ने भारी मात्रा में विदेशी शराब बरामद की। इस दौरान खैरा गांव निवासी 25 वर्षीय प्रिंस सिंह को मौके से पकड़ा गया।

थाना प्रभारी राहुल राज ने बताया कि पुलिस को गुप्त सूचना मिली थी कि एक तस्कर शराब की खेप लेकर सिंहपुर मार्ग से गुजरने वाला है। सूचना के आधार पर पुलिस टीम ने सिंहपुर स्कूल के पास जांच अभियान चलाया। इसी दौरान एक पल्सर मोटरसाइकिल पर सवार युवक को रोका गया। तलाशी लेने पर उसकी बाइक से 'रॉयल झारखंड डिलक्स' ब्रांड की कुल 168 बोतल विदेशी शराब बरामद हुई। सभी बोतलें 200 मिलीलीटर की थीं, जिनकी कुल मात्रा 33.6 लीटर आंकी गई। कार्रवाई के दौरान पुलिस ने तस्करी में प्रयुक्त बिना रजिस्ट्रेशन नंबर वाली काले रंग की पल्सर मोटरसाइकिल को भी जब्त कर लिया। मामले में पुलिस अवर निरीक्षक राजा कुमार के लिखित आवेदन पर अंबा थाना में कांड संख्या 71/26 दर्ज किया गया है।

पुलिस ने आरोपी प्रिंस सिंह के खिलाफ बिहार मद्यनिषेध एवं उत्पाद अधिनियम 2018 की धारा 30(ए) के तहत प्राथमिकी दर्ज करते हुए उसे न्यायिक हिरासत में भेज दिया है। थाना प्रभारी राहुल राज ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में अवैध शराब कारोबार के खिलाफ अभियान लगातार जारी रहेगा। उन्होंने चेतावनी दी कि शराब की तस्करी, बिक्री या सेवन में संलिप्त किसी भी व्यक्ति को बख्शा नहीं जाएगा। पुलिस की इस कार्रवाई से इलाके में अवैध शराब कारोबारियों में हड़कंप मचा हुआ है।

मनरेगा कार्यों की समीक्षा, डीएम ने दिए सख्त निर्देश

आंगनबाड़ी निर्माण और श्रमिकों को समय पर भुगतान पर विशेष जोर

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

समाहरणालय स्थित योजना भवन के सभागार में जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा की अध्यक्षता में मनरेगा योजनाओं की समीक्षात्मक बैठक आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न प्रखंडों में चल रही योजनाओं की प्रगति की समीक्षा करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए।

समीक्षा के दौरान डीएम ने निर्देश दिया कि जिले के 82 अनाच्छादित ग्राम पंचायतों में खेल मैदान के लिए स्थल चयन कर गुणवत्तापूर्ण मैदान विकसित किए जाएं। साथ ही सभी प्रखंडों में अधिक से अधिक श्रमिकों को कार्य आवंटित करते हुए शत-प्रतिशत मानव दिवस सृजन सुनिश्चित करने को कहा गया। उन्होंने ग्रीष्मकालीन मौसम को देखते हुए कार्यस्थलों पर श्रमिकों के लिए पेयजल और छाया की समुचित व्यवस्था अनिवार्य रूप से करने का निर्देश दिया। मनरेगा अभिसरण के तहत आवास लाभार्थियों को मिलने वाले 95 दिनों के परिश्रमिक का समय पर भुगतान सुनिश्चित करने पर भी जोर दिया गया। प्रखंड रफीगंज में लंबित आवास योजनाओं में मजदूरी भुगतान में देरी पर संबंधित कार्यक्रम पदाधिकारी को कड़ी चेतावनी दी गई।

इसके अलावा, ग्राम पंचायतों में निर्माणाधीन आंगनबाड़ी केंद्रों के कार्य में तेजी लाने तथा नए आंगनबाड़ी केंद्रों के निर्माण हेतु योजनाओं को शीघ्र क्रियान्वित करने का निर्देश दिया गया। ग्रामीण बाजार एवं हाट के विकास को लेकर चिन्हित 10 स्थलों पर कार्य योजना तैयार कर शीघ्र निर्माण कार्य शुरू करने के निर्देश भी दिए गए। बैठक में जीविका हाट निर्माण के लिए प्रत्येक प्रखंड में उपयुक्त स्थलों का चयन कर निर्माण कार्य प्रारंभ करने को कहा गया, ताकि ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूती मिल सके। बैठक में उप विकास आयुक्त अनन्या सिंह, जिला पंचायती राज पदाधिकारी इफ्तेखार अहमद, डीआरडीए निदेशक अनुपम कुमार तथा मनरेगा से संबंधित कार्यक्रम पदाधिकारी उपस्थित रहे।

मौसम ने बदली करवट बूंदाबांदी और ठंडी हवाओं से लोगों को मिली राहत

अंबा (औरंगाबाद) (नि.सं.)। भीषण गर्मी से जूझ रहे जिलेवासियों को बुधवार को बड़ी राहत मिली, जब अचानक मौसम ने करवट बदल ली। दिनभर की तपिश के बाद हल्की बूंदाबांदी और ठंडी हवाओं ने वातावरण को सुहाना बना दिया। आसमान में उमड़-घुमड़ रहे बादलों ने ऐसा अहसास कराया मानो बारिश का मौसम दस्तक दे चुका हो। पिछले करीब पंद्रह दिनों से जिले में लगातार पड़ रही भीषण गर्मी ने आमजन का जनजीवन प्रभावित कर दिया था। लू के कारण अस्पतालों और निजी क्लीनिकों में मरीजों की संख्या बढ़ने लगी थी। हालात को देखते हुए जिला प्रशासन ने भी स्कूलों के समय में बदलाव सहित कई एहतियाती निर्देश जारी किए थे। इसी बीच मौसम में आए इस बदलाव ने लोगों को काफी राहत पहुंचाई है। ठंडी हवाओं और हल्की बारिश से जहां तापमान में गिरावट महसूस की गई, वहीं लोगों के बीच नई ताजगी और स्फूर्ति का संचार हुआ।

दिव्यांग छात्रों के शैक्षिक सशक्तिकरण को लेकर जागरूकता बैठक आयोजित

- छात्रवृत्ति योजनाओं का लाभ दिलाने पर विशेष जोर
- जिनका राशन कार्ड नहीं बना, उन्हें बनवाने के लिए प्रेरित किया गया

निज संवाददाता | फेसर (औरंगाबाद)

फेसर पंचायत में एनएलआर इंडिया फाउंडेशन के सौजन्य से दिव्यांगजनों की एक महत्वपूर्ण जागरूकता बैठक आयोजित की गई। बैठक का मुख्य उद्देश्य दिव्यांग छात्रों को शिक्षा के क्षेत्र में सशक्त बनाना, उन्हें सरकारी योजनाओं की जानकारी देना तथा छात्रवृत्ति सहित विभिन्न लाभ दिलाने में सहयोग करना था।

बैठक के दौरान बताया गया कि सरकार द्वारा संचालित योजनाओं का लाभ उठाकर दिव्यांग छात्र अपनी पढ़ाई को आगे बढ़ा सकते हैं। साथ ही, जिन दिव्यांगजनों का राशन कार्ड अब तक नहीं बना है, उन्हें इसे शीघ्र बनवाने के लिए प्रेरित किया गया। इसके अतिरिक्त सभी को यूडीआईडी कार्ड बनवाने के लिए जागरूक किया गया, ताकि भविष्य में मिलने वाली सरकारी सुविधाओं से कोई भी वंचित न रह सके। कार्यक्रम में उपस्थित सभी दिव्यांगजनों से अपील की गई कि वे संगठित रहें और अपने आसपास के अन्य लोगों को भी जागरूक करें, ताकि प्रत्येक जरूरतमंद व्यक्ति तक सरकारी योजनाओं की जानकारी पहुंच सके और उन्हें उनकी दिव्यांगता के आधार पर सहायक उपकरणों का लाभ मिल सके।

इस अवसर पर संस्था के राज्य समन्वयक अक्षय कुमार प्रजापति ने विस्तारपूर्वक विभिन्न सरकारी योजनाओं, छात्रवृत्ति तथा सहायक उपकरणों की जानकारी दी। कार्यक्रम को सफल बनाने में प्रखंड डीआईडी समन्वयक रंजीत कुमार की महत्वपूर्ण भूमिका रही। बैठक में कुल 25 दिव्यांगजनों ने भाग लिया और योजनाओं का लाभ उठाने के लिए सक्रिय होने का संकल्प लिया।

डीएम अभिलाषा शर्मा ने की समीक्षा, अधिक से अधिक लाभुक जोड़ने पर जोर

सूर्य की रोशनी से रौशन होंगे हर घर, पीएम सूर्य घर योजना से मिलेगी बिजली बिल में राहत

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में सौर ऊर्जा को बढ़ावा देने और आम उपभोक्ताओं को बिजली बिल से राहत दिलाने के उद्देश्य से पीएम सूर्य घर मुफ्त बिजली योजना की समीक्षा बैठक समाहरणालय स्थित योजना भवन में आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिलाधिकारी अभिलाषा शर्मा ने की, जिसमें योजना की प्रगति और क्रियान्वयन पर विस्तार से चर्चा हुई। बैठक में विद्युत विभाग के कार्यपालक अभियंता ने जानकारी दी कि केंद्र सरकार की इस महत्वाकांक्षी योजना के तहत बिहार के घरेलू उपभोक्ताओं को सोलर संयंत्र लगाने पर आकर्षक अनुदान दिया जा रहा है। योजना के तहत 1 किलोवाट क्षमता तक के संयंत्र पर 30 हजार रुपये, 2 किलोवाट तक पर 60 हजार रुपये तथा 3 किलोवाट या उससे अधिक क्षमता के संयंत्र पर 78 हजार रुपये तक की सब्सिडी प्रदान की जा रही है।

बताया गया कि सोलर संयंत्र स्थापित करने के लिए उपभोक्ताओं को लगभग 80 से 240 वर्ग फीट तक की छत या खुली जगह की आवश्यकता होती है। 1 किलोवाट का संयंत्र प्रति माह करीब 125 यूनिट बिजली उत्पादन करने में सक्षम है। इसकी लागत की भरपाई लगभग 5 से 7 वर्षों में हो जाती है, जबकि संयंत्र की आयु लगभग 25 वर्ष होती है। इच्छुक उपभोक्ताओं को राष्ट्रीयकृत बैंकों के माध्यम से ऋण सुविधा भी उपलब्ध कराई जा रही है। विद्युत कार्यपालक अभियंता पंकज कुमार गुप्ता ने बताया कि उपभोक्ता 'सुविधा' ऐप के माध्यम से ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। साथ ही स्थानीय विद्युत कार्यालय से अधिकृत वेंडरों की सूची प्राप्त कर योजना का लाभ ले सकते हैं। उन्होंने कहा कि सोलर संयंत्र न केवल आर्थिक रूप से लाभकारी है, बल्कि पर्यावरण संरक्षण में भी महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है और कार्बन उत्सर्जन को कम करने में सहायक है। बैठक में बताया गया कि जिले में अब तक कुल 837 आवेदन प्राप्त हुए हैं, जिनमें से 628 वेंडरों का चयन किया गया है। वहीं 144 भवनों में सोलर संयंत्र का अधिष्ठापन पूर्ण हो चुका है। एलडीएम द्वारा बैंक ऋण से संबंधित जानकारी देते हुए बताया गया कि 270 ऋण आवेदन विभिन्न कारणों से अस्वीकृत किए गए हैं।

भीषण गर्मी को देखते हुए स्कूलों के समय में बदलाव, जिलाधिकारी का आदेश लागू

- कक्षा 5 तक 11 बजे के बाद और कक्षा 8 तक 12 बजे के बाद गतिविधियों पर रोक

एसवीवी संवाददाता | औरंगाबाद

जिले में पड़ रही भीषण गर्मी और लू की स्थिति को देखते हुए बच्चों के स्वास्थ्य और सुरक्षा के मद्देनजर जिला प्रशासन ने स्कूलों के संचालन समय में बदलाव किया है। जिलाधिकारी सह जिला दंडाधिकारी अभिलाषा शर्मा द्वारा इस संबंध में महत्वपूर्ण आदेश जारी किया गया है। जारी निर्देश के अनुसार, भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता 2023 की धारा 163 के तहत जिले के सभी सरकारी एवं गैर-सरकारी विद्यालयों, प्री-स्कूल, आंगनबाड़ी केंद्रों और कोचिंग संस्थानों में कक्षा 5वीं तक पूर्वाह्न 11:00 बजे के बाद तथा कक्षा 6वीं से 8वीं तक अपराह्न 12:00 बजे के बाद शैक्षणिक गतिविधियों के संचालन पर रोक रहेगी।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट निर्देश दिया है कि सभी विद्यालय प्रबंधन इस आदेश का कड़ाई से पालन सुनिश्चित करें और बच्चों के स्वास्थ्य को सर्वोच्च प्राथमिकता दें। यह आदेश 29 अप्रैल 2026 से अगले आदेश तक प्रभावी रहेगा। जिला प्रशासन ने अभिभावकों से भी अपील की है कि भीषण गर्मी के इस दौर में बच्चों को अनावश्यक रूप से धूप में बाहर न भेजें, उन्हें पर्याप्त पानी उपलब्ध कराएं और सुरक्षित वातावरण सुनिश्चित करें, ताकि लू के प्रभाव से बचाव किया जा सके।